RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2020-22
Desp. 02 February, 2022

अंक – 08 (मासिक) वर्ष – 17 फरवरी, 2022 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

न्यायमूर्ति जितेन्द्र माहेश्वरी

दिगम्बर झंवर

रामविलास माहेश्वरी

MAHESHWARI OF THE YEAR 2021

माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2021

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा राष्ट्र वंदन में किया सूर्य नमस्कार

युवा शिक्षा रत्न सम्मान समारोह सम्पन्न

श्री माहेश्वरी मेलापक

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2022
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

KĀBEL
MAKE THE
RIGHT CHOICE
FOR YOUR HOME
KĀBEL
SUPEREX FR
FIREX LSOH
UNILAY HR FR
FLAMEX FR-LSH
DO THE
AKALMAND
THING!
GLOBAL
RAM RATNA GROUP
R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • F : +91 - 22 - 2491 2586 • E : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • F : +91 - 265 - 2321 894 • E : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

▸▸ अंक-08 ▸▸ फरवरी 2022 ▸▸वर्ष-17

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
माणकचंद काबरा, मुम्बई

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2021

सम्मान से विजय

विचार क्रान्ति

महाभारत के भीष्म पर्व में एक अद्भुत प्रसङ्ग है। श्रीकृष्ण के श्रीमुख से गीतोपदेश सुन अर्जुन का मोह निवारण हो चुका था। इसके तत्काल बाद महायुद्ध का निर्णायक शंखनाद हुआ लेकिन युद्ध प्रारंभ होने से पहले ही युधिष्ठिर ने अपना कवच उतारा और सारे अस्त्रशस्त्र धरकर अपने रथ से भूमि पर उतर पड़े। किसी से बिना कुछ कहे वे अंजुरी बाँधे पूर्वाभिमुख होकर शत्रु सेना की ओर चल पड़े।

यह देख अपने-अपने रथों में खड़े शेष पांडव स्तब्ध रह गए। अर्जुन, भीम, नकुल व सहदेव अगले ही क्षण रथों से कूदे और युधिष्ठिर के निकट आकर उन्हें ऐन युद्ध की घड़ी शत्रु सेना में जाने से रोकने लगे। भाइयों के रोकने पर भी न तो युधिष्ठिर रुके, न ही उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। वे चुपचाप चलते रहे। तब युधिष्ठिर का अभिप्राय श्रीकृष्ण को समझ आया और उन्होंने अर्जुन आदि को अपने पास बुला लिया, जबकि युधिष्ठिर अकेले निष्कवच शत्रु सेना में प्रवेश कर गए।

कथा अनुसार युधिष्ठिर ने सबसे पहले भीष्म, फिर द्रोण, फिर कृपाचार्य और अंत में अपने मामा शल्य के पास जाकर सभी गुरुजनों के चरणों में शीश नवाया और युद्ध करने की आज्ञा माँगी। सभी ने युधिष्ठिर से कहा कि 'यदि तुम हमारे पास न आए होते तो हम तुम्हें पराजय का शाप दे देते, किन्तु विनम्रता और बड़ों के प्रति सम्मान का यह आचरण देख हम अत्यंत प्रसन्न हैं।'

कौरव सेना की ओर से लड़ने वाले उन चारों महारथियों ने यह भी कहा कि 'पुरुष अर्थ का दास होता है और हम कौरवों के अर्थ से बंधे हैं।' अतः तुम्हारे पक्ष में युद्ध भले नहीं कर सकते किन्तु तुम्हें विजय का आशीर्वाद देते हैं। यहाँ तक कि द्रोण ने प्रसन्न होकर युधिष्ठिर को अपनी मृत्यु का रहस्य भी बता दिया। मद्रराज शल्य ने युधिष्ठिर को वर दिया कि कर्ण के साथ अर्जुन के युद्ध के समय वे कर्ण के रथ का सारथ्य करेंगे और कटु वचनों से कर्ण को हतोत्साहित करेंगे ताकि युद्ध में अर्जुन की विजय निश्चित हो सके। भीष्म ने युधिष्ठिर को वचन दिया कि वे समय आने पर अपनी मृत्यु का रहस्य बता देंगे। इस प्रकार बड़ों के प्रति सम्मान प्रकट कर युधिष्ठिर न केवल उनके शाप से बच गए बल्कि विजय का आशीष और विजय में सहायक वरदानों को लेकर लौटे।

महाभारतकार लिखते हैं, 'गौरवं पाण्डुपुत्राणां मान्यान् मानयतां च तान्। दृष्ट्वा महीक्षितस्तत्र पूजयाञ्चकिरे भृशम्।।' अर्थात् माननीय पुरुषों का सम्मान करने वाले पाण्डवों के उस गौरव को देखकर रणभूमि में खड़े दोनों पक्षों के सभी राजा पाण्डवों की बड़ी प्रशंसा करने लगे।

साधो! इसके बाद युद्ध हुआ और उसका परिणाम जगत् जानता है। पाण्डव विजयी हुए और पराजित कौरव मारे गए। कारण, कौरव बड़ों का सम्मान करना नहीं जानते थे जबकि पाण्डवों में सम्मान का भाव कूट-कूटकर भरा था। स्मरण रखे, बड़ों का यथोचित सम्मान न केवल भावी अशुभ से बचाता है बल्कि मङ्गलमय विजय सुनिश्चित कर देता है।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

सेवा, संकल्प बन जीवन में उतरी

सफलता की ऊंचाई का पता तब चलता है, जब उनकी सुकून देने वाली छाया जमीन पर पड़ती है। समाज में ऐसे बिरले लोग होते हैं जो ऊंचाई पर जाने के बाद भी जमीन को नहीं भूलते। उनके व्यक्तित्व का घनत्व उन लोगों से पता चलता है जिन्हें उनके मददगार हाथों का सहारा मिला। उनके जीवन में सेवा, संकल्प बन कर उतरी, तब यह प्रतिसाद समाज को मिला। श्री माहेश्वरी टाईम्स ने इस साल के ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर'' के लिए समाज की ऐसी ही तीन विभूतियों को चुना है, जिनके लिए सेवा कोई यश पाने की होड़ नहीं, बल्कि आत्मिक सुख की अनुभूति है। श्री माहेश्वरी टाईम्स का यह सम्मान भी देते हुए हम हर्षित हैं, हालांकि उनके व्यक्तित्व के सामने यह बहुत छोटा प्रयास है या यह कहा जाए कि सूर्य को दीपक दिखाना है। श्री माहेश्वरी टाईम्स की चयन समिति माहेश्वरी ऑफ द ईयर ख्यात उद्यमी रामविलास हुरकट (माहेश्वरी), मेडिकल क्षेत्र के दिग्गज डॉ. दिगंबर झंवर और न्यायिक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करने वाले सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जितेंद्र माहेश्वरी को समर्पित करते हुए गौरवान्वित महसूस करती है।

रामविलास हुरकट प्रिंटिंग क्षेत्र में नाम और यश अर्जित करने के साथ समाज की सेवा में भी अग्रणी है। धर्म, शिक्षा, स्वास्थ्य, वनवासी और समाजसेवा के क्षेत्र में उन्होंने जो योगदान दिया है वह अप्रतीम है। उनके माध्यम से सेवा के कई प्रकल्प जनमानस को सेवा और सुविधा दे रहे हैं। डॉ. दिगंबर झंवर कोरोना संक्रमण के दौरान इसलिए चर्चा में आए कि उनके द्वारा निर्मित रेमडेसिविर इंजेक्शन ने कोरोना मरीजों को सबसे ज्यादा राहत दी। मरीजों की जान बचाने के लिए डॉ. झंवर ने समाज को निःशुल्क इंजेक्शन उपलब्ध कराकर उन मरीजों तक पहुंचाए जो संक्रमण के झंझावत के बीच आर्थिक कारणों से इसे खरीद नहीं सकते थे। उनकी यह सेवा तो वक्त की जरूरत थी लेकिन इसके अलावा भी वे निरंतर समाजसेवा में जुटे हैं। उनका अगला प्रोजेक्ट चौंकाने वाला है कि अपार सफलताओं के बीच वे उम्र की चौथाई को त्र्यंबकेश्वर के नजदीक विकसित करने जा रहे आश्रम, मंदिर और सेवालय में व्यतीत करें। जहां वे धर्म-अध्यात्म के साथ वेद शिक्षा और आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के लिए काम करना चाहते हैं। इस कड़ी में न्यायमूर्ति जितेंद्र माहेश्वरी ने न्यायिक क्षेत्र में सुधार और न्याय को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जो काम किया वह इस क्षेत्र के लिए सदैव मार्गदर्शक बना रहेगा। बाल संरक्षण व अधिकारों से लेकर ग्राम न्यायालयों की स्थापना जैसे कई कदम उनकी समाज के प्रति जिम्मेदारी और सेवा-समर्पण की द्योतक है। इस अंक में आप समाज की इन तीनों ही खास विभूतियों के व्यक्तित्व के उन अंशों को जान सकेंगे, जिन्हें हम समेट पाए हैं। उनका कृतित्व इससे भी आगे तक है, ठीक सूर्य के उस प्रकाश की तरह जिसकी सीमा का अंदाज भर लगाया जा सकता है। श्री माहेश्वरी टाईम्स की दिली शुभकामनाएँ हैं कि आप इसी तरह दैदिप्यमान नक्षत्र के रूप में समाज आलोकित करते रहें।

युवा संगठन को भी हम बिजनेस एप और अन्य युवा गतिविधियों के लिए बधाई देना चाहते हैं। युवा संगठन ने सोमनाथ में दसवीं कार्यसमिति की बैठक में बिजनेस एप, बिजनेस मार्ट, युवा महाअधिवेशन, राष्ट्रीय खेल महोत्सव, महेश आवास योजना, लोहार्गल मंदिर निर्माण जैसे बड़े निर्णय किए हैं। माहेश्वरी बिजनेस मार्ट ऑनलाइन प्लेटफार्म हैं, जहां समाज के युवाओं के उद्योग-व्यापार को आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा। स्टार्ट-अप आईडियाज को इन्वेस्टमेंट उपलब्ध कराने जैसे कदम युवाओं को प्रेरित करेंगे। महिला संगठन ने भी सूर्य नमस्कार जैसे नए कदम उठाए हैं।

माता सरस्वती के जन्मोत्सव बसंत पंचमी पर्व की सभी को शुभकामनाऐं देते हुए प्रार्थना करते हैं कि ज्ञान व बुद्धि का सतत विकास करते हुए सभी को सफलता के शिखर की ओर सतत् अग्रसर करें। आगामी अंक समाज की ऐसी नारी शक्ति को समर्पित 'महिला विशेषांक' होगा जो अपने जज्बे व कर्मशीलता से अपने विशिष्ट कर्मक्षेत्र में सफलता का ध्वज फहराती हुई प्रेरणा स्त्रोत बनी हुई हैं। यदि आपकी जानकारी में ऐसी कोई समाज की नारी शक्ति हों जिन्होंने अपने योगदानों से राष्ट्र स्तर पर सफलता के कीर्तिमान स्थापित किये हैं, तो हमें जानकारी अवश्य दें, हम करेंगे इनके प्रेरक व्यक्तित्व पर आधारित आलेख का प्रकाशन। इसी प्रकार इस विशेषांक में ऐसे दो महिला संगठन की जानकारी भी प्रकाशित करेंगे, जो अपने विशिष्ट प्रयासों से अन्य संगठनों के लिये प्रेरणा स्त्रोत बने हुए हैं। इस सम्बंध में भी जानकारी आमंत्रित है। यह अंक आपको समर्पित है। इस अंक में सभी स्थायी स्तंभों के साथ अन्य पठनीय सामग्री का समावेश करते वक्त हमारी कोशिश यही होती है कि आपकी अपेक्षाओं पर हमारा परिश्रम खरा उतरे। लौटती डाक से अपनी प्रतिक्रिया से अवगत कराना न भूलें। जय महेश।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

मुंबई व सूरत में प्रतिष्ठित सीए के रूप में अपना व्यवसाय कर रहे माणकचंद काबरा की समाज में पहचान एक ऐसे समर्पित समाजसेवी के रूप में है, जो गत 40 वर्षों से विभिन्न समाज संगठनों को अपनी सेवा दे रहे हैं। समाज में उनकी पहचान एक उत्कृष्ट कॅरियर मार्गदर्शक के रूप में भी है। आपका माहेश्वरी प्रगति मंडल मुंबई की व्यवस्थापिका सभा में 14 वर्ष का कार्यकाल रहा, जिसमें सदस्य, 2 वर्ष संयुक्त मंत्री एवं 2 वर्ष अर्थमंत्री के रूप में कार्य किया। माहेश्वरी प्रगति मंडल के न्यास मंडल के सदस्य के रूप में कार्यरत है। मुंबई प्रदेश माहेश्वरी सभा में गत 20 वर्षों से सक्रियता से कार्यरत रहते हुए प्रोफेशनल सेल (अभा माहेश्वरी महासभा) के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री, प्रदेश मंत्री एवं गत 2 सत्र से प्रदेशाध्यक्ष के रूप में कार्यरत रहे। गत 20 वर्षों से अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल के सदस्य के रूप में भी सेवारत् रहे। माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल पुणे के कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में लगभग 10 वर्ष से कार्यरत हैं एवं प्रबंधकारिणी (गर्वनिंग कौन्सिल) के सदस्य भी हैं। विद्या प्रचारक मंडल द्वारा संचालित एल.एल. मूंदड़ा होस्टल की स्थानीय समिति के गत 10 वर्ष तक सदस्य रहे एवं वर्तमान में पदेन सदस्य हैं। इसके साथ ही ऐरोली, नवी मुंबई में निर्माणाधीन महिला छात्रावास धन संग्रह समिति के संयोजक के रूप में कार्य कर रहे हैं। माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल पुणे के अंतर्गत स्कॉलर अवार्ड कमेटी 2019-20 से मार्गदर्शक एवं पदेन सदस्य भी है। आप काबरा परिवार कुलमाता सेवा समिति के गत 16 वर्षों से प्रबंध न्यासी एवं कार्याध्यक्ष हैं।

मजबूत रिश्तों का आधार है बेहतर संवाद

संसार में परिवर्तन एक नैसर्गिक नियम है। आज परिवर्तन में आधुनिकता का आकर्षण, संस्कारों का अभाव, नैतिकता का पतन, आपसी ईर्ष्या, धन का अहंकार आदि से परिवार बिखरने लगे हैं। आत्मीयता का भाव घटता जा रहा है। हर समाज इस सामाजिक समस्या का शिकार हो रहा है, तनावयुक्त जीवन जी रहा है, वैवाहिक संबंध विच्छेद, मजबूत रिश्ते कमजोर हो रहे हैं। हमें इन समस्या के प्रति सजग होना पड़ेगा। मेरे ख्याल से वर्तमान परिवेश में, मजबूत रिश्तों का आधार है, 'बेहतर संवाद एवं एक-दूसरे का सम्मान' हलकी-फुलकी नोक-झोक किसी भी रिश्ते का आवश्यक अंग होती है। दरअसल यही छोटी-मोटी झड़पे और नोक-जोक हमें अहसास कराती हैं कि प्यार को जीवंत बनाये रखने के लिए आपसी समझदारी का होना आवश्यक है। आपस में वैचारिक भिन्नता का होना एक सामान्य सी बात है, लेकिन जरुरत इस बात की है कि इस वैचारिक भिन्नता के बावजूद संबंधों की गरम आहट बरकरार रहे।

अक्सर देखने में आता है कि पति-पत्नी के बीच जरा सी असहमति एक बड़े विवाद का कारण बन जाती है। यही विवाद धीरे-धीरे एक झगड़े का रूप ले लेता है। इस झगड़े के कारण व्यक्ति अपना नियंत्रण गवां बैठता है। कुछ समय बाद पति-पत्नी एक-दूसरे पर आरोप लगाना शुरू कर देते हैं। इस बात में कोई संदेह नहीं कि जब पति-पत्नी बहस में उलझे होते हैं, तो इससे न केवल प्यार की भावना का दम घूटता है, बल्कि रिश्तों में भी एक दरार पड़ जाती है। वाद-विवाद से बचने का सबसे बेहत्तर तरीका यही है कि बस अपने पार्टनर को जवाब मत दीजिये। जब वह शांत होगा तो उसे स्वयं अपनी गलती का अहसास होगा। किसी भी वाद-विवाद की स्थिति में मुख्यता चार परस्थितियाँ होती हैं, ये हैं फाईट, फ्लाईट, फेक और फोल्ड। इसमे पहचानिये आप किस कॅटेगिरी में आते हैं। अपना विश्लेषण कीजिए कि वाद-विवाद के दौरान आप नियंत्रण से बाहर क्यों हो जाते हैं? कारण का पता लगने के बाद खुद को सुधारने की कोशिश कीजिए ताकी आपकी रिलेशनशिप सही ट्रॅक्ट पर आ सके।

जैसे ही बातचीत में कुछ कठोरता या ठंडापन आना शुरू होता है कुछ व्यक्ति आक्रामक होकर लड़ाई पर उतारू हो जाते हैं। वे अपने पार्टनर पर आरोप लगाने लगते हैं और उसकी आलोचना करके उसे गलत सिद्ध करने की कोशिश करने लगते हैं। इसका उद्देश्य अपने पार्टनर को धमकाना और डराना होता है। मेरा मानना है कि कोई समस्या समय से पहले ही सुलझा ली जानी चाहिये, क्योंकि मानसिक तनाव लेकर आप ठीक से सो नहीं सकते। दरसल समस्या को सुलझाने का सही वक्त होता है, जब दोनों पार्टनर शांत हो। कुछ लोग झगड़े से बचने के लिए चुप ही रहते हैं। शांत होने के बाद भी समस्या पर खुलकर बातचीत नहीं करते। इससे दोनों पार्टनरों के बीच शीत युद्ध जैसी स्थिति निर्मित हो जाती है। समस्या पर खुलकर बात नहीं होने से दोनों पार्टनर मन ही मन परेशान रहते हैं। अगर समस्याओं पर खुलकर बातचीत ना हो और एक-दूसरे की भावनाओं को ना सुना जाये तो स्थिति भयावह होती है।

कई महिलाएं वाद-विवाद न करके सीधे समर्पण कर देती हैं। वे समस्या के सभी कारण की जिम्मेदारी अपने ऊपर लेकर समस्याओं को शीघ्र निपटाने में विश्वास रखती है। ये महिलाएं रिश्तों की गर्माहट और प्यार को रखने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहती हैं, लेकिन इसके परिणाम कभी-कभी खतरनाक भी हो सकते हैं। एक-दूसरे का सम्मान करना रिश्तों को बनाये रखने के लिये जरुरी है। गलती हो जाने पर तुरंत उसे स्वीकार कर लीजिऐ और जरुरत पड़े तो माफी मांगने से भी पीछे मत हटिये। अगर समस्या गंभीर हो तो काउंसलर की मदद भी ली जा सकती है। इन छोटी-छोटी बातों का ख्याल रखिये और तनाव व झगड़ों को अलविदा कहकर अपने रिश्तों को अधिक मजबूत व विश्वसनीय बनाईये।

अंततः जीवन रुपी यात्रा मे जीवन साथी हो तो यात्रा-सरल बन जाती है, साथी हो और दोनो के विचारो में मेल हो तब सारे मनोरथ पूर्ण हो सकते है। क्यूंकि कभी कभी छोटा सा गलत निर्णय सारे जीवन की परेशानी का कारण बन सकता है। विवाह एक परीक्षा है उसे उत्तीर्ण कर आत्मीय सुख का अनुभव करिये।

प्यारे, दृढ संकल्प कर, रास्तों पे चल दे, तुझे तेरा मुकां मिल जायेगा।
अकेला तू पहल कर, काफिला खुद बन जायेगा।।
जीवन का दृष्टिकोण बदलो, ये दृश्य बदल जायेगा।।

माणकचंद काबरा (मुम्बई)
अतिथि सम्पादक

श्री खीवंज माताजी

टीम SMT

इस स्तम्भ में आप माहेश्वरी समाज की कुलदेवियों के दर्शन कर रहे हैं। इस श्रृखंला में प्रस्तुत है जानकारी 'खीवंज माताजी' की। भारत को विश्व में परमाणु शक्ति का दर्जा दिलाने वाले राजस्थान के पोकरण में स्थित माताजी स्वयं-भू शक्ति हैं। केवल माहेश्वरी समाज ही नहीं हर वर्ग समुदाय यहां से आशीर्वाद प्राप्त कर अपने जीवन को धन्य समझता है। आईए चलें माताजी की यात्रा पर।

खीवंज माताजी माहेश्वरी जाति की भूतड़ा खांप की कुलदेवी हैं। इसके अतिरिक्त चेचाणी, देवदतमाणी, देवगट्टानी, चौधरी तथा सर्राफ आदि नख वाले लोग भी इन्हें अपनी कुलदेवी मानते हैं।

मातेश्वरी का आदि-अनादि मंदिर राजस्थान के जैसलमेर जिले के ग्राम पोकरण में स्थित है। पोकरण के दक्षिण में 4 किमी दूर बाड़मेर राजमार्ग पर एक पहाड़ी पर शोभायमान मातेश्वरी की मूर्ति चट्टान के अन्दर से स्वयं जागृत रूप में प्रकट है जिसकी विशेष मनुष्य आकृति नहीं है। माताजी का स्वरूप बड़ा ही तेजस्वी व अत्यंत ही चमत्कारी है। मन्दिर पर लगे स्तम्भ राजा विक्रमादित्य कालीन हैं जिससे ज्ञात होता है कि मंदिर आठवीं शताब्दी से पहले का बना हुआ है। मुगलकाल में औरंगजेब द्वारा इस मन्दिर को नष्ट करने का प्रयास करने पर माताजी के अद्भुत चमत्कार से भयभीत औरंगजेब ने पुनः निर्माण करवाया था। उस समय से यह ऐतिहासिक मन्दिर विद्यमान है। मन्दिर तक पक्की सड़क है।

मातेश्वरी को लाल वस्त्र,लाल पुष्प व फलों में अनार अति प्रिय है। यहां अखण्ड ज्योत जलती रहती है। वर्ष में दो बार चैत्र शुक्ल पक्ष व आसोज शुक्ल पक्ष नवरात्रि में यहाँ मेला लगता है जिसमें दूर-दूर से यात्री सम्मिलित होने आते हैं। शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से नवरात्रि में स्थापना, पूजन व अखण्ड पाठ चलता है, अष्टमी को हवन होता है। रात्रि में सत्संग व जागरण के पश्चात नवमी के दिन महाप्रसादी का आयोजन किया जाता है।

मातेश्वरी मन्दिर की व्यवस्था, अखण्ड ज्योत व पूजन सुचारु चलाने के लिए एवं मन्दिर का पूर्ण जीर्णोद्धार करवाने के लिए सन् 1982 में एक संचालक मण्डल (ट्रस्ट) का गठन किया गया जिसे राज्य सरकार द्वारा पंजीकृत करवाया गया है। मंदिर में रहने-ठहरने की अच्छी व्यवस्था है। यहां पहुंचने के लिए सभी प्रकार के साधन उपलब्ध हैं।

युवा संगठन की कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न

युवा शिक्षा रत्न सम्मान समारोह के साथ व्यवस्या विकास की भी बनी रूप रेखा

सोमनाथ। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन की दशम कार्यसमिति बैठक युवा शिक्षा रत्न सम्मान समारोह के साथ सोमनाथ में राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या की अध्यक्षता में संपन्न हुई। युवा संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री आशीष जाखोटिया ने बैठक का संचालन किया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री भरत तोतला युवा शिक्षा रत्न सम्मान समारोह के प्रभारी व सांस्कृतिक मंत्री राजेश मंत्री, राष्ट्रीय खेल मंत्री अर्पित धूत, गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष नरेश केला, सचिव विशाल होलानी सहित विभिन्न प्रदेशों के अध्यक्ष सचिव राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य उपस्थित थे।

बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। इनके अनुसार व्यापार व्यवसाय को बढ़ाने और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 'बिजनेस ऐप' की लॉन्चिंग इसी माह जनवरी 2022 में की जाएगी। 'माहेश्वरी बिजनेस मार्ट' ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की भी लॉन्चिंग की गई। 'लोहार्गल मंदिर निर्माण' हेतु युवा संगठन के विभिन्न राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रादेशिक संगठनों द्वारा 1 करोड़ रु. की सहयोग राशि एकत्रित करने के आश्वासन प्राप्त हुए। 'युवा शिक्षा रत्न सम्मान समारोह' में कक्षा 10वीं व कक्षा 12वीं के टॉप 10 छात्र-छात्राओं को युवा संगठन के ट्रस्ट 'श्री बसन्तीलाल मनोरमादेवी काल्या अ.भा. माहेश्वरी युवा फाउंडेशन' द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। टॉपर रहने वाले ने 99.4 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए थे। 12वीं में प्रथम रैंक आदित्य महेश्वरी, सहारनपुर द्वितीय रैंक संचित काबरा-औरंगाबाद, कृति बूब-नवी मुंबई, सृष्टि बिहानी-बेंगलुरु, तृतीय रैंक दीप्ति चांडक-हैदराबाद व 10वी में प्रथम रैंक प्रणव मंत्री -लातूर, ऋषि डागा-सूरत निशा छापरवाल-मालेगाव, द्वितीय रैंक कैलाश भट्टर-नागपुर, खुशी सोनी-न्यू दिल्ली, दिव्या साबू-हिसार, तृतीय रैंक सिद्धि झंवर-बेंगलुरु, मान्य माहेश्वरी-अकोला, खुशाल कोठारी-कोलकाता, आर्यन कासट-जालना आदि को पुरस्कृत किया गया।

युवा महाअधिवेशन की भी बनी रूपरेखा

'युवा महाअधिवेशन' का आयोजन 23-24-25 दिसंबर 2022 को किया जाएगा। महाराष्ट्र, दक्षिण राजस्थान, वृहत्तर कोलकाता, मध्य प्रदेश पश्चिमांचल प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा महाअधिवेशन आयोजित करने हेतु निमंत्रण प्राप्त हुए। राष्ट्रीय खेल महोत्सव AIMS का आयोजन मई 2022 को किया जाएगा। 'राष्ट्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम' का आयोजन 18-19-20 अगस्त 2022 को किया जाएगा। 'स्टार्टअप' के बेस्ट 2 आईडियाज फंड इंवेस्टमेंट कराया जाएगा। 'माहेश्वरी बिजनेस एक्सपो' की ऐतिहासिक सफलता की सभी द्वारा सराहना की गई। 55 हजार से अधिक विजिटर ने एक्सपो को विजिट किया। कई स्टॉल धारकों को करोड़ों का व्यापार मिला।

महेश आवास योजना की भी तैयारी

'महेश आवास योजना' के अंतर्गत जरूरतमंद माहेश्वरी बंधुओं को अकोला जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा मकान उपलब्ध कराने की योजना के ब्राउज़र का विमोचन किया गया। नांदेड जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा क्रियान्वित की जा रही महेश आवास योजना की सराहना की गई। मल्लिकार्जुन, काठमांडू, ओकारेश्वर, उज्जैन, परली बैजनाथ भीमाशंकर, त्रंबकेश्वर, घृष्णेश्वर, गंगासागर इत्यादि स्थानों पर मंदिर दर्शन के साथ आगामी कार्यसमिति बैठक आयोजन करने हेतु प्रादेशिक संगठनों से निमंत्रण प्राप्त हुए।

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सम्पन्न

उज्जैन। माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं जाँच शिविर का आयोजन पश्चिमी मध्यप्रदेश के तीनों शीर्ष संगठन सभा, महिला एवं युवा संगठन के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। शिविर 2 जनवरी 2022, को टावरचौक के सामने साबू चिकित्सालय पर सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक आयाजित हुआ। इस अवसर पर डॉ. सुधा साबू, डॉ. हेमंत मंडोवरा, डॉ. मनोज माहेश्वरी, डॉ. योगेश शाक्य एवं डॉ. सोनल सोमानी ने अपनी सेवाएँ दी। आकस्मिक चिकित्सा भी उपलब्ध थी। 100 लोगों ने शिविर का लाभ उठाया। इसके अतिरिक्त सोडानी डायग्नोस्टिक सेंटर पर जाँच शुल्क पर 30 प्रतिशत की छूट संगठन का कार्ड दिखाने पर 12 जनवरी तक दी जाएगी। कार्यक्रम संयोजिका उज्जैन माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष हेमलता गांधी एवं रेखा लड्ढा के साथ कार्यक्रम में विशेष रूप से राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य गीता तोतला, मप्र माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष वीना सोमानी, सचिव उषा सोड़ानी, उज्जैन ज़िला अध्यक्ष महेश लड्ढा, जिला सचिव महेश चांडक, सभा अध्यक्ष भूपेन्द्र भूतड़ा, सुरेश काकाणी, सचिव कैलाश राठी आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली प्रदेश में सेवा गतिविधि

दिल्ली। गत दिसम्बर माह में दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा सतत समाजसेवी गतिविधियाँ आयोजित की गई। इसमें व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति ने ''कर्म सारथी'' वर्चुअल क्विज प्रतियोगिता में पूरी तैयारी के साथ भाग लिया। महिला अधिकार, उत्थान, सुरक्षा समिति की गतिविधि में शॉपिंग मॉल पर बिक्री अधिक से अधिक हो रही है और सदस्याऐं आत्मनिर्भर बन रही है। बाल विकास एवं किशोरी विकास समिति द्वारा विभिन्न आयोजनों के लिए तैयारियाँ जारी हैं। विवाह संबंध सहयोग गठबंधन समिति 5 जोड़ियाँ जोड़ चुकी है। साहित्य चिंतन मनन समिति द्वारा हर सीट हॉट सीट फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट में दिल्ली प्रदेश का जोरदार परचम फहराया गया। आध्यात्म एवं स्वाध्याय समिति अंतर्गत कोरोना को विदाई देने हेतु सभी सदस्यायें पूजा पाठ, हवन, स्त्रोत पठन आदि पूरे मनोयोग से कर रही हैं।

नव वर्ष स्नेह मिलन समारोह संपन्न

बून्दी। पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा व बून्दी जिला माहेश्वरी सभा की एक दिवसीय संयुक्त बैठक एवं नव वर्ष मिलन समारोह जैत सागर रोड़ स्थित माहेश्वरी भवन में सम्पन्न हुआ। बैठक को सम्बोधित करते हुए अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पश्चिमांचल उपसभापति राजेश कृष्ण बिरला ने महासभा की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का आह्वान किया। पश्चिमांचल के संयुक्त मंत्री कैलाश सोनी, प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम लाठी, प्रचार मंत्री जगदीश लड्ढा आदि ने भी संबोधित किया। जिलेवार संगठन आपके द्वारा कार्यक्रम की कार्य योजना बनाकर महासभा के निर्देशानुसार तय समय मे पूर्ण करने का निर्णय लिया। जिलेवार संगठन आपके द्वार कार्यक्रम की कार्य योजना बनाकर महासभा से जुड़े पदाधिकारियों व सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में बून्दी जिलाध्यक्ष विजेन्द्र माहेश्वरी, कोटा जिलाध्यक्ष भगवान बिरला, झालावाड़ जिलाध्यक्ष बसन्त कासट व बारां जिलाध्यक्ष योगेश मंत्री ने अपने-अपने प्रतिवेदन प्रस्तुत किए। बैठक का संचालन पूर्वी प्रदेश के मंत्री महेश चन्द्र अजमेरा व नववर्ष स्नेह मिलन का संचालन जिला सहमंत्री मनीष मंत्री ने तथा आभार जिला मंत्री मोहन तोषनीवाल ने ज्ञापित किया।

मारवाड़ी महिला सम्मेलन में अवार्ड

खरगोन। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन खरगोन शाखा को मध्य प्रदेश की 60 शाखाओं में सर्वश्रेष्ठ शाखा, सर्व श्रेष्ठतम शाखा कार्य तथा सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष का अवार्ड उमा सोमानी को गौरव पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। श्रेष्ठ सचिव ज्योति अग्रवाल, देश भक्ति डांस प्रतियोगिता में प्रदेश में प्रथम शाखा का सम्मान जन जागरण समिति प्रमुख स्मिता बियानी को, नेत्र समिति अध्यक्ष राधा अग्रवाल कौशल्या अग्रवाल को गौरव पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। प्रदेश में हुई सभी प्रतियोगिता में इस शाखा की सदस्याओं ने कोई न कोई स्थान प्राप्त किया।

मन में विश्वास रखकर कोई हार नहीं सकता और मन में 'शंका' रखकर कोई जीत नहीं सकता।

''हमारे संस्कार हमारे रीति रिवाज'' विमोचित

उज्जैन। ऋषिमुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित तथा ख्यात समाजसेविका विष्णुकांता गाँधी द्वारा लिखित वैश्य समाज को समर्पित पुस्तक ''हमारे संस्कार हमारी रीति रिवाज'' का विमोचन गत दिनों हुआ। उज्जैन निवासी लेखिका श्रीमती गाँधी स्व. श्री जगदीशचंद्र गाँधी की धर्मपत्नी तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. श्री राधाकृष्ण गांधी की पुत्रवधू हैं। आप उज्जयिनी सेवा समिति उज्जैन की संचालक तथा माहेश्वरी मेवाड़ा महिला मंडल उज्जैन की कोषाध्यक्षा रही हैं एवं संत सत्कार समिति उज्जैन के सदस्य के रूप में भी सेवा दे रही है। पुस्तक ''हमारे संस्कार हमारी रीति रिवाज'' का विमोचन ऋषिमुनि प्रकाशन के विद्यानगर स्थित कार्यालय पर हुआ। इस अवसर पर अतिथि के रूप में पूर्वी उ.प्र. माहेश्वरी सभा प्रदेशाध्यक्ष श्रीराम माहेश्वरी व उनकी धर्मपत्नी राजकुमारी माहेश्वरी वाराणसी तथा मनीष व रचना जाजू इंदौर उपस्थित थे। अतिथियों का अभिनंदन प्रकाशक व श्री माहेश्वरी टाईम्स सम्पादक पुष्कर बाहेती ने किया। श्री बाहेती ने इस पुस्तक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह अपनी विशिष्ट सामग्री से अवश्य ही संस्कारों की पाठशाला सिद्ध होगी।

नववर्ष मिलन समारोह सम्पन्न

इंदौर। माहेश्वरी समाज पूर्वी क्षेत्र का अन्नकूट महोत्सव, मिलन तथा सम्मान समारोह नए वर्ष के उपलक्ष्य में बायपास स्थित भंडारी रिसोर्ट पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी के मुख्य आतिथ्य, एलेन ग्रुप के निर्देशक नवीन माहेश्वरी के विशेष आतिथ्य एवं वैष्णव विद्यापीठ वि.वि. के कुलाधिपति पुरुषोत्तम पसारी की अध्यक्षता में मनाया गया। समाज के अध्यक्ष ओमप्रकाश पसारी, मंत्री संजय मानधन्या, महेश जनसेवा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष उमा शंकर बिहानी, माहेश्वरी युवा संगठन पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश लखोटिया एवं मंत्री विशाल बिहानी तथा कार्यक्रम संयोजक संजय करनानी, मनोज भूतड़ा और मुरलीधर सोनी सहित समाज के विभिन्न संगठनों की ओर से अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी एवं अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष गीता मूंदड़ा का शाल-श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर रजत जयंती स्मारिका व नव वर्ष कैलेंडर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन शैलेष सोडानी ने किया और आभार संगठन के मंत्री संजय मानधन्या ने व्यक्त किया।

युवा संगठन का कैलेंडर विमोचित

निजामाबाद। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला माहेश्वरी युवा संगठन ने वर्ष 2022 कैलेंडर का विमोचन स्थानीय अक्षरधाम स्कूल में किया। कार्यक्रम उप संयोजक दीपक कालानी ने मुख्य अतिथि राजाराम सारडा का स्वागत किया। हैदराबाद से आये अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के आईटी मंत्री विजय तापड़िया, जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री राजेश कुमार डालिया एवं महिला मंडल की मंत्री शारदा मोदानी विशेष अतिथि थीं। युवा संगठन अध्यक्ष श्रीकांत झंवर ने स्वागत भाषण में सभी समाज बंधुओं को अवगत कराया कि कैलेंडर व कार्यक्रम से हमे जो भी सरप्लस फंड प्राप्त होता है, वह कैसे समाज हित कार्यों में उपयोग किया जाता है। कैलेंडर 2022 में जिन समाज बंधुओं ने एडवर्टाइजमेंट के रूप में सपोर्ट दिया उनका भी सम्मान युवा संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा किया गया।

खरी-खरी

सूरा की शक्ति बनी कविता
मीरा की प्रीत पुकार बनी

भूषण के भावों में कविता ही
दुश्मन को ललकार बनी

तुलसी ने जब मानस रचकर
अपने प्रभु का यशगान किया

कवि के हिय में उपजी कविता
जग की फिर तारणहार बनी

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

एक बेहतरीन जिंदगी जीने के लिये यह स्वीकार करना जरुरी है कि जो कुछ भी हमारे पास है, वो ही सबसे अच्छा है।

दो दिवसीय परिचय सम्मेलन का हुआ आयोजन

विशेष वर्ग के साथ प्रोफेशनल ने भी तलाशे जीवनसाथी

भीलवाड़ा। जिला माहेश्वरी सभा द्वारा आयोजित दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में दो दिवसीय निःशुल्क परिचय सम्मेलन का महेश छात्रावास में आयोजन हुआ।

इसमें पहले दिन विशेष वर्ग में विधवा, विधुर, तलाकशुदा, परित्यक्ता व दिव्यांग 110 माहेश्वरी युवक-युवतियों ने जीवन साथी चयन हेतु परिचय दिया। इसमें राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र व उत्तर प्रदेश से परिचय सम्मेलन में प्रत्याशियों ने अपने अभिभावकों के साथ शिरकत की। सम्मेलन का शुभारम्भ प्रदेशाध्यक्ष कैलाश कोठारी, कार्यसमिति सदस्य महासभा एस.एन. मोदानी, राधेश्याम सोमानी, राधेश्याम चेचाणी, महिला संगठन की उपाध्यक्ष (पश्चिमांचल) ममता मोदानी, प्रहलाद राय लढा-मंत्री जिला महेश सेवा निधि, ओम नराणीवाल-अध्यक्ष महेश सेवा समिति, जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू, प्रदेश मंत्री सत्येंद्र बिड़ला, जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी, अनिला अजमेरा प्रदेश मंत्री महिला संगठन, सीमा कोगटा जिलाध्यक्ष महिला संगठन आदि ने दीप प्रज्जवलन किया। प्रथम सत्र का संचालन जगदीश कोगटा ने किया। परिचय सम्मेलन का प्रगति विवरण जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी ने प्रस्तुत किया। प्रचार-प्रसार प्रभारी महावीर समदानी के अनुसार इस परिचय सम्मेलन में विभिन्न कोर्सेज के 156 प्रोफेशनल युवक-युवतियों ने पंजीयन करवाया। उदबोधन सत्र में मुख्य अतिथि पूर्व सभापति रामपाल सोनी, राष्ट्रीय अध्यक्ष अ.भा. माहश्वेरी युवा संगठन राजकुमार काल्या, भीलवाड़ा सांसद सुभाष बहेड़िया, शंकर बाहेती उपाध्यक्ष पुष्कर सेवा सदन तथा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश कोठारी अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

परिचय सम्मेलन के दूसरे दिन प्रथम सत्र का शुभारम्भ देवकरण गग्गड़-निवर्तमान उपसभापति (पश्चिमांचल), अनिल बांगड़-उपाध्यक्ष पुष्कर सेवा सदन, अशोक बाहेती-कार्यसमिति सदस्य महासभा, उदयलाल समदानी समाजसेवी, ओमप्रकाश गट्टाणी-जिला वरिष्ठ-उपाध्यक्ष, राधाकिशन सोमानी, नारायणलाल लढा, अतुल राठी-नगर मंत्री, प्रदीप पलोड़ जिलाध्यक्ष युवा संगठन, प्रदीप बल्दवा, भारती बाहेती अध्यक्ष नगर महिला संगठन, रीना डाड-मंत्री नगर महिला संगठन ने किया। इसके पश्चात 200 युवक-युवतियों ने बारी-बारी से मंच पर अपना परिचय दिया। परिचय के साथ एलईडी से भी पूरी जानकारी लाईव की गई। सामान्य वर्ग में 83 व 17 केवल युवतियों ने अपना पंजीयन करवाया। प्रचार-प्रसार प्रभारी महावीर समदानी के अनुसार दो दिवसीय परिचय सम्मेलन में हुए पंजीयन की बायोडेटा वाली 165 पेज की ई-पत्रिका का अतिथियों के साथ राधेश्याम सोमानी, राधेश्याम चेचाणी, सत्येंद्र बिड़ला, प्रहलाद राय लढा, दीनदयाल मारू, ओम गट्टानी, देवेंद्र सोमानी व महावीर समदानी द्वारा मोबाईल पर ऑनलाईन विमोचन किया गया। परिचय सम्मेलन प्रभारी लक्ष्मीनारायण काबरा, सम्पत माहेश्वरी व प्रमोद डाड ने बताया कि समापन सत्र में दो पेज के ई-पेपर का विमोचन वरिष्ठजनों द्वारा किया। अंत में जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी ने सभी का आभार प्रकट किया।

विधान संशोधन हेतु असाधारण सभा सम्पन्न

जयपुर। महेश अस्पताल द्वारा गत 19 दिसम्बर को श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन 'उत्सव' में सभी सदस्यों की असाधारण सभा संस्था अध्यक्ष श्याम सुंदर डागा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसमें संस्था के विधान में आवश्यक परिवर्तन सर्वसम्मति से पारित किये गये। संशोधनों में मुख्य रूप से पदाधिकारियों की पात्रता आयु न्यूनतम 45 वर्ष तथा अस्पताल की कार्यकारिणी का एक सत्र के लिए सदस्य होना आवश्यक रखा गया है। इनमें से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा सचिव के लिये दो सत्रों के लिए कार्यकारिणी सदस्य जिसमें से एक सत्र के लिए पदाधिकारी होना आवश्यक किया गया है। इसी दिन अस्पताल के भूमि प्रदाता खटोड़ परिवार के सदस्यों, सभी संरक्षक सदस्यों, पूर्व अध्यक्ष तथा मानद् सचिव, सभी दानदाता सहयोगियों, अस्पताल डॉक्टर्स तथा मेडिकल स्टाफ, अस्पताल स्टाफ, उपस्थित कार्यकारिणी सदस्यों, पत्रकार एवं अन्य सहयोगियों का भी शॉल तथा माला से सम्मान किया गया। इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी ज्योति माहेश्वरी तथा स्वागताध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी रामसहाय मांधना थे। समारोह की अध्यक्षता भूतपूर्व अध्यक्ष एम.डी. राठी ने की। इससे पूर्व 18 दिसम्बर को अस्पताल में हाल ही में लगे 20 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल सिस्टम का उद्घाटन सोसायटी के अध्यक्ष श्यामसुंदर डागा के कर-कमलों से हुआ था।

बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

गुड़गाँव। हरियाणा-पंजाब-हिमाचल-जम्मू कश्मीर प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के सौजन्य से माहेश्वरी युवा संगठन गुड़गांव द्वारा गत 26 दिसम्बर को बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश युवा संगठन अध्यक्ष संदीप कोठारी फरीदाबाद, युवा सचिव रवि परवाल हिसार, आशीष सारड़ा, विकास माहेश्वरी बहादुरगढ़ एवं विभिन्न जिला सभा पदाधिकारीगणों ने अपनी टीमों के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ कार्यसमिति सदस्य महासभा राजेंद्र कलंत्री, प्रादेशिक महिला उपाध्यक्ष शशि काबरा, जिला सभा अध्यक्ष मनोज बिहानी एवं प्रदेश व जिला सभा पदाधिकारियों द्वारा किया गया। माहेश्वरी युवा संगठन गुड़गांव के अध्यक्ष संजय सारडा ने प्रतियोगिता के नियम बताए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुड़गांव विधायक सुधीर सिंगला एवं विशिष्ट अतिथि अ.भा. युवा संगठन के सांस्कृतिक मंत्री राजेश मंत्री व गुड़गांव के दीपक माहेश्वरी थे। इस समारोह के समानांतर रूप से गुड़गांव जिला माहेश्वरी सभा एवं महिला मंडल द्वारा मिलन कार्यक्रम, प्रतिभा सम्मान एवं चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन में बागडी आमंत्रित

नई दिल्ली। वर्ल्ड कांस्टिट्युशन एंड पार्लियामेंट एसोसिएशन अमेरिका व अर्थ फैडरेशन इंस्टीट्यूट एंड अर्थ कांन्टिट्युशन इंस्टीट्यूट का 15 वां अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन नयी दिल्ली में आयोजित किया गया। इसमें करीब दुनिया के 160 देशों के प्रतिनिधियों, सदस्यों व पदाधिकारीयों ने भाग लिया। वर्ल्ड कान्सटिट्युशन एंड पार्लियामेंट एसोसिएशन, यू.एस.ए' जिसका मुख्यालय अमेरिका में है, एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है जिसका कार्य दुनिया के 160 देशों में है। समाज सेवी श्री बागडी के शैक्षणिक, सामाजिक कार्यों, अध्यात्मिक लेखन व उपलब्धि से प्रभावित होकर डॉ. विश्वनाथ चांसलर एम.आई.टी पुणे, डॉ. वीपी वैदिक चेयरपर्सन फोरेन पालिसी काऊंसिल, ऐडवोकेट अमित पॉल सुप्रीम कोर्ट दिल्ली, प्रोफेसर पी.एन.मूर्ति उपाध्यक्ष द अर्थ फैडरेशन वर्ल्ड पार्लियामेंट यू.एस.ए के अनुमोदन से अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. ग्लैन टी मार्टिन ऑफिस द्वारा ईमेल से सदस्यता पत्र व सदस्यता सर्टिफिकेट क्रमांक प्रेषित किया गया। इसमें 'उभरते हुए नयी दुनिया के वर्ड आर्डर में भारत की भूमिका' पर विस्तृत चर्चा करते हुए सबने अपने विचार व सुझाव प्रस्तुत किये। प्रोफेसर डॉ. मार्टिन ने श्री बागडी को 'सर्टिफिकेट ऑफ पार्टिसिपेशन' प्रदान कर गौरवान्वित किया।

ओएमजी बुक्स में लायशा

वाशिम। समाज के वरिष्ठ गोविन्द-रेखा बियाणी की पौत्री तथा हर्षा व निलेश बियाणी की सुपुत्री लायशा का नाम ओएमजी बुक्स ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है। यह उपलब्धि इस बालिका द्वारा मात्र 2 वर्ष की आयु में सातों महाद्वीपों के नाम तथा 7 अलग-अलग श्लोकों को कंठस्त कर पाठ के लिये मिली।

श्री माहेश्वरी टाइम्स का नववर्ष विशेषांक विमोचित

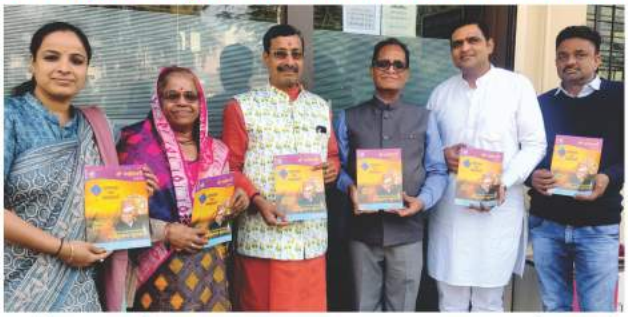

उज्जैन। श्री माहेश्वरी टाइम्स द्वारा विशिष्ट अवसर पर विशेषांकों के प्रकाशन की श्रृंखला में नववर्ष 2022 की पावन वेला में नववर्ष विशेषांक का प्रकाशन किया गया। इस विशेषांक में वार्षिक राशिफल के साथ ही ऐसी कई विशिष्ट जानकारियों को भी समाहित किया गया जो सभी के लिये उपयोगी है, और इस विशेषांक को संग्रहणीय बनाती हैं। इस विशेषांक का विमोचन अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के पूर्व कोषाध्यक्ष कमल किशोर चांडक जोधपुर, आपकी धर्मपत्नी श्रीमती कांता चांडक, पुत्री नीलम व दामाद सुनील मंत्री जोधपुर एवं नीटू माहेश्वरी आगरा के कर कमलों से हुआ। अतिथि स्वागत श्री माहेश्वरी टाइम्स सम्पादक पुष्कर बाहेती ने किया।

विधायक माहेश्वरी का किया अभिनन्दन

बून्दी। माहेश्वरी समाज से जुड़े डेढ़ दर्जन से अधिक प्रतिनिधियों ने 25-26 दिसम्बर को मेवाड़ के चार धाम की दो दिवसीय सामाजिक व धार्मिक सदभावना यात्रा के तहत विश्व बंधुत्व व समग्र जन कल्याण की कामना की। यात्रा के दौरान राजसमन्द की विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी के राजसमन्द स्थित कार्यालय पहुँचे। यहाँ पर विधायक सुश्री माहेश्वरी का 'समाज गौरव' के रूप में फूलमाला व दुपट्टा पहनाकर अभिनन्दन किया और बून्दी चित्रशैली का ऐतिहासिक स्मृति चिन्ह भेंट किया। श्री महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि. के अध्यक्ष संजय लाठी ने सामाजिक, राजनीतिक व समसामयिक विषयो पर विस्तृत चर्चा करते हुए विधायक माहेश्वरी को बून्दी आने का न्यौता दिया।

अन्नपूर्णा सेवा ने मनाई वर्षगाँठ

राँची। श्री माहेश्वरी सभा रांची द्वारा प्रायोजित एवं श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर समिति द्वारा संचालित अन्नपूर्णा सेवा के 8 वर्ष पूरे होने पर स्थानीय माहेश्वरी भवन में एक भव्य वर्षगांठ समारोह का आयोजन किया गया। अन्नपूर्णा सेवा के अंतर्गत मात्र 10 रु. में 6 रोटी, सब्जी और अचार दिया जाता है। इस सेवा का लाभ न सिर्फ मजदूर वर्ग उठाते हैं बल्कि नागरमल मोदी सेवा सदन में भर्ती मरीजों के परिजन भी इससे लाभान्वित होते हैं। गिरिजा शंकर पेड़ीवाल ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रांची के सांसद संजय सेठ ने अन्नपूर्णा सेवा की प्रशंसा की। श्री माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष शिव शंकर साबू ने बताया कि प्रतिदिन 400 से 500 लोगों को भोजन कराने वाली इस सेवा में पिछले 8 वर्षों में 12 लाख 50 हज़ार से भी ज्यादा लोगों को भोजन दिया जा चुका है। सचिव नरेंद्र लाखोटिया ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। पूर्व सचिव मुकेश काबरा ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम के पश्चात सभी अतिथियों ने अन्नपूर्णा सेवा का बना भोजन प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। इस अवसर पर राजकुमार मारू, मनोज कल्याणी, बसंत लाखोटिया, अनिल साबू, गिरिजा शंकर पेड़ीवाल, बासुदेव लाल भाला, महावीर सोमानी, उमाशंकर साबू, उमाशंकर बियाणी, अरविंद सोमानी, महिला समिति की संगीता चितलांगिया, रेखा कल्याणी, सुमन चितलांगिया, शारदा लड्ढा, रेणु फलोड,युवा अध्यक्ष सौरभ साबू, सचिव अंकुर डागा, नीरज चितलांगिया आदि कई सदस्य सदस्याऐं उपस्थित थे।

पुलिस का किया अभिनन्दन

चंद्रपुर। देर रात में कार्यरत रहने वाले चंद्रपुर पुलिस के सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों का उनके कार्यस्थल पर पहुंचकर जे सी आय चंद्रपूर ईलीट के सदस्यों द्वारा गरम चाय का वितरण कर सम्मान किया गया। जे सी आय चंद्रपूर ईलीट संस्था के नवनिर्वाचित अध्यक्ष आशिष पोद्दार ने जे सी आय संस्था के माध्यम से चंद्रपूर के नागरिकों को सेवा देनेवाले, चंद्रपूर नगर के सभी सम्माननीय पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नमन किया एवं उनका धन्यवाद व्यक्त किया। जे सी आय चंद्रपुर ईलीट के अध्यक्ष आशिष पोद्दार, प्रकल्प अधिकारी आशीष मुंधडा, ऋषिकांत जाखोटिया, बिपिन भट्टड आदि ने सहयोग दिया।

मानव संबंधों में सबसे बड़ी गलती-
हम आधा सुनते हैं, चौथाई समझते हैं,
शून्य सोचते हैं।
लेकिन प्रतिक्रिया दुगुनी करते हैं।

सामूहिक सर्व जातीय विवाह का किया आयोजन

जयपुर। विगत दिनों समाज में एक आदर्श रखते हुए अपने बच्चो के शादी में कटौती कर मेड़ता के सीताराम काबरा के सुपुत्र जयपुर निवासी सुरेन्द्र काबरा व समधी ओमप्रकाश तोषनीवाल-किशनगढ़ ने अपने पुत्र-पुत्री की शादी के उपलक्ष्य में सर्व जातीय हिन्दू सामूहिक विवाह का आयोजन, पुष्कर में करने का निर्णय लिया। इसमें 11 जोड़ों का आवेदन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के आयोजक रामानंद काबरा ने बताया कि अत्यन्त गरिमामय ढंग से इस 2 दिवसीय समारोह में कुल 11 जोड़े का विवाह हुआ। विवाह की पूर्व संध्या में दूल्हा दुल्हन के सम्मान में एक राजस्थानी संस्कृति पर आधारित महिला संगीत रखा गया, जिसमे 2 हास्य कवि ने खूब उल्लास और उमंग का रंग डाला गया। सभी वर-वधू का 5-5 लाख का बीमा भी करवा कर दिया गया तथा सरकार द्वारा समाज कल्याण एवं महिला विभाग द्वारा प्रोत्साहन राशि दिलवाने के प्रयास भी किए जा रहे है। कार्यक्रम समन्वयक ओम तोषनीवाल ने बताया कि इस समरोह में वर-वधू को आशीर्वाद देने हेतु सांसद भागीरथ चौधरी, पूर्व सांसद बद्री नारायण झाकड़, विधायक सुरेश रावत, पुष्कर नगर पालिका चेयर मैन कमल पाठक, अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन के अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा, सचिव रमेश छापरवाल, उपाध्यक्ष विजय शंकर मूंदड़ा, मध्य राजस्थान प्रदेश महासभा के उपाध्यक्ष गोपी किशन बंग, सत्य नारायण भंडारी, रंगनाथ काबरा आदि उपस्थित थे।

शारदा उपाध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद के रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए 28 दिसम्बर को कार्यकारिणी सभा में सम्पन्न हुए चुनाव में सीए अनिल शारदा निर्वाचित घोषित किए गए। श्री सारडा मदनगंज निवासी सतीश कमलेश सारडा के अनुज है। चुनाव अधिकारी का दायित्व निर्वहन कर रहे समाज संरक्षक प्रभुदास मांधना ने मतगणना पूर्ण होने के बाद यह घोषणा की। समाज अध्यक्ष प्रदीप बाहेती, निवर्तमान अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा, पूर्व अध्यक्ष बजरंग जाखोटिया एवं श्री बालकिशन सोमानी के साथ समाज के गणमान्य बंधुओं ने श्री शारदा को बधाइयां दीं। उल्लेखनीय है कि श्री सारडा विपक्ष ग्रुप से है लेकिन उनकी योग्यता एवं सरलता के मद्देनजर समाज हित में कार्यकारिणी ने ये निर्णय लिया।

चुंदड़ी मनोरथ का आयोजन

महेश्वर। पश्चिमी मध्य प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन ने प्रदेश सभा व युवा संगठन के संयुक्त तत्वाधान में महेश्वर की पावन धरा में मां नर्मदा के तट पर चुंदड़ी मनोरथ का भव्य आयोजन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष वीणा सोमानी ने बतलाया कि गोपाल मंदिर से लहरिया शोभा यात्रा गाजे-बाजे के साथ निकाली। इस अवसर पर महिला संगठन ने ज़िला स्तरीय जल संरक्षण पर स्लोगन प्रतियोगिता भी आयोजित की।

चार वेदों का अर्थ ना जानों तो कोई बात नहीं परंतु समझदारी, जवाबदारी, वफादारी और ईमानदारी ये चार शब्दों का मर्म जानों तो भी जीवन सार्थक है।

शिवपुराण कथा का किया वाचन

रतलाम। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित वृद्धाश्रम में नियमित रूप से नगर की सामाजिक कार्यकर्ता ललिता विजय सोमानी (CA) राम मंदिर रतलाम द्वारा शिवपुराण कथा का वाचन किया जाता है। इस कार्य से वहाँ के वृद्धजन आनंद की अनुभूति करते है। पूर्व में भी आपने यहाँ के वृद्धजनों के लिये भगवतगीता, रामायण जी एवं श्री गणेश के ग्रंथों का पाठ किया है। इस वृद्धाश्रम में आप नियमित रूप से जाती हैं। विशेष तौर पर त्योहारों पर जरूर से जाती है और इन्ही के साथ त्यौहार मनाती हैं। हाल ही में आपने इस वर्ष का कलेंडर वर्ष 1 जनवरी भी इन्ही के साथ मनाया।

बालाजी मंदिर का स्वागत द्वार लोकार्पित

चंद्रपूर। ग्राम खोखर में बस स्टैंड पर श्री पिलीवाले बालाजी के मंदिर के रास्ते पर बालाजी मंदिर के स्वागतद्वार का निर्माण सोमाणी परिवार खोखर वर्तमान में महाराष्ट्र में चंद्रपुर निवासी जुगल किशोर सोमाणी ने करवाया है। इसका मंगलाना निवासी मार्बल व्यवसायी चांदमल रांदड़ के कर कमलों से उदघाटन करवाया गया। कहा जा रहा है कि प्रवेश द्वार का उद्घाटन होने के बाद वानर रूप में बालाजी ने पधार कर आशीर्वाद दिया था।

जिला संगठनों की संयुक्त बैठक संपन्न

देवास। गत 2 जनवरी को नेमावर के बालमुकुंद आश्रम में माहेश्वरी समाज के चारों जिला संगठनों जिला सभा, महिला संगठन, युवा संगठन एवं सखी संगठन की संयुक्त बैठक सम्पन्न हुई। विजय राठी संयुक्त मंत्री मध्यांचल व आ. भा. मा. महासभा की अध्यक्षता अनीता जावंधिया के मुख्य आतिथ्य व अजय झंवर मानद मंत्री पश्चिमांचल प्रादेशिक सभा, राजेश माहेश्वरी अध्यक्ष-हरदा होशंगाबाद जिला सभा, श्याम छापरवाल उपाध्यक्ष नर्मदा अंचल प्रादेशिक सभा एवं बृजमोहन धूत पूर्व विधायक की विशिष्ट उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में महिला जिला सभा की अध्यक्ष साधना बियानी व युवा संगठन जिला अध्यक्ष अंकुश सारडा एवं पूर्व जिला अध्यक्ष मुरलीधर मानधन्या व राजेंद्र इनानी ने भी अपने विचार रखें। इस अवसर पर क्षेत्र के समाजसेवियों का सम्मान भी किया गया व स्वतंत्रता सेनानी रही स्वर्गीय राधा देवी आजाद (पसारी) इंदौर की स्मृति में जारी डाक कवर के लिए उनके परिवार का सम्मान किया गया। इस अवसर पर राजेश जावधिंया, श्याम छापरवाल, बृजमोहन धूत सहित अनेक वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। आभार प्रदर्शन प्रकाश मंत्री व संचालन मुरलीधर मानधन्या ने किया।

महिला मंडल का क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न

राजनांदगांव। माहेश्वरी समाज राजनांदगांव द्वारा आयोजित माहेश्वरी प्रीमीयर लीग के चौथे सत्र में समाज की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। यश वाटिका राजनांदगांव में आयोजित इस लीग में तीन टीम मे 33 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। महिलाओं के उत्साह वर्धन के लिए संरक्षक मंडल से सरस्वती लोहिया, गीता डागा एवं प्रदेश अध्यक्ष अमिता मूंदड़ा की विशेष उपस्थिति रही। कॉमेंटेटर के रूप में मैच का संचालन अलका सुरजन द्वारा किया गया एवं खिलाड़ियों को पुरस्कार शशि चितलांगिया द्वारा प्रदान किया गया। स्थानीय महिला मंडल अध्यक्ष शीला गांधी, सचिव सुषमा राठी एवं कोषाध्यक्ष अनीता चितलांगिया द्वारा खिलाड़ियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई।

जिंदगी है चार दिन की
कुछ भी गिला ना किजीये,
दर्द दवा धोखा जहर
जो भी मिलें मजा लिजीये।

लाहोटी हुए सम्मानित

दिल्ली। भारतरत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जीं के जन्म दिवस कीं पूर्व संध्या पर विज्ञान भवन दिल्ली में संपन्न अटल अवॉर्ड समारोह में विनोद लाहोटी (अध्यक्ष जीओ लाइफ़ ग्रुप) क़ो अटल जनसेवा शिखर सम्मान से केंद्रीयमंत्री आर सी पी सिंग़ एवम् सांसद मनोज तिवारी द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, पूर्व भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजु, मोटिवेशनल स्पीकर सोनू शर्मा, पूर्व भाजपा सांसद श्री सत्यनारायण आदि प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

डाक्टर जाजू को राष्ट्रीय फेलोशिप

गाजियाबाद। समाज की प्रतिभा डॉ. ममता जाजू का "नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम फेलोशिप 2021" के लिये चयन हुआ है। यह देश का अत्यंत प्रतिष्ठित अवार्ड है। आप समाजसेवी श्रीमती मनोरमा लड्ढा की सुपुत्री तथा ग्वालियर की बहू हैं।

मेघना एमडीआरटी क्वालीफाई

मैनपुरी। प्रमुख समाजसेवी और उद्योगपति स्व. श्री सीताराम तापड़िया की पौत्री और व्यवसायी मनीष तापड़िया की सुपुत्री मेघना तापड़िया ने बीमा कंपनी बजाज एलाइंज से एमडीआरटी क्वालीफाई किया है। उल्लेखनीय है कि मेघना ने 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आगे की पढाई के साथ-साथ अपने पिता मनीष के मार्ग दर्शन में बीमा अभिकर्ता के तौर पर बीमा कंपनी ज्वाइन की थी। इससे पूर्व भी मेघना ने सीबीएसआई हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट की परीक्षा में बेहतरीन अंक लाकर जनपद व परिवार का मान बढाया था।

लघु पंचांग का हुआ विमोचन

उज्जैन। आम पाठकों की आवश्यकता पूर्ति के लिये ऋषिमुनि प्रकाशन द्वारा ज्योतिर्विद डॉ. महेश शर्मा, जयपुर के निर्देशन में एक लघु पंचाग का प्रकाशन किया गया। इस पंचांग में वर्ष 2022 के विभिन्न व्रत त्यौहारों की जानकारी व मुहूर्त के साथ ही ग्रह राशि परिवर्तन, विभिन्न उपयोगी मुहूर्त, योग, पंचक एवं भद्रा आदि की जानकारी भी दी गई है। अपनी इन जानकारियों के कारण यह आम पाठकोंके लिये उपयोगी सिद्ध होगा। इस पंचांग का विमोचन गत दिनों ऋषिमुनि प्रकाशन के विद्यानगर स्थित कार्यालय में अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के पूर्व कोषाध्यक्ष कमल किशोर चांडक जोधपुर, आपकी धर्मपत्नी श्रीमती कांता चांडक, पुत्री नीलम व दामाद सुनील मंत्री जोधपुर एवं नीटू माहेश्वरी आगरा के कर कमलों से हुआ।अतिथि स्वागत श्री माहेश्वरी टाइम्स सम्पादक पुष्कर बाहेती ने किया।

मोदीजी की दीर्घायु के लिये यज्ञ

इंदौर। केंद्रीय इस्पात राज्य मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते इंदौर आए। यहां कार्यकर्ताओ ने गोविन्द मालू के नेतृत्व में स्वागत कर उनकी अगवानी की। पूर्व महापौर कृष्ण मुरारी मोघे ने भी उनका स्वागत कर उनसे भेंट की। श्री कुलस्ते उज्जैन भी गए जहां महाकाल के दर्शन कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य व चिरायु निरोगी होने की कामना कर महाकाल परिसर यज्ञ शाला में यज्ञ किया। यहां भी श्री मालू साथ थे।

बुरी आदतें अगर वक्त पर
नहीं बदली जाय तो वह
आदतें आपका वक्त बदल देती हैं।

श्री गोदा रंगनाथ कल्याणोत्सव संपन्न

वरंगल। श्री लक्ष्मीवेंकटेश देवस्थान वरंगल में धनुर्मास उत्सव जगद्गुरू रामानुजाचार्य झालरिया पीठाधीश्वर श्री घनश्यामाचार्य जी महाराज के मंगलाशासन से बहुत धूम-धाम से मनाया गया। इस उत्सव के अंतर्गत 11 जनवरी को धनुर्मास के 27 वे पाशुर पर त्रिलोकीनाथ भगवान श्री रंगनाथ जी एवं श्री गोदम्बा जी का दिव्य कल्याणोत्सव आयोजित किया गया। त्रिलोकीनाथ भगवान श्री रंगनाथ जी की बारात कल्याणोत्सव के यजमान हरिकिशन-गोपीकिशन लाहोटी परिवार कृष्णा कॉलोनी के यहाँ से सजधज कर गाजे बाजे तथा ढोल नगाड़ों के साथ नगर भ्रमण कर श्री लक्ष्मीवेंकटेश देवस्थान पहुंची। इस आयोजन में कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

महिला संगठन को डायमंड कैटेगरी

रायपुर। 7,8,9 जनवरी को संपन्न अ. भा. मा. म. संगठन की वर्चुअल कार्यकारिणी बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अमीता मूंदड़ा एवं प्रदेश सचिव भावना राठी की मेहनत रंग लाई और छत्तीसगढ़ प्रदेश को डायमंड कैटेगरी के लिए चयनित किया गया। आयोजित इस वर्चुअल कार्यकारिणी बैठक (ABMMS) में 27 प्रदेशों के पीपीटी प्रेजेंटेशन में प्रदेश ने डायमंड कैटेगरी में अपना नाम दर्ज किया।

प्रतिमाओं का जल समर्पणम

चंद्रपूर। तेजस्विनी महिला मंच द्वारा यत्र तत्र रखी, दर-बदर छोड़ी हुई लक्ष्मी जी की ढाई हजार मूर्तियों एवं भगवान की तस्वीरों का 21 लीटर दूध के साथ जल समर्पणम किया गया। ये सब वही मूर्तियां थी जिन्हें भक्तजन पूजन उपरांत कही भी छोड़ देते है। प्रबोध वेखण्डे के मार्गदर्शन में तेजस्विनी महिला मंच द्वारा पिछले 3 वर्षों से यह कार्य किया जा रहा है। इस कार्य मे संगीता भट्टड़, कल्पना मोहता, पदमा सारड़ा, बीना बंग, श्वेता राठी, लीना भट्टड़, विद्या जाजू, अनिता भट्टड़, संध्या सोनी का विशेष सहयोग रहा। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की नंदनवन शाखा व हिवरी नगर शाखा का भी सहयोग रहा।

पुण्यतिथि पर हुआ स्मृति सभा का आयोजन

मथुरा। अमर उजाला समूह के नवोन्मेषक स्वर्गीय श्री अतुल माहेश्वरी की 11 वीं पुण्यतिथि पर स्मृति सभा का आयोजन माहेश्वरी परिवार मथुरा द्वारा किया गया। इस दौरान उनका भावपूर्ण स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। माहेश्वरी परिवार के रितेश माहेश्वरी एडवोकेट ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय श्री अतुल माहेश्वरी ने पत्रकारिता जगत में एक बहुमूल्य कीर्तिमान स्थापित किया है। उनका सहयोग पत्रकारिता जगत में सदैव अविस्मरणीय रहेगा। स्मृति सभा में राजकुमार माहेश्वरी, संतोष कुमार माहेश्वरी, कृष्ण कुमार माहेश्वरी, संजीव कुमार माहेश्वरी, अंकित माहेश्वरी, नारायण प्रसाद शर्मा, अभिषेक शर्मा, केशव अग्रवाल आदि ने भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपने विचार रखे।

नि:शुल्क टीकाकरण शिविर आयोजित

वरंगल। माहेश्वरी समाज के तत्वावधान में डॉ. रामचंदर दरक की देख रेख में 15 से 18 वर्ष के युवक/युवतियों एवं 60 वर्ष आयु के ऊपर वाले पुरुष/महिलाओं के लिए निःशुल्क कोविड टीकाकरण शिविर का आयोजन गत 12 जनवरी को प्रगतिशील मारवाडी समाज भवन वरंगल में किया गया। इस शिविर के मुख्य अतिथि डॉ. टी. मदन मोहन राव के हाथों से पहला टीका लगाया गया। डॉ. रामचंदर दरक व अध्यक्ष रमेशचंद बंग ने उपस्थित सभी को कोविड से बचाव के विषय पर अपना महत्वपूर्ण संदेश दिया और सभी को टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया। इस शिविर में 81 युवक-युवतियों और 60 वर्ष से अधिक आयु वालों को 122 बूस्टर डोज़ दिए गए। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष रमेशचंद बंग, आ.भा. मा. मा. स के कार्यकारी सदस्य श्याम सुंदर जाखोटिया, तेलंगाना आंधराप्रादेशिक के उपाध्यक्ष गोपीकिशन लाहोटी, उपाध्यक्ष नवल किशोर मूंदडा, सह मंत्री जितेंदर मूंदडा, सांस्कृतिक मंत्री दामोदर लाहोटी, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा माधुरी लाहोटी, प्रगतिशील मारवाडी समाज के अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदडा सहित सभी सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

आपका चित्र नहीं चरित्र भी सुंदर हो
आपकी दृष्टि नहीं दृष्टिकोण भी सुंदर हो
आपका भवन नहीं भावना भी सुंदर हो
आपका साधन नहीं साधना भी सुंदर हो

गणतंत्र दिवस पर 750 केन्द्रों पर हुआ सूर्य नमस्कार

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन का विभिन्न संस्थाओं के साथ हुआ रिकार्ड आयोजन-देश के विश्व अभियान में दिया योगदान

कोटा। सम्पूर्ण देश 73वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य पर स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव का आयोजन कर रहा है। इसके अंतर्गत 75 करोड़ सूर्य नमस्कार द्वारा विश्व कीर्तिमान स्थापित किया गया। इसमें अपने योगदान के रूप में अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा देश-विदेश में लगभग 750 केन्द्रों पर विभिन्न संगठनों के सहयोग से सामूहिक सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार गत 26 जनवरी 2022 को हमारे देश की स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव पर किए जा रहे 75 करोड़ सूर्य नमस्कार विश्व विक्रम अभियान के अंतर्गत गीता परिवार, पतंजलि योग समिति, क्रीडा भारती, नेशनल योगा स्पोर्ट्स फेडरेशन व हार्टफुलनेस के साथ मिलकर अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा सायं 4 बजे स्वामी श्री रामदेवजी एवं स्वामी श्री गोविंद देव गिरिजी की प्रेरणा से गीता परिवार प्रमुख संजय मालपानी के सान्निध्य में देश-विदेश में 750 केंद्रों पर सामूहिक सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया गया। इस श्रृंखला में कोटा नगर में यह भव्य आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी के नेतृत्व में राष्ट्रीय बाल एवं किशोरी विकास समिति प्रभारी निर्मल मारु, राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री मधु बाहेती, पूर्वी राजस्थान माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष कुंती मूंदड़ा, कोटा जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष विनीता लाहोटी, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष ऋतु मूंदड़ा आदि पदाधिकारी एवं संगठन की सभी सदस्याओं की उपस्थिति में मातृ-भूमि वंदना कार्यक्रम के रूप में आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम श्री माहेश्वरी भवन झालावाड़ रोड, कोटा पर सायं 4 से 5.30 तक संपन्न हुआ।

पुण्यतिथि पर हुआ रक्तदान

पुणे। नावंदर परिवार की ओर से 25वें वर्ष में स्व. श्री मुरलीधर तथा स्व. श्री अशोक नावंदर की पुण्य स्मृति में रक्तदान शिविर प्राधिकरण के श्री संत तुकाराम उद्यान में गत 2 जनवरी को संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में महापौर श्रीमती ढोरे, कई नगर पार्षद, महेश बैंक पुणे के उपाध्यक्ष जुगल पुंगलिया, संचालक अजय लड्ढा, महेश सेवा संघ पुणे के ओमप्रकाश गट्टाणी, त्रयंबक मूंदड़ा, डॉ. श्याम चांडक, सत्यनारायण मालू, गोपाल लोया आदि उपस्थित थे। अतिथियों तथा रक्तदाताओं का स्वागत परिवार के सदस्य सुभाष सुरेश, सचिन, मनीष तथा कु. वैदेही ने किया।

'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। साहित्य संगम संस्थान की ओर से आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत काव्य पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवीर सिंह मंत्र व कार्यकारी अध्यक्ष कुमार रोहित रोज रहे। अध्यक्षता पश्चिम बंगाल इकाई से कलावती करवा द्वारा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने आजादी के 75वें वर्ष को अमृत महोत्सव के रूप में मनाने व पूरे वर्ष विभिन्न साहित्य आयोजन करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन स्वाति जैसलमेरिया व मधु भूतड़ा जयपुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्वेता गुप्ता कोलकाता, अतुल अविरल भीलवाड़ा, अनुपमा तोषनीवाल, शशि लाहोटी कोलकाता, कपिल करवा संगरिया, सतीश लाखोटिया नागपुर, राजश्री राठी अकोला, स्वाति मानधना बालोतरा, पूजा नबीरा नागपुर आदि कई साहित्यकारों ने एक से बढ़कर एक देशभक्ति के जज़्बे से भरी काव्य प्रस्तुति दी।

चांडक बने महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी

नागपुर। समाजसेवी विजय चांडक अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के आगामी सत्र के चुनाव हेतु मुख्य चुनाव अधिकारी मनोनीत किए गए हैं। महासभा की कार्यसमिति एवं कार्यकारी मंडल की बैठकों में उनके नाम पर सर्वानुमति की मुहर लग गई। श्री चांडक विगत दो सत्रों में केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य एवं मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा विदर्भ प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी रहे। आप विगत 50 वर्षों से आयकर प्रैक्टिशनर के रूप में सुविख्यात हैं। एमकॉम, एलएलबी तक शिक्षित विजय चांडक 1975 से 1977 तक इन्कमटैक्स बार के सचिव रहे। श्री चांडक का महासभा और समाज से गहरा जुड़ाव रहा है। वे 'नागपुर नगर माहेश्वरी सभा, रामरतन मेडिकल हेल्प सोसाइटी' के पूर्व अध्यक्ष भी रहे हैं। नागपुर जिले के माहेश्वरी बच्चों की शिक्षा के लिए सहायता उपलब्ध कराने वाली संस्था 'नागपुर नगर माहेश्वरी सेवा संघ' के संस्थापक सदस्य एवं अध्यक्ष भी रह चुके हैं। महासभा के कार्यालय मंत्री के रूप में 2 सत्र में अपनी सेवाएँ दे चुके श्री चांडक विदर्भ प्रदेश से एक सत्र में कार्यसमिति सदस्य भी रहे हैं।

संस्कृति पर आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन

रायपुर। माहेश्वरी महिला समिति गोपाल मंदिर द्वारा हमारा देश हमारी संस्कृति के अंतर्गत दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें मकर संक्राति पर्व के नेगचार एवं नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए देश के महान वीरों पर फैन्सी ड्रेस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम 22 जनवरी को दोपहर 3.30 बजे से ऑनलाईन झूम पर आयोजित किया गया। इसमें सभी प्रतिभागियों को अपनी परफॉर्मेंस वीडियो रिकॉर्ड करके संयोजिका को भेजनी थी। इसका प्रसारण ऑनलाइन झूम मोड पर किया गया। अध्यक्षा रमा मल्ल द्वारा अध्यक्षीय उद्‌बोधन के साथ-साथ कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सचिव मधु राठी ने सचिव प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सक्रांति के नेगचार की प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने हमारे समाज के रीति-रिवाजों को बड़ों के साथ कैसे आदर के साथ किया जाता है, इसका सजीव चित्रण प्रस्तुत किया। डॉक्टर वर्षा झंवर ने आज के परिवेश में स्वाद से स्वास्थ्य तक के बारे में बताया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजिका शशि बागड़ी, भावना मर्दा के साथ-साथ मधु राठी, शशि आर मोहता एवं सभी कार्यकारिणी सदस्याओं का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

युवा संगठन के चुनाव सम्पन्न

नड़ियाद (गुजरात)। स्थानीय युवा संगठन के चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष भरत कालूराम हेड़ा, मंत्री दीपक कुमार ईनानी, कोषाध्यक्ष अनिलकुमार तोष्नीवाल, सांस्कृतिक मंत्री प्रदीप कुमार असावा, खेलमंत्री दीपककुमार मंडोवरा, स्वास्थ्य एवं शिक्षा मंत्री जयकुमार मेहलाना तथा प्रवास मंत्री सुनील कुमार ईनानी चुने गये। समाज के विभिन्न संगठनों एवं गणमान्यजनों ने इस निर्वाचन पर हर्ष व्यक्त किया।

नम्रता को राष्ट्र स्तरीय सम्मान

इंदौर। आईवे यंग एंटरप्रेन्योर्स ग्रुप (AYEG) ने नए साल के पहले दिन Happython - Raise Her Awards का आयोजन किया जिसमें सम्पूर्ण भारत में जो महिलाएं अपने क्षेत्र में सर्वोच्च काम कर रही या जो समाज कल्याण की दिशा में कार्य कर रही हैं, उनका सम्मान किया गया। आईवे यंग एंटरप्रेन्योर्स ग्रुप ने इसमें संपूर्ण भारत वर्ष से 14 महिलाओं का चयन किया जिन्होंने विशेष क्षेत्रों में अपनी रचनात्मक कार्य शैली से पूरे भारत वर्ष को प्रभावित किया। इनमें इंदौर से उभरती लेखिका एवं मोटिवेशनल स्पीकर नम्रता कचोलिया भी शामिल थीं। नम्रता समाजसेवी मुकेश कचौलिया की पुत्रवधू हैं। उनके आलेख कई समाचार पत्रों में प्रकाशित हो चुके हैं।

शिक्षण सहायता कोष की कार्यकारिणी गठित

अमरावती। स्व. श्री जगन्नाथ मालपाणी द्वारा स्थापित माहेश्वरी शिक्षण सहायता कोष की वार्षिक सभा गत 19 जनवरी को मालपाणी भवन सराफा में संपन्न हुई। इसमें अगले 3 वर्ष के लिए नवीन कार्यकारिणी के चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुए। इसमें अध्यक्ष रूपराम झंवर, उपाध्यक्ष आनंद मालपाणी, मंत्री डॉ. सुशीलाबाई मालपाणी, सहमंत्री - मनोहर मालपाणी तथा संरक्षक सदस्य-ओमप्रकाश हेड़ा व प्रवीणबाबू मालपाणी चुने गये। इसी प्रकार हितचिंतक सदस्य तथा सक्रिय सदस्य का भी चयन हुआ।

इतना मत बोलिए कि लोग चुप होने का इंतजार करें बल्कि इतना बोलकर चुप हो जाइये कि लोग दोबारा बोलने का इंतजार करें।

समाजजनों का होगा एक लाख का बीमा

जोधपुर। जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री मुरलीधर भूतड़ा ने बताया कि जोधपुर जिला माहेश्वरी सभा द्वारा जिले में आर्थिक, सामाजिक, सर्वेक्षण के आधार पर 18 से 80 वर्ष की आयु वर्ग के सभी समाज बंधुओं का दुर्घटना बीमा प्रति व्यक्ति एक लाख रुपये का करवाया गया है। इसका मूल बीमा धन 1 अरब 72 करोड़ 57 लाख रुपये है। इसके प्रीमियम 239340 रुपये वार्षिक का भुगतान जोधपुर ज़िला माहेश्वरी सभा द्वारा किया गया। जिला माहेश्वरी सभा के कार्यकारी मण्डल की वर्च्युअल मिटिंग में इंश्योरेंस कम्पनी के अधिकारियों द्वारा दुर्घटना बीमा का पालिसी बांड पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक सभा के अध्यक्ष रतनलाल डागा एव जिला सभा अध्यक्ष पुरुषोत्तम मूंदड़ा को सुपुर्द किया गया। इस अवसर पर जिला मंत्री मुरलीधर भूतड़ा, अर्थ मन्त्री ओम प्रकाश लोहिया आदि उपस्थित थे।

फ्रेंडस ग्रुप का हास्य कवि सम्मेलन संपन्न

इंदौर। माहेश्वरी ग्रुप द्वारा हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस हास्य कवि सम्मेलन में हास्य कवि डॉ. श्याम सुंदर पलोड, कवि संजय खत्री, कवि हिमांशु बवंडर, कवि विष्णु विश्वास, कवियित्री निशा पंडित आदि द्वारा हास्य कविताओं की प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुरेश जमना राठी, सम्पत कुमार राधा साबू, सुभाष हेमलता भट्टड़, जगदीश प्रमिला भूतड़ा, गोविंद उषा राठी, सुरेश सावित्री सिंगी, गोपाल सुधा मालपानी, सतीश आशा साबू, भरत सावित्री भट्टड़ आदि समाज के कई सदस्य दम्पति उपस्थित थे। उक्त जानकारी प्रचार मंत्री सम्पत कुमार राधा साबू ने दी।

दुनिया को सुनाने के लिये अपनी आवाज ऊंची मत करो, बल्कि अपना व्यक्तित्व इतना ऊँचा बनाओ कि आपको सुनने के लिये लोग इंतजार करें।

सिद्धांत को घुड़सवारी में पदक

गौहाटी। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा पूर्वांचल के उपाध्यक्ष कैलाश काबरा व पूर्व अखिल भारतयवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वांचल की उपाध्यक्ष सरला काबरा के भतीजे एवं प्रकाश-नीरू काबरा के पुत्र सिद्धान्त काबरा (गौहाटी आसाम) ने राज्य स्तरीय घुड़सवारी प्रतियोगीता में पदक जीते। इसका आयोजन इक्वीस्टीरीयन फेडरेशन आफ आसाम ने डिब्रुगढ़ (आसाम) में गत जनवरी 2022 को किया गया। सिद्धान्त ने एन. सी. सी. का प्रतिनिधित्व करते हुए इस प्रतियोगिता में भाग लिया एवं अलग-अलग प्रतियोगिता में एक स्वर्ण, दो रजत एवं एक कांस्य पदक हासिल किया।

जयपुर जिला समिति ने मनाया स्थापना दिवस

जयपुर। जिला माहेश्वरी सभा समिति द्वारा अपने स्थापना दिवस आयोजन के उपलक्ष्य में समाज मुख्यालय भवन पर 'महेश दर्पण' पत्रिका का विमोचन किया गया। मंत्री सुरेंद्र बजाज ने बताया कि इस अवसर पर महेश दर्पण के प्रकाशन व विज्ञापन संग्रह से जुड़े सदस्यों व कार्यकर्ताओं का माला पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। राजस्थान सरकार की 'हेल्थ इंश्योरेंस' 'चिरंजीवी' के सफल क्रियान्वयन के लिये रमेश भैयाजी क्षेत्रीय सभा परकोटा के पदाधिकारियों को उनके द्वारा किये गये सेवा कार्यों हेतु शॉल व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला सभा द्वारा कार्य समिति की बैठक का भी आयोजन किया गया। वक्ताओं ने महासभा द्वारा प्रदत्त विभिन्न आर्थिक सहायता योजनाओं से जरूरतमंद बंधुओं को सहायता दिलवाने हेतु सभी क्षेत्रीय सभाओं के पदाधिकारियों का आह्वान किया। मंत्री सुरेंद्र बजाज ने सत्र के दौरान किये गये कार्यों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। अध्यक्ष नवल झंवर ने सदन को बताया कि उनकी कार्यकारिणी ने इस बार यह तय किया था कि स्थापना दिवस आयोजन अत्यंत भव्य तरीके से मनाया जायेगा। किंतु इसे कोरोना गाईड लाईन के अनुसार ही मनाना पड़ा।

युवा संगठन पदाधिकारियों का भ्रमण

फारबिसगंज। झारखंड बिहार माहेश्वरी युवा संगठन प्रदेश अध्यक्ष सुमित लोहिया एवम प्रदेश युवा संगठन मीडिया प्रभारी आदित्य मुंदड़ा पूर्णिया अंचल का दौरा करते हुवे अररिया, फारबिसगंज व जोगबनी पहुँचे। उन्होंने पूर्णिया अंचल उपाध्यक्ष श्यामसुन्दर माहेश्वरी, झारखंड बिहार सभा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी राजकुमार लढ़ा, फारबिसगंज सभा के अध्यक्ष प्रदीप राठी और फारबिसगंज युवा संगठन के अध्यक्ष महेश सारदा, सचिव अभिषेक खेमानी और जोगबनी अध्यक्ष प्रेमरतन डागा, भगवती प्रसाद तापड़िया, भीकमचन्द तापड़िया, रामेश्वरलाल तापड़िया, सींकेन्द्र तापड़िया तथा श्याम तापड़िया से मुलाकात की। प्रदेश युवा संगठन द्वारा छपाया गया नये साल का महेश पंचांग 2022 उनको भेंट किया। फारबिसगंज युवा संगठन के सदस्यों ने प्रदेश युवा संगठन के पदाधिकारियों का फूल माला पहना कर स्वागत किया। दो नये सदस्य रवि सोमानी अररिया और बैजनाथ सारड़ा फारबिसगंज को प्रदेश कार्यकारणी सदस्य के रूप में शामिल किया गया।

माहेश्वरी सभा की वार्षिक बैठक सम्पन्न

सूरत। अड़ाजण घुड़दौड़ रोड माहेश्वरी सभा सूरत के कार्यकारी मंडल की वार्षिक साधारण सभा गत 09 जनवरी को सम्पन्न हुई। सभा अध्यक्ष रामसहाय सोनी ने समाज द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी एवं सभी आगंतुकों का स्वागत किया। सभा सचिव सुनील माहेश्वरी ने सत्र 2020-21 मे सम्पन्न हुए कार्यों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं विभिन्न समाज प्रकल्पों में भामाशाहों द्वारा किये गये सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। कोषाध्यक्ष विष्णु बसेर ने सत्र के आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन संगठन सचिव कृष्ण कुमार तापड़िया ने किया। बैठक में जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष अविनाश चांडक, सचिव संदीप धूत, हनुमान लोहिया,ओमप्रकाश देवपुरा,पवन बजाज सहित समाज के कई प्रबुद्ध सदस्य उपस्थित रहे। सीए सुरेश काबरा एवं सुरेश तोषनीवाल ने समाज द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजना के बारे में सदस्यों को विस्तृत जानकारी दी। मंच संचालन और धन्यवाद प्रस्ताव सह-सचिव सुनील जागेटिया ने रखा।

स्नेह मिलन समारोह का हुआ आयोजन

बून्दी। माहेश्वरी समाज से जुड़े समाजजनों के देवपुरा स्थित एक निजी रिसोर्ट में पोष बड़ा महोत्सव व स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन से जुड़े नारायण मंडोवरा ने बताया कि कार्यक्रम में अलग-अलग वर्गों की प्रतियोगिता रखी गई। आकर्षक कपल गेम में मंजू-जगदीश जैथलिया, सीमा-रमेश गगरानी व मंजू-विष्णु बोरदिया सामूहिक रूप से अव्वल रहे। कार्यक्रम में ऑनलाइन हाऊजी गेम भी खिलाया गया। सभी प्रतियोगिताएं मेनका जाजू व नरेश लाठी की देखरेख में सम्पन्न हुई। इस दौरान लक्की ड्रा भी निकाला गया। कार्यक्रम के दौरान विनोद मंत्री के निर्देशन में संगीतमय हनुमान चालीसा का सामूहिक पठन कर मानव रक्षा व जगत कल्याण की कामना की गई। इसके उपरांत महाआरती कर सभी को प्रसादी वितरित की गई। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष विजेन्द्र माहेश्वरी, पूर्व अध्यक्ष रेवती रमन बिरला व राधेश्याम मूंदड़ा, वरिष्ठ समाज सेवी रामकल्याण मंत्री ने आराध्य देव भगवान महेश के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन एवं पुए व पकौड़ी का भोग लगाकर की। किरण लखोटिया, उषा बिरला, अनिता मंडोवरा, राधिका लड्ढा, संगीता सोमानी आदि ने सभी का कुमकुम लगा व मोली बांधकर स्वागत किया।

वंशिका को मिला गोल्ड मेडल

बैतूल। व्यवसायी देवेंद्र माहेश्वरी एवं मधु माहेश्वरी की सुपुत्री जय हनुमान व्यायाम शाला बैतूल गंज की उत्कृष्ट खिलाड़ी एवं छात्रा वंशिका ने नेशनल ट्रेडिशनल लाठी स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप 2021 में गोल्ड मेडल जीतकर परिवार का नाम पूरे प्रदेश में रोशन कर दिया है। यह चैम्पियनशिप ग्वालियर में रॉयल सुंदरम गार्डन तिरोल तिराहा पर 25 व 26 दिसंबर को आयोजित की गई थी। चैम्पियनशिप में बैतूल से वंशिका माहेश्वरी (13 वर्ष) ने 35 किलो वर्ग में अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़कर पूरी महारत से लाठी घुमाकर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमा लिया।

जिसने कहा कल, दिन गया टल
जिसने कहा परसों, बीत गए बरसो
जिसने कहा आज, उसने किया राज।

राठी अध्यक्ष, चांडक सचिव

नागपुर। शहर में कार्यरत बहुत पुरानी संस्था माहेश्वरी पंचायत सीताबर्डी के चुनाव 26 दिसंबर को सम्पन्न हुए। इसमें सीए शिवदास राठी अध्यक्ष, गोपाल चांडक सचिव, डॉ. सुरेश चांडक उपाध्यक्ष, हरिदास भट्टड़ उपाध्यक्ष, विनोद फाफट कोषाध्यक्ष, किशोर गोयदानी सहसचिव, दिनेश डांगरा सहसचिव चुने गए।

संस्कार धारा का महातम्बोला सम्पन्न

हैदराबाद। संस्कार धारा कोठी सुल्तान बाजार द्वारा संक्रांति पर्व पर जरूरतमंदों के सहायतार्थ आयोजित महातम्बोला चिरागली लेन, ऑबिड्स स्थित प्रेम दी रसोई में आनन्दोत्सव के साथ संपन्न हुआ। संस्था की संस्थापिका कलावती जाजू ने संस्था के उद्देश्य एवं विगत 11 वर्षों से जारी समाज में सामाजिक, मनोरंजक, सांस्कृतिक एवं सेवा कार्यों के बारे में जानकारी दी। इसी श्रृंखला में जरूरतमंदों की सहायतार्थ आयोजित महातम्बोला में लगभग 100 लोगों ने भाग लिया। यह तम्बोला 3 राउंड में खिलाया गया। काम्प्लीमेण्ट्री, नगद, सोना चांदी एवं कई सरप्राईज पुरस्कारों तथा तम्बोला में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन सुप्रसिद्ध समाजसेवी अमृतकुमार जैन के करकमलों द्वारा किया गया। अतिथि स्वागत अध्यक्षा श्यामा नावंदर, कोषाध्यक्ष प्रेमलता कांकाणी तथा सीमा ईनानी द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि गोपाल बल्दवा का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं शॉल द्वारा मंत्री अंजना अटल, मौसमी भूतड़ा, निर्मला झँवर, उमा सारडा आदि ने किया।

कोचिन शिप यार्ड के स्वतंत्र निदेशक बने नाहरसिंह माहेश्वरी

जयपुर। भारत सरकार ने एडवोकेट नाहरसिंह माहेश्वरी को पोर्टस एवं शिपिंग मंत्रालय की कोचिन शिप यार्ड लिमिटेड कम्पनी में स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है। कोचिन शिप यार्ड शिपिंग की बड़ी कम्पनी है, जिसमें आईआईएम विक्रांत का भी निर्माण हुआ। इसमें श्री माहेश्वरी का कार्यकाल 3 वर्ष का रहेगा। श्री माहेश्वरी वर्तमान में भाजपा राजस्थान के चुनाव सम्पर्क विभाग के प्रदेश प्रमुख हैं तथा जयपुर में अधिवक्ता हैं। उनकी नियुक्ति पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

मूंधड़ा को के. वी. श्रीनिवासन गोल्ड मेडल

यवतमाल। वरिष्ठ समाजसेवी सत्यनारायण मूंधड़ा के सुपौत्र एवं लक्ष्मीकांत और लीना मूंधड़ा के पुत्र केतन को हाल ही में 'द बेस्ट ऑल राउन्डर पीजीपी स्टडन्ड 2019-21' के लिये के.वी. श्रीनिवासन गोल्ड मेडल से आय आय एम अहमदाबाद के डायरेक्टर श्री डिसुझा द्वारा सम्मानित किया गया। केतन ने हाल ही में देश के सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन संस्थान आयआयएम अहमदाबाद से एम.बी.ए. किया है। आदित्य विक्रम बिड़ला स्कॉलर अवार्ड प्राप्त केतन इसके पूर्व आयआयटी खड़गपुर से बी.आर्क. की उपाधि भी प्राप्त कर चुके हैं।

जरूरतमंदों को स्वेटर वितरण

ब्यावर। माहेश्वरी क्षेत्रीय सभा द्वारा सेवा प्रकल्प के तहत् स्वेटर वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंत्री - सुनील झंवर ने बताया कि देलवाड़ा रोड स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय देलवाड़ा में लगभग 100 निर्धन जरूरतमंद विधार्थियो (स्कूल प्रशासन द्वारा चयनित) को इस भीषण ठंड से निजात के लिए स्वेटर का वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य-दिनेश कुमार ने माहेश्वरी क्षेत्रीय सभा ब्यावर के पदाधिकारियों को साधुवाद दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष - जुगल किशोर मनिहार, उपाध्यक्ष - अमर चन्द मूंदड़ा, मंत्री-सुनील झंवर, राजेंद्र काबरा (पूर्व अध्यक्ष भारत विकास परिषद) प्रधानाचार्य - दिनेश कुमार, विनोद कुमार धीमान, भारतेंदु श्रीमाली, चंद्रप्रकाश मेघवंशी, ओमप्रकाश कुमावत, चन्द्र प्रकाश पारीक आदि उपस्थित थे।

दुनिया के रैन बसेरे में पता नहीं कितने दिन रहना है, जीत लो सब के दिलों को बस यही जीवन का गहना है।

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुम्बई के पूर्व अध्यक्ष कमल मोरारका को दी श्रद्धांजलि

मुंबई। ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज (एआईएआई) तथा एमवीआईआरडीसी वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई के पूर्व चेयरमेन स्व.श्री कमल मोरारका की प्रथम पुण्यतिथि का आयोजन गत दिनों किया गया। इसमें उपस्थित समस्त सदस्यों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। दीप प्रज्जवलन व श्री मोरारका की तस्वीर पर माल्यार्पण से कार्यक्रम का शुभारम्भ एआईएआई व एमवीआईआरडीसी वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर मुम्बई के वर्तमान अध्यक्ष या ख्यात उद्योगपति विजय कलंत्री, एआईएआई तथा कौंसिल ऑफ मैनेजमेंट एमबीआईआरडीसी डब्लूटीसी सदस्य डॉ. प्रतीक कनाकिया तथा संस्था के रूईया वाईस चेयरमेन आजोयकांत ने किया। श्री कलंत्री ने अपने उदबोधन में कहा कि स्व. श्री मोरारका संगठन के सबसे अधिक समय तक सेवा देने वाले चेयरमेन रहे। आपने वर्ष 1993 से अंतिम समय 15 जनवरी 2021 तक अपनी सेवा दी। आप ऐसे दुर्लभ नेतृत्व में से एक थे जिन्होंने अपनी दूर दृष्टि तथा प्रयत्नों से संगठन को शिखर की ऊँचाई प्रदान की।

स्लोगन स्पर्धा में उज्जैन द्वितीय

उज्जैन। पश्चिमी मप्र माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा प्रदेश सभा एवं युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में महेश्वर की पावन धरा माँ नर्मदा के तट पर चुंदड़ी मनोरथ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिला संगठन ने जिला स्तरीय जल संरक्षण पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें सभी सदस्याऐं चुंदड़ी मनोरथ की शोभा यात्रा में जल संरक्षण के स्लोगन की तख्तियाँ लेकर संदेश देते हुए चल रही थीं। इस प्रतियोगिता में श्री माहेश्वरी सभा महिला मंडल गोलामंडी उज्जैन को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रदेश अध्यक्ष वीणा सोमानी व सचिव उषा सोडानी ने संस्था अध्यक्ष हेमलता गाँधी व उनकी टीम को पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर शांता मंडोवरा, संगीता भूतड़ा, मनीषा राठी, सीमा परवाल, आरती सोडानी, ऋतु समदानी, किरण पलौड़, आरती राठी आदि मौजूद रहीं।

रुपल मोहता को मिला सशक्त नारी सम्मान

खामगांव (महा.)। मिसेस इंडिया युनिवर्स खामगांव-विदर्भ (महाराष्ट्र) निवासी रुपल मोहता को अखिल भारत माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत 7 जनवरी 22 को संपन्न वर्चुअल कार्यकारिणी सभा में 'राष्ट्रीय सशक्त नारी' का पुरस्कार प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रुप से न्यायाधिपति उमेशचंद्र माहेश्वरी-उप लोकायुक्त मध्यप्रदेश, श्यामसुंदर सोनी सभापति-अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा, रामकुमार भूतड़ा अध्यक्ष पुष्कर सेवा सदन, आशा माहेश्वरी-राष्ट्रीय अध्यक्षा अ.भा.मा. माहेश्वरी महिला संगठन, मंजू बांगड़ राष्ट्रीय महामंत्री अ.भा.मा.माहेश्वरी महिला संगठन आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

जिला माहेश्वरी सभा की बैठक संपन्न

उज्जैन। जिला माहेश्वरी सभा की कार्यसमिति सदस्यो की द्वितीय बैठक गत 16 जनवरी दोपहर 2 बजे नरसिंह मंदिर छोटा सराफा उज्जैन पर महेश लड्ढा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में महासभा प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा पूर्व जिला अध्यक्ष वासुदेव काबरा व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ओमप्रकाश काबरा विशेष रूप से उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष महेश लड्ढा द्वारा अपने उद्बोधन में प्रदेश एवं महासभा द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा द्वारा उज्जैन शहर को एक और प्रतिनिधि की सौगात देने के लिए जिला कार्यसमिति की बैठक में उपस्थित सदस्यो ने प्रदेश सभा एवं महासभा को धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया और आभार व्यक्त किया। अब उज्जैन जिला माहेश्वरी महासभा से कुल 3 प्रतिनिधि होंगे। जिला सचिव महेश चांडक द्वारा यह प्रस्ताव रखा गया कि महासभा में एक और प्रतिनिधि का नाम इसी सत्र में प्रस्तावित कर भेजा जावे। सभा का संचालन ओमप्रकाश काबरा ने किया। बैठक में उपस्थित सदस्यों का आभार सचिव महेश चांडक ने माना।

हीरा बनाया ईश्वर ने हर किसी को,
पर चमकता वही है, जो तराशने की
हद से गुजरता है।

गोदा रंगनाथ विवाहोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद। श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल चप्पल बाज़ार द्वारा श्री सत्यनारायण मंदिर में जारी धनुर्मास उत्सव के अंतर्गत श्री गोदा रंगनाथ का विवाह उत्सव मनाया गया। मंडल के मंत्री भरत जाजू ने बताया कि प्रातःकाल की आरती के साथ ही विवाह उत्सव प्रारम्भ हुआ। वर पक्ष राजाराम वासुदेव सोनी परिवार के घर से श्रीरंगनाथ भगवान की निकासी अल्पाहार के साथ हुई। वधु पक्ष शिवभगवान कैलाशकुमार काबरा परिवार द्वारा गोदा को पालकी में विराजमान कर सोनी निवास तक लाया गया। तत्पश्चात श्री गोदारंगनाथ को पालकी में विराजमान कर गाजे बाजे के साथ पालकी को लेकर मंदिर तक सभी भक्तों ने नाचते गाते प्रवेश किया। रामेश्वरलाल भरत कुमार जाजू परिवार ने गोदा को मामा फेरे दिलाये। इस अवसर पर उमेश चोकड़ा एवं रामकिशोर सोनी ने विवाह गीत अपने समुधर वाणी में गाकर सभी को सराबोर कर दिया। काबरा परिवार ने गोदा रंगनाथ को विधिवत फेरे दिलाकर पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न किया। अंत में सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर कैलाश काबरा, भरत जाजू, प्रदीप चाण्डक, प्रकाशनारायण राठी, श्यामसुन्दर राठी, सुरेश बंग, वेणुगोपाल बंग, श्याम मोदानी, जगदीश काकाणी, आनंद भराडिया, मुरलीधर अट्टल, घनश्याम लोया आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

कोविड वैक्सीनेशन शिविर सम्पन्न

हैदराबाद (तेलंगाना)। तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक सभा, महेश फाउण्डेशन व श्री माहेश्वरी भवन ट्रस्ट द्वारा कोविड वैक्सीनेशन और थायराईड टेस्टिंग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुकुल के विद्यार्थियों द्वारा मंत्र उच्चारण व दीप प्रज्वलित प्रदेश अध्यक्ष हरिनारायण राठी, मंत्री कैलाश डालिया, कार्यसमिति सदस्य अरुण भाँगड़िया, महेश फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम तापड़िया, मंत्री संजय लाहोटी, संगठन मंत्री सीए कन्हैयालाल राठी, राजेश मालपानी कार्यालय मंत्री, पंकज नावंदर, राजेंद्र राठी, नवल नावंदर, राजेश करवा आदि ने किया। लगभग 200 से ज्यादा बालक एवं बालिकाओं ने इस वेक्सीन ड्राइव का लाभ लिया और 50 से ज्यादा लोगो ने मुफ्त थाइरोइड टेस्ट का लाभ लिया।

हल्दी-कुमकुम का किया आयोजन

देवास। माहेश्वरी महिला मंडल कांटाफोड़ जिला देवास द्वारा मकर सक्रांति पर्व के उपलक्ष में सिंगी मांगलिक भवन में हल्दी, कुमकुम का आयोजन किया गया। इसमें सभी महिलाओं का स्वागत हल्दी, कुमकुम लगाकर और हरी चूड़ियां पहना कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव हर्षिता सोमानी व शिल्पा होलानी ने किया। स्वागत उद्बोधन स्थानीय अध्यक्ष जयश्री होलानी द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने में मंगला सिंगी व उषा बियाणी ने अपना पूरा सहयोग दिया। सभी ने गुल्ली-डंडा, पतंग, सितोलिया खेल कर व लावणी डांस करके कार्यक्रम का आनंद लिया।

हेड़ा अध्यक्ष गट्टानी सचिव

अमरावती। स्वयं सिद्धा महिला मंडल का 12वां पद ग्रहण समारोह अंबा देवी मंदिर के गौरक्षण के तत्वावधान में धूमधाम से संपन्न हुआ। गौ माता को ढेप सरकी खिलाकर और भजनों से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। पूर्व अध्यक्ष वर्षा जाजू और उनकी कार्यकारिणी का पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया गया और उनके कार्यकाल में किए गए कार्य के लिए आभार माना गया। तत्पश्चात पूर्व अध्यक्ष ने कार्यकाल की बागडोर नई अध्यक्ष दुर्गा हेड़ा के हाथों में दी। साथ ही नए कार्यकारिणी के सदस्यों का भी स्वागत किया गया। कार्यकारिणी में अध्यक्ष दुर्गा हेड़ा, उपाध्यक्ष संध्या राठी, सचिव साधना गट्टानी, कोषाध्यक्ष दुर्गा जाजू, सह कोषाध्यक्ष नेतल राठी, सह सचिव सुषमा भूतड़ा, प्रचार मंत्री ममता मूंदड़ा, कार्यकारिणी सदस्य सुषमा राठी, पल्लवी नावंदर और राधा करवा को चुना गया।

पदयात्रा व रक्तदान शिविर का आयोजन

बड़ोदरा (गुजरात)। स्थानीय माहेश्वरी मित्र मंडल द्वारा ''डाकोर पैदल यात्रा संघ'' के 12वे वर्ष का आयोजन गत 17 दिसम्बर को किया गया। जिसमें करीब 150 महिलाओं एवं पुरूषों ने हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। पैदल यात्रा का समापन 19 दिसम्बर पूर्णिमा के दिन रणछोड़राय जी की ध्वजा चढ़ाने एवं शोभायात्रा के साथ सम्पन्न हुआ। अंत में महाप्रसादी का भी आयोजन किया गया। इसी संदर्भ में माहेश्वरी मित्र मंडल द्वारा ''रक्तदान शिविर''का आयोजन गत 26 दिसम्बर को समाज के भवन में किया गया। जिसमें 141 युनिट रक्त संग्रहण हुआ। सभी कार्यक्रमों का संचालन सत्यनारायण ईनाणी, गणेश लड्ढा, राजेंद्र ईनाणी, गोपाल डाड एवं ओम ईनाणी व बद्रीलाल डाड ने किया।

मकर संक्रांति पर मानव सेवा

खरगोन। माहेश्वरी महिला मंडल ने मकर संक्रान्ति के उपलक्ष में मूकबधिर स्कूल में 40 बच्चो को ऊनी टोपे, मास्क एवं खादय सामग्री भेंट की। समाज अध्यक्षा अलका सोमानी सहित समाज की सभी सदस्यायों ने बच्चो के साथ उत्साहित होकर यह त्योहार मनाया। मकर सक्रांति का मिलन समारोह बी. एस. मंडोवरा के निवास पर रखा गया जिसमें महिला मंडल के 40 वर्ष पूर्ण होने पर वरिष्ठ सदस्या पार्वती मंडोवरा का शॉल से सम्मान किया गया। महिलाओं ने एक दूसरे को हल्दी-कुमकुम लगा कर सुहाग सामग्री भेंट की। इस आयोजन में विभिन्न गेम भी रखे गए। इस दौरान जानकी खटोड़, उषा सोमानी, कांता सोनी, पुष्पा जाजु, कांता फोफलिया, अमिता खटोड़, उमा सोमानी, किरण आगाल, निशा भट्टड़, उषा सिंघी आदि सदस्याऐं उपस्थित थीं।

दोनों तरफ से रिश्ते निभाए जाए,
वही रिश्ता कामयाब होता है।
एक तरफ से सके कर तो
रोटी भी नहीं बनाई जाती है।

महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

इंदौर। श्री माहेश्वरी डीडवाना महिला मंडल की निर्वाचन प्रक्रिया चुनाव अधिकारी मंजू भलिका, उषा काबरा एवं शशि पटवा ने निर्विरोध संपन्न करवाई। इसमें सुषमा मालू अध्यक्ष, सविता कांगडिया सचिव, आशा सिंगी एवं सुधा मालपानी उपाध्यक्ष, ज्योति मुछाल-सहसचिव, पूनम मालपानी कोषाध्यक्ष, सुधा मालू प्रचार मंत्री तथा मीना मानधना संगठन मंत्री चुनी गई। सेवा गतिविधि संयोजक रानी राठी व पूजा मूंदड़ा मनोनीत की गई। कार्यसमिति सदस्य के रूप में डॉ. वीणा सोनी, प्रीति काबरा, शैलजा मुछाल, अर्चना भलिका, किरण सोमानी आदि का मनोनयन किया गया। संस्था संरक्षक मंजू भलिका एवं परामर्शदाता उषा काबरा, शोभा पसारी, शशि पटवा एवं उर्मिला मूंदड़ा बनाए गए।

सफाईकर्मियों को कम्बल वितरण

रायपुर। माहेश्वरी महिला समिति द्वारा अशोका रतन कम्यूनिटी हॉल में सफाईकर्मियों को कम्बल का वितरण किया गया। समाज की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्योति राठी, ज़िला अध्यक्ष शशि काबरा, सम्पत काबरा, कमल राठी, छगन मुंदडा, दीनदयाल गोयल, नंदा भट्टर, सरला चांडक, निर्मला मुंदडा, ममता गर्ग, कल्पना राठी आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

रक्तदान शिविर का आयोजन

पुणे। चेरिटेबल संस्था सांगवी परिसर महेश मंडल, पुणे द्वारा गत 16 जनवरी 2022 को कै. चम्पालालजी गुगले की स्मृति में नीलू फुले बहुद्देश्यीय सभागृह, सांगवी में आयोजित 24वें रक्तदान शिविर में 139 रक्तदाताओं ने भागीदारी की। अक्षय ब्लड बैंक, हड़पसर की मेडिकल टीम द्वारा सम्पन्न इस शिविर में कोरोना के समस्त नियमों का पालन करते हुए सबके स्वास्थ्य व शारीरिक दूरी का विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम में नगरसेविका शारदा देवी सोनावणे सहित अनेक गणमान्यजनों ने सेवाएं प्रदान की व रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। सांगवी परिसर महेश मंडल के अध्यक्ष सतीश लोहिया ने आभार व्यक्त किया।

सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव ने दिया डिविडेंड

बैंगलौर। गत 12 दिसम्बर को माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव लिमिटेड एमएससीसीएल की आम सभा माहेश्वरी भवन में आयोजित की गई। अध्यक्ष सुरेश कुमार लखोटिया, उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा, निवर्तमान अध्यक्ष नंदकिशोर मालू, निदेशक महेशचंद रांदड़, ओम प्रकाश लड्ढा, श्रीराम चांडक, विष्णुकांत जाजू, निर्मला कांकानी, सुलोचना जाजू, रमेशचंद्र लाहोटी तथा सोसायटी के सीईओ सी.जी. शिव कुमार के साथ माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष निर्मल तापड़िया ने दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। अध्यक्ष श्री लखोटिया ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि जब वह माहेश्वरी सभा बेंगलुरु के अध्यक्ष थे तब वर्ष 2013 से 15 के दरमियान और माहेश्वरी सभा की 40 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में एमएससीसीएल का गठन माहेश्वरी सभा ने किया था और वर्ष 2016-17 में इसका विधिवत उद्घाटन किया गया था। आज उसके प्रतिफल स्वरूप एमएससीसीएल अपने प्रथम 5 वर्ष पूर्ण होने पर 20 करोड़ के टर्नओवर के साथ वर्ष 2021-22 के अर्धवार्षिक ऑडिटेड बैलेंस शीट में लगभग 35 लाख के प्रॉफिट के साथ आगे बढ़ रही है। निवर्तमान एवं एडवाइजरी बोर्ड के चेयरमैन नंदकिशोर मालु ने निवर्तमान निदेशक चंद्रप्रकाश मालपानी, ओमप्रकाश मंत्री, कमिटी मेंबर जगदीश गिलड़ा, सुनील मूंदड़ा एवं गोपाल राठी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। एडवाइजरी बोर्ड के चेयरमैन नंदकिशोर मालू ने वार्षिक आमदनी को अनेक मदों में वितरित करने का प्रस्ताव सदन में रखा तथा सोसाइटी के 5 वर्षों में पहली बार सभी शेयरधारकों को 5% डिविडेंड देने का प्रस्ताव सदन में रखा जिसे सभी शेयरधारकों ने अपना समर्थन प्रदान किया।

संक्रांति मिलन समारोह का हुआ आयोजन

उज्जैन। मकर संक्रांति के अवसर पर श्री माहेश्वरी सभा महिला मंडल गोलामंडी द्वारा नववर्ष 2022 मिलन समारोह एवं एक दिवसीय धार्मिक यात्रा का आयोजन देपालपुर में चौबीस अवतार के भव्य मंदिर के दर्शन का लाभ लेते हुए किया गया। इसमें सदस्याओं ने हल्दी-कुमकुम लगाकर एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। संस्था अध्यक्ष हेमलता गाँधी एवं सचिव मनोरमा मंडोवरा ने अपनी-अपनी ओर से मंडल की सदस्याओं को उपहार भेंट किए। सदस्याओं द्वारा मंदिर के बटुको एवं ब्राह्मणों को भोजन प्रसादी करवाई गई, तत्पश्चात मनोरंजक गेम खिलाये गयें। इस मौके पर शांता मंडोवरा, गीता तोतला, सुधा बाहेती, पुष्पा मंत्री, शांता सोडानी, उषा सोडानी, संगीता भूतड़ा, निर्मला देवपुरा, ज्योति राठी, सीमा परवाल, आरती सोडानी, ममता बांगड़, निशा मूंदडा आदि उपस्थित थीं।

हंसिका को गीताव्रती उपाधि

जोगबनी। माहेश्वरी सभा सदस्य राज किशोर काबरा की पोती हंसिका काबरा 9 साल की उम्र में गीताव्रती की उपाधि प्राप्त कर समाज के बच्चों के लिये प्रेरणा बन गई। उनके पिता मनोज एवं माता दीपा काबरा ने बताया कि लखनऊ के गीता परिवार द्वारा ऑनलाइन गीता पाठ सिखाया जा रहा था। हंसिका वर्ष 2020 से गीता उच्चारण सीख रही थी। 16 जनवरी को उसने गीताव्रती ऑनलाइन परीक्षा 600 में से 530 अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण कर ली। इस ऑनलाइन परीक्षा में आंख बंद करके बोलना पड़ता है और गीता के 18 अध्याय को कंठस्त करना पड़ता है। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

कोरोना संक्रमितों को निःशुल्क भोजन

उज्जैन। कोरोना काल की पहली लहर से शुरू हुई श्री महाकाल रसोई फिर से शुरू होने लगी है। इसमें तीसरी लहर में उन मरीजों को खाना दिया जाएगा जो कि कोरोना से संक्रमित हैं और होम आइसोलेट हैं। मरीज या उनके परिवार के सदस्य खाना मंगवा सकेंगे। इसका संचालन रूपाबाई मोहनलाल तोतला की प्रेरणा से किया जा रहा है। इसमें ओमिक्रॉन या अन्य कोरोना से संक्रमित जरूरतमंद परिवारों के लिए सुबह-रात दोनों समय का निःशुल्क भोजन उनके घर पहुंचाया जाएगा। पूर्व निगम सभापति व वरिष्ठ समाजसेवी प्रकाश चित्तौड़ा ने बताया कि श्री मुरलीधर-लक्ष्मीनारायण तोतला की ओर से यह सेवा शुरू की गई थी।

माँ-बाप के साथ आपका सुलूक वो कहानी है, जिसे आप लिखते हैं और आपकी संतान आपको पढ़कर सुनाती है।

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सम्पन्न

उज्जैन। माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं जाँच शिविर का आयोजन पश्चिमी मध्यप्रदेश के तीनों शीर्ष संगठन सभा, महिला एवं युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। शिविर 2 जनवरी 2022 को टावरचौक के सामने साबू चिकित्सालय पर सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक आयोजित हुआ। इस अवसर पर डॉ. सुधा साबू, डॉ. हेमंत मंडोवरा, डॉ. मनोज माहेश्वरी, डॉ. योगेश शाक्य एवं डॉ. सोनल सोमानी ने अपनी सेवाएँ दी। इस अवसर पर आकस्मिक चिकित्सा भी उपलब्ध थी। 100 लोगों ने इस शिविर का लाभ उठाया। इसके अतिरिक्त सोडानी डायग्नोस्टिक सेंटर पर जाँच शुल्क पर 30% की छूट संगठन का कार्ड दिखाने पर 12 जनवरी तक दी जाएगी। कार्यक्रम संयोजिका उज्जैन माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष हेमलता गांधी एवं रेखा लड्ढा के साथ कार्यक्रम में विशेष रूप से राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य गीता तोतला, मप्र माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष वीना सोमानी, सचिव उषा सोड़ानी, उज्जैन ज़िला अध्यक्ष महेश लड्ढा, सभा अध्यक्ष भूपेन्द्र भूतड़ा, सुरेश काकाणी, सचिव कैलाश राठी एवं भूपेन्द्र जाजू आदि उपस्थित रहे। संगठन की कई सदस्याओं के सहयोग से कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। उक्त जानकारी संगठन की सचिव उषा भट्टर एवं मनोरमा मंडोवरा ने दी ।

मकर संक्रांति पर कन्यादान सहयोग

मथुरा। सूर्य उपासना के पर्व मकर संक्रांति के अवसर पर माहेश्वरी समाज की कन्या के विवाह हेतु महिला मंडल मथुरा द्वारा 46100/- रुपये की नकद धन राशि प्रदान की गई। कन्यादान का यह पावन कार्य मंडल की सदस्याओं की सहभागिता से संभव हो सका। इस कार्य के लिए अध्यक्षा कविता माहेश्वरी के निवास स्थान पर मंडल की शालिनी माहेश्वरी, शिप्रा राठी, लता माहेश्वरी, रचना भूराड़िया सहित समस्त सदस्याऐं कोविड नियमों के पालन के साथ उपस्थित रहीं। सचिव प्रिया माहेश्वरी ने सभी सहयोगी सदस्याओं के प्रति आभार प्रेषित किया।

सेवा से नववर्ष का स्वागत

खरगोन। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा नया साल स्मिता बियानी के घर पर मनाया गया। इसमें समाजसेवा अंतर्गत गरीब बच्चों को ड्रेस और किताबें व पेन बांटे गए। अध्यक्ष अलका सोमानी, उषा सोमानी, जानकी खटोड़, उषा सिंगी, उमा सोमानी, अमिता खटोड़, कांता फोफलिया, निशा भट्टड़, पुष्पा जाजू, आशा मण्डोरा, सुमन खटोड़, नेहा सिंगी आदि उपस्थित थे।

भोजन सामग्री का किया वितरण

बिराटनगर (नेपाल)। माहेश्वरी युवा मंच ने मकर संक्रांति के विशेष उपलक्ष्य में मानव सेवा आश्रम, तीनटोलियों बस्ती में जाकर भोजन एवं सामान वितरण किया। अध्यक्ष जतिन राठी ने बताया कि सामान मे ऊन के मौजे, टोपी, बेड शीट, साबुन, मुड़ी आदि सामग्री शामिल थीं। युवा संगठन के नेपाल राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक राठी एवं मंच के सदस्य अजय राठी, अमित सारडा, अमिताभ माहेश्वरी, अंकित मारु, नीतेश सारडा आदि युवा साथी मौजूद थे।

नववर्ष का कैलेन्डर विमोचित

शाजापुर। वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश के सन 2022 के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष दिनेश जैन कलेक्टर के कर कमलों द्वारा हुआ। जिला अध्यक्ष कमल नारायण माहेश्वरी, महिला जिला अध्यक्ष गायत्री विजयवर्गीय, मंत्री जगदीश माहेश्वरी, गुलाब गुप्ता, अमृतलाल गुप्ता आदि उपस्थित थे

पतंग सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन

नागपुर। ज्योति महिला मंडल महल नागपुर द्वारा संक्रांति उत्सव 2022 के अंतर्गत आनलाइन पतंग सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। देश के विभिन्न शहरों से अधिक से अधिक प्रतियोगियो ने भाग लेकर अपनी कलात्मकता से इस कार्यक्रम को सफल बनाया। अध्यक्ष अर्चना बिंझानी ने बताया कि प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका शीतल मुंधडा व आभा सारड़ा ने निभाई। प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान पर रोशनी माहेश्वरी सावनेर, द्वितीय मीनाक्षी चांडक भोपाल तथा तृतीय हेमा चांडक भोपाल रहीं। सचिव स्वाती सांवल ने सभी का आभार प्रदर्शन किया।

पुण्य स्मृति में किराना वितरण

अमरावती। माहेश्वरी आधार समिति स्व. श्री घनश्यामदास कासट द्वारा माहेश्वरी समाज के अत्यल्प आय वाले जरूरतमंद, वृद्धजन, विधवा आदि के सहायतार्थ सात वर्ष पूर्व गठित स्थानीय संस्था है। श्रीमती सरलादेवी लोहिया के अकस्मात निधन पश्चात उनके परिवार के डॉ. सत्यनारायण लोहिया विगत 6 वर्षों से हर वर्ष करीब साठ हजार की राशि समिति को प्रदान करते हैं। इस राशि से माहेश्वरी आधार समिति अमरावती एवं लोहिया परिवार के संयुक्त तत्वावधान में स्व. सरलादेवी की स्मृति में हर वर्ष जरूरतमंद माहेश्वरी परिवार को किराना वितरित किया जाता है। इस वर्ष कोरोना के कारण कार्यक्रम का आयोजन न करते हुये सुविधाजनक माध्यम से हर परिवार को 1000 रुपए का किराना वितरित किया गया। इसमें डॉ. सत्यनारायण लोहिया, दीपक लढ्ढा श्याम सुंदर परताणी, वंदना परतानी सहित नितिन कुमार राठी आदि का प्रमुख योगदान रहा। संस्थाध्यक्ष राजेश कासट, सचिव बंकटलाल राठी, सदस्य ओमप्रकाश कासट, अमरकुमार करवा, रमेशचंद्र दम्माणी, श्रवणकुमार राठी, हरनारायण लढ्ढा आदि उपस्थित थे।

अध्यात्म

भक्ति एक शक्ति

रोहित सोमानी, इंदौर

भक्ति, एक शक्ति है
भक्ति में बल है
भक्ति, आशीर्वाद देती है
भक्ति, आशीर्वाद के योग्य बनाती हैं
भक्ति, भगवत-कृपा लाती है

भक्ति, **कर्म** की प्रेरणा देती है
भक्ति, लक्ष्य के प्रति केन्द्रित करती है
भक्ति, भय को दूर करती है
भक्ति, मस्तिष्क की चैतन्य अवस्था है

भक्ति में **आनन्द** है, **प्रसन्नता** है
किसी का अहित किए बग़ैर,
किसी से कुछ चाहे बग़ैर,
निर्मल आनन्द सहित,
सदैव प्रसन्न रहना सिखाती

भक्ति पाना है आसान
शुद्ध मन से, सात्विक अंतःकरण से,
ईश्वर की चाह और नाम स्मरण में
प्रसन्नता के साथ **सीताराम** लेखन
कीर्तन लेकिन **निश्चिंती** के साथ.

उत्तम स्वास्थ्य की कारक है भक्ति,
तनाव और चिन्ता को दूर भगाती,
उत्तम दिमागी निर्णय लेने में सहयोगी,
पूर्ण फलदायी है भक्ति

भक्ति में है जीवन की सफलता,
लेकिन सरलता के साथ
श्रेष्ठ मूल्यों को स्थापित करती भक्ति

श्री रामचरितमानस में श्री तुलसीदास जी लिख गए :-

जे सकाम नर, सुनहिं जे गावहिं
सुख सम्पत्ति, नाना विधि पावहिं

अर्थात् जो व्यक्ति कीर्तन को सुनता है,
लिखता है या गाता है, उसे विविध तरीकों से,
नाना प्रकारों से, सुख संपत्ति की प्राप्ति होती है

स्वाति मानधना सम्मानित

बालोतरा। जिला मुख्यालय पर गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह के दौरान स्वाति मानधना को सम्मानित किया गया। आदर्श स्टेडियम बाड़मेर में आयोजित इस कार्यक्रम में बाड़मेर जिला कलेक्टर लोक बंधु व मुख्य अतिथि हेमाराम चौधरी वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। स्वाति बालोतरा से सम्मानित होने वाली प्रथम माहेश्वरी महिला हैं।

हमेशा जिंदगी में ऐसे लोगों को पसंद करो जिनका दिल चेहरे से ज्यादा खूबसूरत हो।

श्री माहेश्वरी टाईम्स के स्वामित्व के बारे में जानकारी देखें

नियम - 4

प्रकाशक का नाम	श्री माहेश्वरी टाईम्स (मासिक)
भाषा	हिन्दी
प्रकाशन की अवधि	2 तारीख (हर माह की अंग्रेजी)
प्रकाशक का नाम	सरिता बाहेती
मुद्रक का नाम	सरिता बाहेती
संपादक का नाम	पुष्कर बाहेती
क्या भारत का नागरिक है?	हाँ
मुद्रक	ऋषि ऑफसेट, गोलामंडी, उज्जैन (म.प्र.)
प्रकाशन का स्थान	ऋषि ऑफसेट, गोलामंडी, उज्जैन (म.प्र.)

उन व्यक्तियों के नाम व पते जो सरिता बाहेती समाचार पत्र के स्वामी हो तथा पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के हिस्सेदार हो।

मैं सरिता बाहेती एतद् द्वारा घोषित करती हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य है।

महेश भवन मे हुआ ध्वजारोहण

देवघर। माहेश्वरी सभा एव महिला संगठन द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय माहेश्वरी भवन में ध्वजारोहण कार्यक्रम किया गया। प्रदेश सह मीडिया प्रभारी राजकुमार लढ़ा ने बताया कि विजय नेवर द्वारा तिरंगा फहराया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा इंदु मूंदड़ा, गीता नेवर, रंजना मुन्दड़ा, सुनीता नेवर, सीमा मूंदड़ा, पूजा मूंदड़ा, स्नेहा मूंदड़ा, माहेश्वरी सभा के सचिव प्रेम डागा, विनोद नेवर, शिवप्रसाद मूंदड़ा आदि उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस पर किया ध्वजारोहण

वरंगल। स्थानीय प्रगतिशील मारवाड़ी समाज भवन में 73वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य मे महेश कला समिति के तत्वावधान में समाज के भवन में ध्वजारोहण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रगतिशील मारवाडी समाज के अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदड़ा एवं समाज के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के गणमान्य सदस्य एवं समिति के सदस्य उपस्थित हुए। कला समिति के अध्यक्ष नवलकिशोर मुंदडा ने अध्यक्षता की। समिति के मंत्री रामकिशोर मनियार ने उक्त जानकारी दी।

उपलब्धि

श्रेयांश राठी को सुयश

रायपुर। महासभा के कार्यालय मंत्री नारायण राठी के सुपुत्र सीए श्रेयांश राठी ने CFA (US) Level 2 परीक्षा में सफलता प्राप्त कर समाज का गौरव बढ़ाया।

पंकज बने सीए

जयपुर। स्व.श्री सामनदास पनपालिया एवं रूकमणी पनपालिया के दोहित्र तथा भारती माहेश्वरी के सुपुत्र पंकज माहेश्वरी ने सीए अंतिम वर्ष की परीक्षा ऑल इंडिया 45वीं रैंक के साथ प्रथम प्रयास में 19 वर्ष की उम्र में उत्तीर्ण की।

कमर्शियल प्रिंटिंग हो या फिर सिक्योरिटी प्रिंटिंग अथवा पेपर प्रोडक्ट्स का निर्माण जब भी इस क्षेत्र की बात चलती है, तो देश के शीर्ष उद्योग के रूप में ओरिएंट प्रेस लि. का जिक्र उद्योग जगत में हर किसी की जुबान पर रहता है। माहेश्वरी हमेशा हर क्षेत्र में शिखर पर रहे हैं, तो इस उद्योग द्वारा भी कागज की दुनिया के ''इंडिया स्टार'' का सम्मान दिलाने वाले भी माहेश्वरी ही हैं, मुंबई निवासी पैकेजिंग क्षेत्र के ''पायोनियर'' रामविलास हुरकट। उद्यम के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदानों के लिये आपको ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2021'' अवार्ड प्रदान करते हुए श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार गौरवान्वित महसूस करता है।

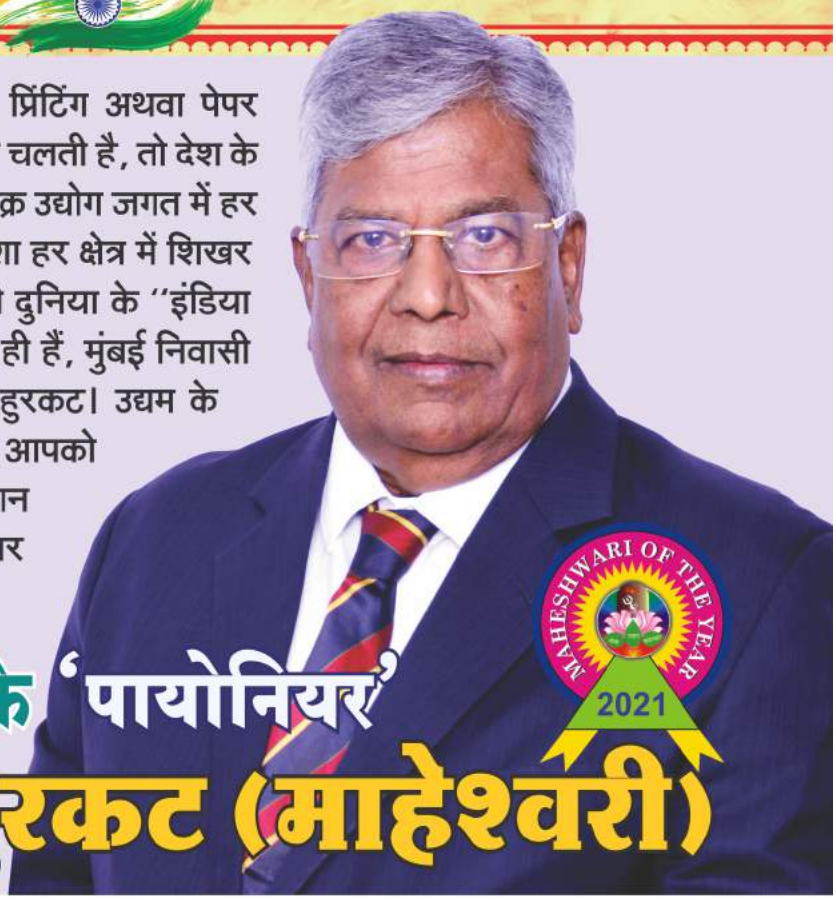

प्रिंटिंग व पैकेजिंग के 'पायोनियर' रामविलास हुरकट (माहेश्वरी)

ओरिएण्ट प्रेस लि. कम्पनी बी.एस.ई. तथा एन.एस.ई.में लिस्टेड ऐसी शीर्ष पब्लिक लिमिटेड कम्पनी है, जो कमर्शियल तथा सिक्योरिटी प्रिंटिंग से प्रमुख रूप से सम्बद्ध है, साथ ही फ्लेक्सिबल पेकेजिंग मटेरियल तथा पेपर बोर्ड कॉर्टन उत्पादन के क्षेत्र में भी प्रतिष्ठित नाम बन चुकी है। वर्तमान में देश की टॉप-10 प्रतिष्ठित कम्पनियों में शामिल यह कम्पनी पेकेजिंग क्षेत्र के ''इंडिया स्टार'' तथा ''बेस्ट पैकेजिंग कन्वर्टर ऑफ द ईयर'' आदि कई अवार्ड भी प्राप्त कर चुकी है। कम्पनी का मुम्बई में कार्पोरेट ऑफिस है, तो उसकी उत्पादन ईकाइयाँ महाराष्ट्र, केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नागर हवेली तथा ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.) आदि में कई स्थानों पर स्थापित है। वर्तमान वर्ष में कम्पनी रामविलास हुरकट (माहेश्वरी) की चेयरमेनशीप में 250 करोड़ के टर्नओवर के लक्ष्य को लेकर चल रही है। इसी प्रकार प्रिंटिंग क्षेत्र की अग्रणी ट्रेड मैगज़ीन प्रिंट वीक ने जब देश के 100 बड़े प्रिंटिंग क्षेत्र के दिग्गजों को अपनी पत्रिका में स्थान दिया तो राम विलास हुरकट और उनके द्वारा स्थापित ओरिएंट प्रिंटिंग प्रेस इस क्षेत्र में देश के शीर्ष प्रिंटिंग अग्रदूतों (पायनियर्स) में 21वें स्थान पर थे।

छोटे से व्यवसाय से वटवृक्ष की यात्रा

श्री हुरकट का जन्म 28 अप्रैल 1946 को राजस्थान के छोटे से गाँव तोशिना (नागौर) में स्व. श्री शंकरलाल व श्रीमती रामेश्वरी देवी हुरकट के यहाँ हुआ था। पिताजी हैदराबाद में नौकरी करते थे लेकिन श्री हुरकट के सपने बड़े थे। बस इन्हीं सपनों ने उन्हें उच्च शिक्षा की ओर प्रेरित किया। आपने हैदराबाद की उस्मानिया युनिवर्सिटी से बी.कॉम. की स्नातक उपाधि प्राप्त की और फिर अपने सपनों को साकार करने 21 वर्ष की उम्र में मुंबई चले गये। जब आप 25 वर्ष की उस अवस्था में थे और कैरियर के लिये अपनी पूरी उर्जा लगा सकते थे ऐसी स्थिति में पिता श्री का साया सिर से उठ गया। ऐसे में पूरे परिवार को हैदराबाद से मुम्बई ले आये और फिर पूरे परिवार की जिम्मेदारी सम्भालना पड़ी। इन सबके बावजूद हुरकट ने हार नहीं मानी और प्रिंटिंग व्यवसाय द्वारा अपने व्यवसायी साम्राज्य की नींव रख ही दी। शुरुआत तो छोटे से व्यवसाय के रूप में हुई लेकिन फिर यह कई क्षेत्रों में विस्तारित होते हुए वटवृक्ष की तरह स्थापित होता चला गया। आज देश के शीर्ष 10 उद्यमों में तो यह प्रतिष्ठित है ही साथ ही सिक्युरिटी व कमर्शियल प्रिंटिंग के क्षेत्र में देश में विश्वास तथा उत्कृष्टता का पर्याय भी बन चुका है। समय के साथ-साथ कंपनी ने कार्यक्षेत्र का विस्तार करते हुए पैकेजिंग मटेरियल व पेपर बोर्ड कार्टन उत्पादन क्षेत्र में कदम रखा और इस क्षेत्र के प्रतिष्ठित 'इंडिया स्टार' तथा ''बेस्ट पैकेजिंग कनवर्टर ऑफ़ दी ईयर'' आदि अवार्ड हासिल किये हैं।

समाज सेवा का पर्याय बना हुरकट ट्रस्ट

व्यावसायिक उन्नति तभी सार्थक है जब इसका लाभ समाज को भी मिले। ओरिएंट के माध्यम से असंख्य लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के अलावा सामाजिक मोर्चे पर भी श्री हुरकट ने अपनी छाप छोड़ी है। 1987 में आपने रामेश्वरी देवी शंकरलाल हुरकट चेरिटेबल ट्रस्ट का

भारत विकास परिषद् द्वारा आयोजित अखिल भारतीय संस्कृति समूह गायन कार्यक्रम में महाराष्ट्र के तत्कालीन राज्यपाल सी विद्यासागर राव के साथ

महावीर प्रसाद तापडिया को परमार्थ रत्न अवार्ड समारोह में पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित करते हुए राम विलास हुरकट

आवास पर राधाकृष्णजी महाराज का अभिवादन करते श्री हुरकट

रामेश्वरी देवी शकरलाल हुरकट चैरिटेबल पोलीक्लीनिक के उद्घाटन के असवर पर महाराष्ट्र की तत्कालीन मंत्री विद्या ठाकुर के साथ

कोरोना काल में विभिन्न सामाजिक सेवाओं के लिए महाराष्ट्र के वर्तमान राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के आमंत्रण पर राजभवन में महामहिम के साथ

गठन कर समाजसेवा के क्षेत्र में कदम रखा और इस ट्रस्ट के बैनर तले राजस्थान में चार गेस्ट हाउस और एक अस्पताल बनाकर समाज की सेवा में अपना योगदान दिया। वर्ष 1995 में सालासर के प्रसिद्ध सालासर हनुमान मन्दिर के पास श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए सेठ शंकरलाल हुरकट गेस्ट हाउस का निर्माण कराया। अपने पैतृक गाँव तोशिना में भी एक गेस्ट हाउस व हनुमानजी का एक मन्दिर बनवाया जिसका लोकार्पण बालव्यास श्री राधाकृष्णजी महाराज द्वारा 26 अप्रैल 2012 को किया गया। नागौर के ही खियाला में राम मन्दिर का जीर्णोद्धार व असावा गेस्ट हाउस का निर्माण समाज की सुविधा के लिए कराया। नागौर के ही तुकलिया गाँव में हुरकट परिवार की कुलदेवी विशाथ माता का मन्दिर स्थित है। 2018 में आपने कुलदेवी के दर्शनार्थ आने वाले हुरकट परिवारों के सेवार्थ गेस्ट हाउस का निर्माण कराया। इसके साथ भारत में पहली बार करीब चार सौ हुरकट परिवारों को हुरकट सम्मेलन के माध्यम से एक मंच पर लाने का श्रेय भी आपके नाम है। आपके मार्गदर्शन में अखिल भारतीय स्तर की पहली हुरकट डायरेक्टरी भी प्रकाशित की गई। निकट भविष्य में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली मेधावी छात्राओं के लिए महिला छात्रावास बनाने की योजना पर काम जारी है जिसके लिए गोरेगांव से कांदिवली के बीच जमीन की तलाश जारी है।

समाज सेवा में सतत योगदान

पारिवारिक ट्रस्ट के अलावा भी विभिन्न सामाजिक, सांस्कतिक, साहित्यिक व धार्मिक संस्थाओं से जुडकर आप समाज सेवा में अपना सक्रिय योगदान दे रहे हैं। प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान में अपना निजी योगदान देकर जरुरतमंदों को निःशुल्क शौचालय बनवाकर दिए हैं। सालासर प्रचार मंडल (मुंबई), सालासर विकास समिति सालासर (राजस्थान), श्री कृष्ण गौशाला तोशिना, ए.बी. माहेश्वरी एजूकेशनल ट्रस्ट (जेसीकेएम हॉस्टल दिल्ली), अखिल भारतीय माहेश्वरी एजूकेशनल एवं चेरिटेबल ट्रस्ट (मोदी हॉस्टल, कोटा), बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केंद्र भीलवाड़ा, श्रीकृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट भीलवाडा, ए.बी.एम. माहेश्वरी एजूकेशनल ट्रस्ट (बॉम्बे-सोनी हॉस्टल), आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र जैसी अनेक प्रतिष्ठित संस्थाओं से जुड़कर विभिन्न क्षेत्रों में आप योगदान दे रहे हैं। मुंबई की अग्रणी सामाजिक संस्था परमार्थ सेवा समिति के संस्थापक ट्रस्टी व जॉइंट चेयरमैन, माहेश्वरी प्रगति मंडल (मुंबई) के ट्रस्ट बोर्ड सदस्य, भारत विकास समिति फिल्म सिटी शाखा गोरेगांव के संरक्षक, वनवासी समाज के उत्थान को समर्पित श्री हरि सत्संग समिति मुंबई के आजीवन सदस्य हैं। भारत विकास परिषद् महाराष्ट्र की मुम्बई कोस्टल शाखा द्वारा आपकी सेवाओं के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया है।

जीवन रक्षा में भी सतत सहयोग

श्री हुरकट यद्यपि समाजसेवा के विभिन्न आयामों में आपकी सक्रिय भागीदारी रहती है तथापि स्वास्थ्य क्षेत्र में जरुरतमंदों की मदद हो सके यह भी हुरकटजी की प्राथमिकता रही है। इसलिये अपने जन्मस्थल तोशिना में पिता स्व. श्री शंकरलाल हुरकट की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्पताल का निर्माण करवाकर नगरवासियों व आसपास के गाँववासियों के हितार्थ वर्ष 1997 में राजस्थान सरकार को सौंप दिया। इधर मुंबई में परमार्थ सेवा समिति के बैनरतले मालाड (प.) स्थित महेशनगर में रामेश्वरी देवी शंकरलाल हुरकट चेरिटेबल ट्रस्ट पोलीक्लिनिक की स्थापना सामान्य जनता के लिए की जो क्षेत्र में सबसे सस्ते इलाज के लिए मशहूर है। यहाँ नाम मात्र के शुल्क पर मेडिकल जाँच व दवाएं जरुरतमंदों को दी जाती हैं। मुंबई में कैंसर रोगियों के लिए इलाज तो उपलब्ध है मगर उनके ठहरने के लिए जगह की अब भी कमी है। इस कमी को दूर करने के लिये परमार्थ सेवा समिति के जरिये टाटा कैंसर अस्पताल से कुछ दूरी पर ही एक गेस्ट हाउस का निर्माण किया गया जिसका प्रबंधन आपके द्वारा किया जा रहा है। फ़िलहाल 60 शायिकाओं की व्यवस्था इस गेस्ट हाउस में है, साथ ही मरीज और उसके साथी के नाश्ते, भोजन आदि की भी व्यवस्था नाम मात्र के शुल्क पर की जा रही है। इस गेस्ट हाउस के विस्तार की योजना पर आपका ध्यान है

राकेश झुनझुनवाला के साथ 'परमार्थ' के दीपावली सम्मेलन में

छोटे भाई राजाराम हुरकट के साथ

और इसी के तहत एक एप का निर्माण जल्द ही किया जा रहा है जिसके जरिये पूरे देश से जरुरतमंद कैंसर रोगी संपर्क कर सकेंगे। मुंबई में उन्हें स्टेशन से अस्पताल तक पहुँचाने और रजिस्ट्रेशन कराने की भी व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा उन्हें दवाएं भी उपलब्ध कराने में मदद की जाएगी। आप कोणार्क कैंसर फाउंडेशन के भी सक्रिय सदस्य हैं।

मानवता की सेवा में ''मुक्तहस्त''

श्री हुरकट ने व्यक्तिगत स्तर पर भी जरूरतमंदों के सहयोग में कोई कसर नहीं रख छोड़ी। यही कारण है कि हर कोई उनके योगदानों की सराहना में पीछे नहीं रहता। परमार्थ सेवा समिति के 30 अक्टूबर 2021 को आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह में मुख्य अतिथि मथुरा सांसद व अभिनेत्री हेमा मालिनी सहित मुंबई उपनगर कलेक्टर निधि चौधरी ने भी आपके योगदानों की सराहना की। सुश्री चौधरी ने तो अपना व्यक्तिगत अनुभव ही कह सुनाया कि उन्हें उनके पैतृक ग्राम में 10-12 ऐसी बालिकाऐं दिखीं जो खेल के क्षेत्र में राज्य या राष्ट्र स्तर पर उपलब्धि हासिल कर सकती है। अनायास ही एक भेंट में उन्होंने इसका जिक्र श्री हुरकट के सामने कर दिया। तो श्री हुरकट ने उनके लिये उनके स्कूल में 10 लाख रुपये की लागत से खेल उपकरण स्थापित करके ही चेन लिया। श्री हुरकट के मानवता की सेवा के इस अभियान में उनका परिवार भी उनके साथ है।

पूरा परिवार ''साथ-साथ''

श्री हुरकट दिसंबर 1965 में शांताजी के साथ परिणय सूत्र में बंधे और तीन पुत्रों के पिता बने। राम विलासजी अपनी सफलता में अपने छोटे भाई राजाराम हुरकट की भूमिका को भी बहुत महत्वपूर्ण मानते हैं। व्यवसाय के विस्तार में राजारामजी अपने बड़े भाई के साथ एक प्रबल सहयोगी की भूमिका में रहे और अब भी उसी भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। आज जब भौतिकतावाद की चपेट में परिवार संस्था दिन पर दिन छोटी होती जा रही है, ऐसे में श्री हुरकट एक आदर्श कहे जा सकते हैं जो अब भी पूरे परिवार को एक साथ रखे हुए हैं। संयुक्त परिवार का आदर्श अगर देखना हो तो रामविलासजी का घर अवश्य देखना चाहिए जहाँ दोनों भाइयों के परिवार, पुत्र-पुत्रवधु, पौत्र-पौत्री सभी एक साथ रहते हैं। ''हम साथ-साथ हैं'' का मुहावरा इस घर में सार्थक सिद्ध होता है।

धर्मपत्नी शांताजी के साथ

परिवार के साथ

गत 31 अगस्त 2021 को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने मुरैना (म.प्र.) के सपूत न्यायमूर्ति जितेंद्र माहेश्वरी न्यायिक सेवा क्षेत्र की वह विभूति हैं, जिन्होंने अपने सेवा काल में इस क्षेत्र का कायाकल्प करने में कोई कसर नहीं रख छोड़ी। आपको आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय का प्रथम मुख्य न्यायाधीश बनने का गौरव तो प्राप्त है ही, साथ ही आपकी ख्याति द्रूतगति से सटीक न्याय करने वाले न्यायाधीश के रूप में भी रही है। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार आपकी इन विशिष्ट सेवाओं को नमन करते हुए आपको 'माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2021' अवार्ड समर्पित करते हुए गौरवान्वित महसूस करता है।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश

न्यायमूर्ति जितेन्द्र माहेश्वरी

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में माहेश्वरी समाज को गौरवान्वित कर रहे न्यायमूर्ति जितेंद्र माहेश्वरी न सिर्फ समाज अपितु न्यायिक सेवा क्षेत्र के वह नक्षत्र हैं, जिन्होंने इस क्षेत्र का कायाकल्प करने में भी कोई कसर नहीं रख छोड़ी। आपने वर्ष 1985 से 2005 तक हाइकोर्ट म.प्र. के वरिष्ठ एडवोकेट के रूप में सेवा दी और इस क्षेत्र में भी नये कीर्तिमान स्थापित किये। आपकी न्यायिक सेवा की शुरुआत 25 नवम्बर 2005 को म.प्र. उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में हुई थी, लेकिन फिर सफलता के कई पड़ावों को पार करते हुए आगे चलती ही चली गई। वर्ष 2008 से म.प्र. उच्च न्यायालय में स्थायी रूप से न्यायाधीश के रूप में सेवा देने के पश्चात् 7 अक्टूबर 2019 से 5 जनवरी 2021 तक आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रहे। 6 जनवरी 2021 को सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बने और 31 अगस्त 2021 को देश के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश निर्वाचित होकर सतत सेवा दे रहे हैं।

छोटे से कस्बे में लिया जन्म

कहते हैं कि यदि मन में जुनून हो तो विपरीत परिस्थितियाँ भी बाधा बनने के स्थान पर नतमस्तक हो जाती है। ये पंक्तियाँ न्यायमूर्ति श्री

माहेश्वरी पर शत-प्रतिशत खरी उतरती हैं। आपका जन्म जिला मुरैना (म.प्र.) के छोटे से कस्बे जौरा में स्व. श्री सूरजमलजी-श्रीमती मोहन प्यारी देवी माहेश्वरी के यहाँ हुआ था। पिता श्री सूरजमल माहेश्वरी जौरा में दस्तावेज लेखक तो थे ही साथ ही उन्हे कानून का भी विशेष ज्ञान था। आपके बड़े भाई स्व.श्री कौशल माहेश्वरी जौरा में एडवोकेट एवं नगर पालिका अध्यक्ष भी रह चुके हैं। दूसरे भाई भी मुरैना में एडवोकेट हैं एवं तीसरे भाई डॉ. रवि माहेश्वरी जौरा में शासकीय चिकित्सक हैं। इस तरह आपका परिवार न्यायक्षेत्र से सदैव जुड़ा रहा है। अतः जज बनने का सपना पिता व परिवार से श्री माहेश्वरी को विरासत में ही मिला। मुरैना से 1982 में बी.ए. (ऑनर्स) तथा 1985 में एल.एल.बी. करने के पश्चात वर्ष 1991 में जीवाजी वि.वि. ग्वालियर से एल.एल.एम. किया। कानून में महारथ हासिल करने की यह यात्रा यहाँ भी नहीं थमी, बल्कि अपने ''मेडिकल मेल प्रेक्टिस इन रिफ्रेंस टू द स्टेट ऑफ एम.पी.'' विषय पर प्रस्तुत शोध प्रबंध पर पीएच.डी. कर रहें हैं। श्री माहेश्वरी ने 22 नवम्बर 1985 से एडवोकेट के रूप में म.प्र. बार कौंसिल के अंतर्गत प्रेक्टिस प्रारम्भ कर दी। केट तथा प्रदेश की अन्य ट्रिब्युनलों तथा म.प्र. उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ, मुख्य पीठ जबलपुर एवं सर्वोच्च न्यायालय में पैरवी की। वर्ष 2002 में आप ग्वालियर बैंच की अनुशासन समिति के चेयरमैन निर्वाचित हुए तथा इसके पश्चात् कई समितियों में महत्वपूर्ण सेवा दी।

म.प्र. में लिखा सेवा का इतिहास

श्री माहेश्वरी 25 नवम्बर 2005 को म.प्र. उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश चयनित हुए तथा 25 नवम्बर 2008 में इस पद पर स्थायी हो गये। इसके पश्चात् 6 अक्टूबर 2019 तक म.प्र. उच्च न्यायालय की विभिन्न पीठों में अपनी सेवा देने के साथ ही उच्च न्यायालय द्वारा गठित विभिन्न समितियों के माध्यम से उच्च न्यायालय तथा अधीनस्थ न्यायालयों की सुविधाओं व कार्यप्रणाली के विकास के लिये महत्वपूर्ण कार्य किये। इस पद पर रहते हुए आपने ''बाल संरक्षण तथा उनके अधिकार'' आदि विषयों को लेकर कई महत्वपूर्ण कार्य किये। इस विषय पर आपने प्रदेश व रीजन स्तर पर विभिन्न कांफ्रेंस का आयोजन भी किया। भोपाल स्थित नेशनल ज्यूडिशियल अकादमी द्वारा

आयोजित वेस्ट जोन रिजनल कांफ्रेंस में स्तोत्र वक्ता के रूप में आपने मार्गदर्शन दिया। म.प्र.हाईकोर्ट की जुवेनाईल जस्टिस कमेटी के चेयरमेन के रूप में वर्ष 2018 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिचर्चा में भागीदारी की। इसी प्रकार मद्रास व तमिलनाडु उच्च न्यायालय द्वारा महिला व बच्चों पर आयोजित राष्ट्रीय कांफ्रेंस में भाग लिया। म.प्र. उच्च न्यायालय की ओर से 28-30 मई 2018 तक युनेस्को हाऊस पेरिस द्वारा आयोजित "वर्ल्ड कांग्रेस ऑन जस्टिस फॉर चिल्ड्रन" में भी भाग लिया। इसी तरह आप कई कांफ्रेंसों के माध्यम से कानूनविदों तथा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करते रहे हैं। आपके इस कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि इंदौर व ग्वालियर खण्डपीठ तथा मुख्यपीठ जबलपुर सहित हायकोर्ट द्वारा आयोजित विभिन्न लोक अदालतों में आपने 65 हजार से अधिक प्रकरणों का निपटारा कर एक कीर्तिमान बनाया।

आंध्रा हायकोर्ट को बनाया टॉप कोर्ट

श्री माहेश्वरी 7 अक्टूबर 2019 से 5 जनवरी 2021 तक आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रहे। उन्हें आंध्रप्रदेश में सर्वप्रथम स्थापित इस उच्च न्यायालय का प्रथम मुख्य न्यायाधीश बनने का गौरव तो प्राप्त हुआ ही साथ ही इसे पूर्णतः स्थापित करने की चुनौती भी साथ ही मिली। वहाँ मुख्य न्यायाधीश के लिये आवास तक की व्यवस्था नहीं थी। अतः आपने विभिन्न समितियों का निर्माण कर उच्च न्यायालय तथा अधीनस्थ न्यायालयों में सुविधाओं तथा व्यवस्थाओं को दुरूस्त किया। इसके साथ ही उच्च न्यायालयीन सेवा तथा अधीनस्थ न्यायालयीन सेवा के लिये समिति गठित कर नियमों का प्रारूप तय किया, जिससे न्यायालयीन सेवा को गति मिल सके। न्यायालयीन अधिकारियों के खिलाफ लम्बे समय से विभिन्न शिकायतें लम्बित थीं, जिसके निपटारे के लिये "विजिलेंस सेल" का गठन कर लम्बित समस्त शिकायतों का त्वरित निराकरण करवाया।

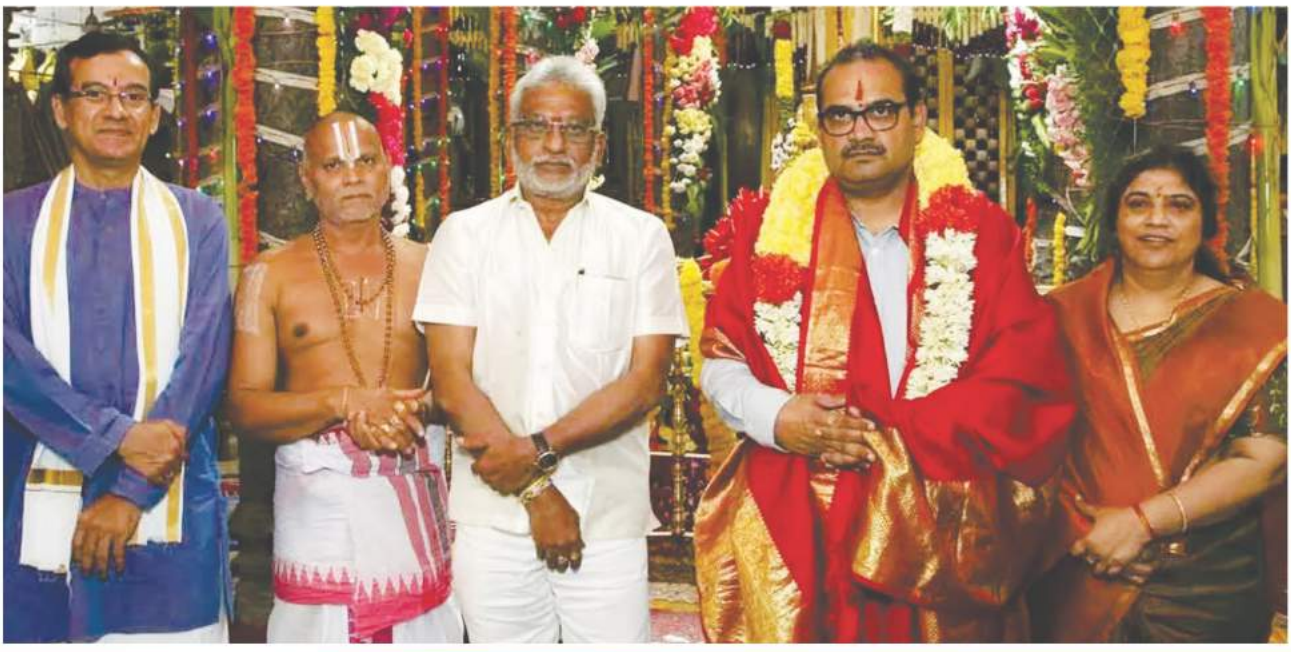

परिवार : बेटा मनु, बेटी दिक्षा, बहु प्रियल एवं पत्नी श्रीमती उमा माहेश्वरी के साथ श्री माहेश्वरी

विशिष्ट सेवा से पाया विशिष्ट सम्मान

श्री माहेश्वरी ने आंध्रा में न्यायालयीन सेवा के सुधार के लिये विशेष कदम उठाये गये। इसी में विभिन्न स्थानों पर ''ग्राम न्यायालयों'' की स्थापना भी शामिल था। इसके पीछे लक्ष्य था, सामान्य प्रकरणों का स्थानीय स्तर पर ही सहमति से तत्काल निराकरण, जिससे सभी को समय पर न्याय मिल सके। स्वयं श्री माहेश्वरी ने मुख्य न्यायाधीश के पद पर रहते हुए मात्र 15 माह के छोटे से कार्यकाल में लगभग 4500 से अधिक प्रकरणों का निराकरण कर एक कीर्तिमान बनाया। आंध्र प्रदेश में ज्यूडिशियल अकादमी तथा न्यायिक सेवा कार्यालय की स्थापना के लिये भी रूपरेखा तय कर दी। सबसे बड़ी चुनौती कोविड-19 की स्थिति में न्यायालयीन सेवा का सुचारू क्रियान्वयन था। इसके लिये आपने हाईकोर्ट व अधीनस्थ न्यायालयों के सम्पूर्ण स्टॉफ के हित में प्रभावी कदम उठाते हुए विभिन्न आदेश तथा एडवाइजरी जारी की। इन स्थितियों को देखते हुए 25 मार्च 2020 को आंध्र प्रदेश हायकोर्ट को वर्चुअल कोर्ट के रूप में प्रारम्भ किया। इस तरह वर्चुअल सेवा देने वाला यह उस समय सम्भवतः देश का प्रथम उच्च न्यायालय था। मात्र 20 न्यायाधीशों की क्षमता से इस हायकोर्ट ने इस महामारी के दौरान भी लगभग 94 हजार से अधिक प्रकरणों की सुनवाई कर कीर्तिमान बनाया। इसे लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय को इस महामारी के दौरान सर्वाधिक प्रकरणों की सुनवाई करने वाले देश के द्वितीय उच्च न्यायालय के रूप में सम्मानित किया। न्यायालयीन प्रक्रियाओं को इस दौरान सुचारू बनाये रखने के लिये श्री माहेश्वरी के मार्गदर्शन में उच्च न्यायालय तथा समस्त अधीनस्थ न्यायालयों में ''ई-फाइलिंग मॉड्यूल'' विकसित किया गया जिससे प्रकरण ऑन लाईन ही फाईल किये जा सकें।

और क्या अच्छा हो सकता है यह सोचे-न्यायमूर्ति श्री माहेश्वरी

न्यायमूर्ति श्री माहेश्वरी कहते हैं, मेरा अनुभव यह है यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, विनम्रता और कमिटमेंट के साथ आगे चलते हैं तो हमें अपने रास्ते पर आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। मुझे बहुत खुशी है कि माहेश्वरी समाज में शिक्षा के क्षेत्र में चाहे वह समाज की शिक्षा हो चाहे वह गुरु की शिक्षा या फिर तकनीकी शिक्षा व प्रोफेशनल शिक्षा उन सब में हमने अपना जो व्यवसाय व कार्य करने का तरीका था उन सबसे हटकर हमने जो कार्य किया है वह सराहनीय है। परंतु क्या इतना सोच लेना पर्याय है? समय यहां से आगे बढ़ने का है। जो हुआ उसमें कमी मत निकालिए, जो हुआ वह किन परिस्थितियों में हुआ और कितना अच्छा हुआ। लेकिन अब इससे आगे अच्छा कैसे करना है, इसको सोचना है, दूसरी चीज हमारे नॉलेज में आती रहती है।

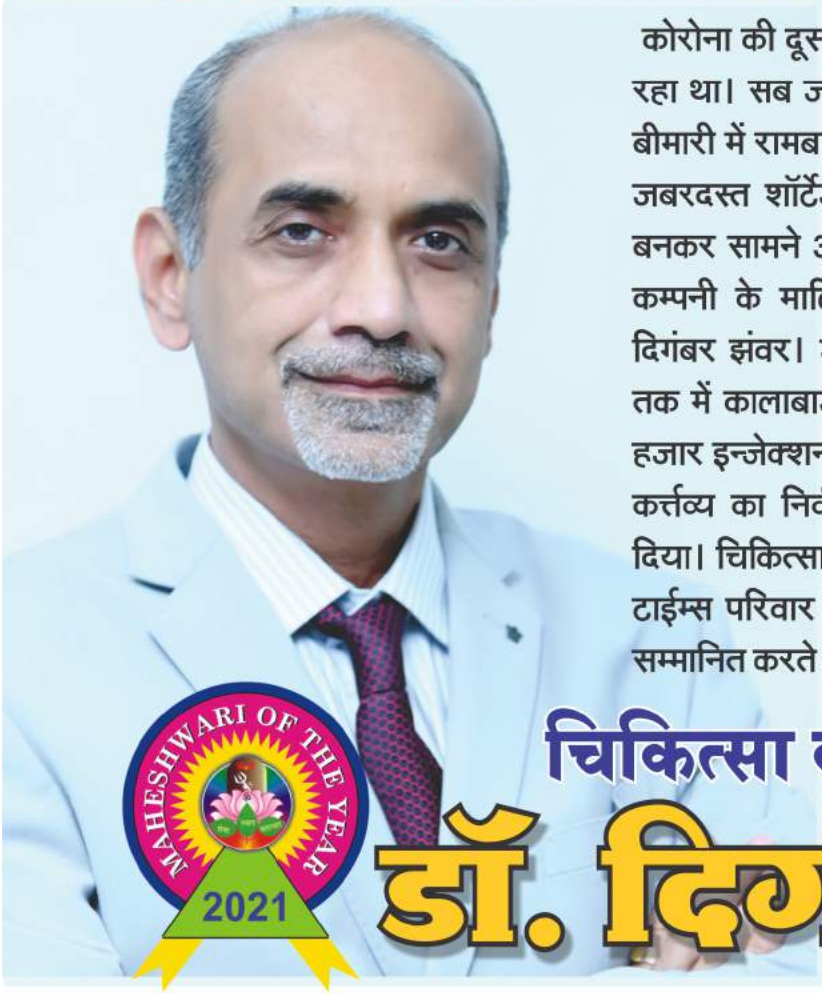

कोरोना की दूसरी लहर में जब पूरा देश त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रहा था। सब जगह अस्पतालों में ऑक्सीजन के साथ-साथ इस बीमारी में रामबाण समझे जाने वाले इंजेक्शन रेमडेसिविर की भी जबरदस्त शॉर्टेज हो गई थी। ऐसे में समाज के लिये मसीहा बनकर सामने आये महाराष्ट्र की सबसे बड़ी दवा (इंजेक्टेबल्स) कम्पनी के मालिक व रेमडेसिविर इन्जेक्शन के निर्माता डॉ. दिगंबर झंवर। जब 'गिद्ध' रेमडेसिविर की 50-60 हजार रूपये तक में कालाबाजारी कर रहे थे, ऐसे में भी उन्होंने लगभग 1.5 हजार इन्जेक्शन समाज को निःशुल्क देकर समाज के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करते हुए, कई समाजजनों को नवजीवन दिया। चिकित्सा के क्षेत्र में आपके योगदानों के लिये श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार आपको श्री ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2021'' से सम्मानित करते हुए गौरवान्वित महसूस करता है।

MAHESHWARI OF THE YEAR 2021

चिकित्सा की दुनिया के 'मसीहा'

डॉ. दिगंबर झंवर

अन्य लोगों के साथ ही माहेश्वरी समाज भी कोरोना महामारी के इस भयानक दौर में रेमडेसिविर इन्जेक्शन की कमी से जूझ रहा था। ऐसे में समाजजन भी इस परेशानी से कम प्रभावित नहीं रहे। वे भी रेमडेसिविर के लिये मारे-मारे भटक रहे थे। ऐसे में एक व्यक्ति समाज के लिये मसीहा बनकर सामने आये, जिनका नाम है, डॉ. दिगंबर झंवर। कमला लाइफ साइंस लिमिटेड के मालिक डॉ. दिगंबर झंवर पालघर स्थित अपनी फैक्ट्री में इस इंजेक्शन का उत्पादन सिपला कंपनी के लिए करते हैं। जब इसकी भारी कमी थी और लोग 50 हजार रूपये तक वसूलकर इनकी कालाबाजारी कर रहे थे, ऐसी स्थिति में भी वे माहेश्वरी बंधुओं के लिये इंजेक्शन निःशुल्क देने को तैयार हो गए। समाज के प्रति उनकी भावना इन शब्दों में सामने आई कि 'समाज बंधुओं को जीवन देना मेरा पहला कर्त्तव्य है।' डॉ. झंवर के इस उदार हृदय के चलते ये जीवन रक्षक इंजेक्शन भीलवाड़ा, जोधपुर, गुलाबपुरा, जयपुर, बड़ौदा, सूरत, इंदौर, कोलकाता, रायपुर एवं संपूर्ण महाराष्ट्र जैसे कोरोना महामारी से झुलसे शहरों में भेजने की व्यवस्था की जा सकी। इसमें लगभग 1500 से भी ज्यादा इंजेक्शन का डिस्ट्रीब्यूशन संभव हो पाया है, जिससे जरूरतमंद समाजजन को अत्यंत राहत मिली। इस योगदान के लिये आपको माहेश्वरी मंडल बोईसर पालघर डहाणू रोड द्वारा ''महेश भूषण'' तथा भायदर जिला माहेश्वरी सभा द्वारा ''महेश गौरव'' से सम्मानित किया गया।

समाज बना था दवा वितरण में सहयोगी

संपूर्ण माहेश्वरी समाज बंधुओं ने ऐसे कठिन समय में समाज को सहयोग देने के लिए डॉ. दिगंबर झंवर का भावुक हृदय से आभार व्यक्त किया। इसी तरह संपूर्ण भारतवर्ष में जरूरतमंद समाजबंधुओं को निःशुल्क रेमडेसिविर इंजेक्शन के युक्तियुक्त वितरण करने हेतु मुंबई प्रदेश के भूतपूर्व अध्यक्ष माणकचंद काबरा एवं अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मण्डल सदस्य दिनेश सोमानी एवं सभापति श्याम सोनी, का भी उनके सतत् सहयोग हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया, जिनकी चुस्त-दुरूस्त व्यवस्था से सैकड़ों समाजजनों का जीवन बच सका। उल्लेखनीय है कि कोरोना काल में लाखों लोगों की जान बचाने वाले रेमडेसिविर इंजेक्शन के निर्माता और 300 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार वाली महाराष्ट्र की सबसे बड़ी दवा कंपनी 'कमला ग्रुप ऑफ कंपनीज' के

डॉ. झंवर फिल्म अभिनेता सोनू सूद के साथ

डॉ. दिगम्बर चेयरमेन हैं। उनके इस ग्रुप ऑफ कम्पनीज में इंपल्स फार्मा प्राइवेट लिमिटेड, कमला लाइफसाइंसेज लिमिटेड, क्रुक्स फार्मा प्राइवेट लिमिटेड, काईटमार्क हेल्थकेयर, कॅमफोर्ड हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड तथा विदेश स्थित झॅडॉन फार्मा नाईजीरिया लिमिटेड आदि शामिल हैं।

फैमिली फिजिशियन से बने उद्योगपति

अत्यंत सादगी से रहने वाले डॉ. दिगंबर झंवर का जन्म दो भाई व तीन बहनों के भरेपूरे परिवार में सायखेड़ा जिला नासिक (महाराष्ट्र) में हुआ था। प्रायमरी व माध्यमिक स्तर की शिक्षा सायखेड़ा में हुई एवं हाई स्कूल शिक्षा पैतृक गाँव शेन्दुरणी जिला-जलगाँव में हुई। बचपन से कुशाग्र बुद्धि के डॉ. झंवर ने दसवीं कक्षा में अव्वल आकर भविष्य में MBBS डॉक्टर बनने का सपना संजोया। किन्तु धन की तंगी ने उनका MBBS डॉक्टर बनने का सपना तोड़ दिया। किन्तु कहते हैं ना कि जहां चाह वहां राह, धुन के पक्के, दृढ़ निश्चयी डॉ. दिगंबर झंवर ने पुणे यूनिवर्सिटी के माध्यम से BAMS की डिग्री प्राप्त करके 1994 में पालघर में अपना खुद का क्लीनिक खोला। क्लिनिक को लोगों से भारी प्रतिक्रिया मिली। कुशाग्र बुद्धि और बीमारियों पर अपनी बेहतरीन पकड़ के कारण शीघ्र ही वो अपने इलाके में प्रसिद्ध हो गए, फिर उन्होंने 1997 में अपने बड़े भाई राजेंद्र झंवर की मदद से गुरुकृपा रिटेल मेडिकल शुरू किया। पिता श्री जयकिशन झंवर भी इस कार्य में अपने बेटों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने लगे। डॉक्टर झंवर ने अपने कारोबार को बढ़ाने का निर्णय लिया और वर्ष 1999 में ग्रेस फार्मा के नाम से मेडिसिन के होलसेल व्यापार की शुरुआत की। यह काम भी बहुत शीघ्र ही जम गया। पिताजी का गत वर्ष 2018 में देहावसान हो गया। अब उन्हें 75 वर्षीय माताजी का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है।

इस तरह रखा उद्योग जगत में कदम

मार्केट में उनके ब्रांड की दवाइयों की डिमांड बढ़ने लगी तो डॉ. झंवर ने अपना स्वयं का मैन्युफैक्चरिंग प्लांट डालने का निर्णय लिया और वर्ष 2007 में एमआईडीसी बोइसर में अपने चार मित्रों के साथ मिलकर इंपल्स फार्मा प्राइवेट लिमिटेड नाम से टेबलेट एवं केप्सुल बनाने के प्लांट की शुरुआत की। कुछ दिनों तक सभी ठीक-ठाक चलता रहा पर यह खुशियां ज्यादा दिन तक नहीं टिक पाई और वर्ष 2013 में सभी सहयोगियों ने मिलकर प्लांट को बेचने का निर्णय किया। टोकन प्राप्त हुआ किंतु भाग्य की बात है कि पार्टी ने बाकी का पैमेंट देने में असमर्थता दिखाई। उसी समय डॉक्टर झंवर ने अपने दृढ़ विश्वास, इष्ट भगवान दत्तात्रेय एवं परिवार के समर्थन से इस प्लांट को अकेले चलाने का निर्णय लिया और अपने सभी साथियों को 6 महीने में उनका पैसा वापस कर दिया। दृढ़ विश्वास, कड़ी मेहनत और भगवान के आशीर्वाद से कंपनी दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की करने लगी। वर्तमान में कम्पनी की स्थिति क्या है, यह सबके सामने है।

अब टॉप 10 में जाने की तैयारी

स्वयं डॉ. झंवर ने अपने उद्योग-व्यवसाय में अपनी सफलता के वह कीर्तिमान स्थापित किये हैं, जो समाज का सिर गर्व से ऊंचा कर देते हैं। एक छोटे से मेडिकल स्टोर से अपने कॅरियर की शुरूआत करने वाले डॉ. झंवर वर्तमान में पांच लिमिटेड कंपनियों के माध्यम से 300 करोड़ रुपये के सालाना टर्नओवर के साथ एलोपैथिक दवाइयों के प्रमुख उत्पादकों में से एक हैं। इनकी 5 फैक्ट्रियां भारत में और 1 फैक्ट्री विदेश में हैं। वे वर्ष

माननीय उद्योग मंत्री श्री सुभाष देसाई के साथ

2026 तक 'आईपीओ' लाकर, भारत की शीर्ष 10 कम्पनीयों में स्थान पाने का और वर्ष 2030 तक 10,000 करोड़ रुपये तक का कारोबार करने का लक्ष्य रखते हैं। उनसे उनकी सफलता का राज पूछे जाने पर वे कहते हैं, 'आत्मचिंतन एवं विश्वास, आध्यात्मिक एवं ईश्वर समर्पित दृष्टि व वृत्ति, लक्ष्य (टारगेट) के प्रति दृढ़ तन्मयता, कठोर परिश्रम तथा बड़ों का आशीर्वाद ये ऐसे पाँच सूत्र हैं, जो मेरी जीवन यात्रा में मेरा सम्बल बने।'

जिम्मेदारी के लिये युवा पीढ़ी तैयार

झंवर बंधुओं ने अपने अथक प्रयत्नों से जिस विशाल फार्मेसी उद्योग की स्थापना की है, अब उसे सम्भालने के लिये उनकी युवा पीढ़ी भी तैयार है। बड़े भाई राजेंद्र झंवर के सुपुत्र 25 वर्षीय डॉ. नीरज ने शासकीय मेडिकल कॉलेज सोलापुर (महाराष्ट्र) से एमबीबीएस की उपाधि 2021 में हासिल की है। अब वे भी पारिवारिक औषधि निर्माण के व्यवसाय में सम्मिलित हुए हैं। स्वयं डॉ. दिगम्बर झंवर के परिवार में पुत्र डॉ. पुष्कर (24 वर्ष) और पुत्री कु. पलक (21 वर्ष) हैं। पुत्र डॉ. पुष्कर गर्वमेंट मेडिकल कॉलेज बी.जे. मेडिकल कॉलेज पुणे से एमबीबीएस की डिग्री वर्ष 2022 में पूर्ण करेंगे। तत्पश्चात वे भी अपने पारिवारिक औषधि निर्माण के व्यवसाय में सम्मिलित होंगे। कु. पलक बी.फार्मेसी द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत है। उनका लक्ष्य भी एम. फार्मेसी के पश्चात इसी व्यवसाय में आना है।

समाजसेवा में धर्मपत्नी भी सहभागी

अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद समाजसेवा के क्षेत्र में भी डॉ. झंवर प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष रूप से अपना योगदान दे रहे हैं, जिनमें आपकी धर्मपत्नी सौ. योगिता झंवर आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर योगदान दे

श्री साईं बाबा शिर्डी संस्थान ट्रस्ट के CEO श्री बगातें द्वारा सम्मान

डॉ. दिगंबर झंवर परिवार

पिताः स्व.श्री जयकिशनजी और माताः राधाबाई झंवर

बड़े भाईः राजेंद्र-ज्योति झंवर व भतीजेः डॉ. नीरज

पुत्रः डॉ. पुष्कर झंवर

पुत्रीः पलक झंवर

बहनः सौ. जयश्री-सतीश सोडानी और परिवार।

बहनः सौ. रवीना-रवींद्र कलंत्री और पुत्र दर्शन, पुणे

बहनः सौ. सपना-अरुण राठी व राशि, हर्षित, इचलकरंजी

रही है। डॉ. झँवर के प्रयास से पालघर बोइसर क्षेत्र में 1998 में माहेश्वरी मंडल बोईसर पालघर डहाणू रोड की स्थापना की गई और स्वयं डॉ. झंवर इसके संस्थापक सदस्यों में से एक रहे। मंडल के अध्यक्ष भी रहे एवं थाना जिला माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष भी रहे। आज भी अपनी व्यस्तता के बावजूद मंडल के लिए तन मन धन से समर्पित रहते हैं। कहते हैं कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति, अपने ऊपर विश्वास, कठिन परिश्रम, भगवान का आशीर्वाद एवं परिवार के बड़ों का आशीर्वाद जरूरी होता है किंतु अपनी अर्धांगिनी के सहयोग के बिना यह सब संभव नहीं होता। श्रीमती झंवर एक शांत स्वभाव, मृदुभाषी एवं परिवार के प्रति समर्पित नारी हैं, जिन्होंने अपने पति की बढ़ती हुई जिम्मेदारियों में से परिवार की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली एवं पति को परिवार के दैनिक कर्त्तव्य से मुक्त किया। आज वह परिवार के साथ-साथ उद्योगों में भी पूर्ण रूप से अपने पति को सहयोग प्रदान कर रही है। श्रीमती झंवर कमला फाउंडेशन की अध्यक्षा भी हैं। कमला फाउंडेशन ने समाजसेवा में अपने झंडे गाड़ दिये है। पालघर के ग्रामीण अस्पताल को बड़ा करने एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त करने हेतु कमला फाउंडेशन ने एक बड़ी राशि खर्च की। चिपलुन में आई बाढ़ में पीड़ित लोगों को विभिन्न प्रकार से मदद पहुंचाई गई। भयंदर जिला माहेश्वरी सभा के महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत आयोजित निःशुल्क मैमोग्राफी जांच शिविर के पहले शिविर का पूरा आर्थिक खर्च भी कमला फाउंडेशन ने उठाया।

परिवार के साथ डॉ. झंवर

कमलाबेन रामनाथ धूत शासकीय रुग्णालय पालघर (महाराष्ट्र)

पालघर ग्रामीण अस्पताल की बेड क्षमता भी की दुगनी

पालघर ग्रामीण अस्पताल के प्रथम तल पर कमला फाउण्डेशन की अध्यक्षा डॉ. झंवर की धर्मपत्नी श्रीमती योगिता झंवर द्वारा प्रदान किये गये दो करोड़ रूपये के आर्थिक सहयोग से निर्माण कार्य किया गया है। गत 14 मई 2021 को इसका समाजसेवक डॉ. नंदकुमार वर्तक द्वारा उद्घाटन किया गया। इससे अस्पताल में रोगियों के लिए बेड की क्षमता दोगुनी हो जाएगी। वर्तमान में एक लाख लोगों पर यहाँ मात्र 30 बेड की क्षमता वाला यह अस्पताल है। इस अस्पताल के प्रबंधन को मरीजों के इलाज के लिए भारी बोझ उठाना पड़ रहा था। ऐसे में पालघर के मरीजों को बेहतर सुविधा दिलाने के लिए कमला फाउण्डेशन द्वारा सामाजिक जिम्मेदारी स्वीकार की गई। अब इस अस्पताल की 63 बेड की क्षमता हो जाएगी। इस उद्घाटन अवसर पर कमला फाउण्डेशन की अध्यक्षा योगिता झंवर, कमला लाईफ साईंसेस के चेयरमैन स्वयं डॉ. दिगंबर झंवर, मैनेजिंग डायरेक्टर राजेंद्र झंवर, जिला कलेक्टर डॉ. माणिक गुरसल, नगराध्यक्ष उज्जवला काले, प्रांताधिकारी धनाजी तोरास्कर आदि उपस्थित थे।

नाना-नानी से मिले धार्मिक संस्कार

डॉ. झंवर तथा उनके सभी भाई बहनों पर उनके नाना-नानी सायखेड़ा-नासिक (महाराष्ट्र) के निवासी स्व. श्री रामनाथ व श्रीमती कमलाबाई धूत का अत्यंत गहरा प्रभाव रहा है। कारण यह था कि डॉ. झंवर की माता श्रीमती राधाबाई अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। अतः नाना-नानी भी उनके साथ ही रहते थे। नानीजी का वर्ष 1992 तथा नानाजी का वर्ष 2013 में देहावसान हुआ। इस दीर्घावधि में झंवर भाई-बहनों को न

दत्तभक्त
श्री. रामनाथजी भिकूलालजी धूत, सायखेडा (जि. नाशिक)
जन्मतिथी : दि. १६/०७/१९२२ पुण्यतिथी : १८/०४/१९९३

दत्तभक्त
सौ. कमलाबाई रामनाथजी धूत, सायखेडा (जि. नाशिक)
पुण्यतिथी : १४/०८/१९९२

सिर्फ नाना-नानी का स्नेह मिला बल्कि संस्कार भी मिले। इनका कितना प्रभाव उनके ऊपर पड़ा उसका अनुमान आप इसी से लगा सकते हैं कि इनकी कई कम्पनी सहित सेवा फाउंडेशन का नाम भी नानीजी के नाम "कमला" से प्रारंभ होता है। स्वयं डॉ. झंवर बताते हैं कि नानाजी दत्त सम्प्रदाय से सम्बद्ध होकर दत्त भगवान की उपासना में ऐसे खो गये थे कि उन्होंने जीवन के 30-32 वर्ष अन्न का त्याग कर केवल दही सेवन करके ही गुजारे और 91 वर्ष की अवस्था तक जीवित रहे। नाना और नानीजी जमीन पर सिर्फ चटाई बिछाकर ही सोते थे।

अध्यात्म की ओर भी अब बढ़ेंगे कदम

डॉ. झंवर का सम्पूर्ण परिवार नाना-नानी के पद्चिह्नों पर चलते हुए विशुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति व परम्पराओं का अनुसरण करता है। अतः डॉ. दिगम्बर झंवर और बड़े भाई राजेंद्र झंवर वर्ष 2030 तक अपने तीनों बच्चों पर इस उद्योग की जिम्मेदारी छोड़कर वानप्रस्थी होना चाहते हैं। श्री क्षेत्र त्रयंबकेश्वर और नासिक के पास 25 एकड़ भूमि पर भव्य दत्त भगवान के मंदिर, सेन्द्रीय खेती, गोशाला, वेद पाठशाला, योग पाठशाला, आयुर्वेद पाठशाला, आयुर्वेद औषधि निर्माण, आयुर्वेद एवं योग की आरोग्य शाला, भक्त निवास, अन्नछत्र जैसी रचनात्मक गतिविधि सनातन धर्म के प्रति समर्पित आध्यात्मिक एवं धार्मिक गतिविधियों पर आधारित आश्रम बनाने का दृढ़ संकल्प है। 2030 के पश्चात 2040 तक श्री दत्तसंप्रदाय का पठन, चिंतन, मनन, लेखन एवं प्रचार प्रसार करने का उनका मानस है। 2040 के बाद मौन व्रत धारण कर एकांतवास एवं सन्यास लेकर आध्यात्मिक ऊंचाई को छुना चाहते हैं। उनका लक्ष्य जिस तरह उद्योग व्यवसाय में सफलता के शिखर को छुआ, ठीक उसी तरह आध्यात्म के क्षेत्र में भी सफलता अर्जित करना है।

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की मासिक पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

का आगामी अंक होगा

समाज की नारी शक्ति को समर्पित

महिला विशेषांक

इसमें समाहित होगी ऐसी **माहेश्वरी महिलाओं** की कहानी जो अपनी विशिष्ट प्रतिभा से लिख रही हैं राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी **"सफलता की कहानी"** जो भावी पीढ़ी के लिये हो सकती है प्रेरणा स्त्रोत।

इसके साथ ही इस बार होगा ऐसे **श्रेष्ठ महिला संगठनों** (2) का भी सम्मान जो दे रही है समाज में विशिष्ट योगदान।

अनुरोध - यदि आपकी जानकारी में भी ऐसी कोई माहेश्वरी महिला हैं, जो राज्य, राष्ट्र अथवा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी क्षेत्र में ऐसा कार्य कर रही हैं, जो समाज की महिलाओं के लिये प्रेरणास्पद हो सके, तो हमें सम्पर्क नम्बर सहित लिख भेजिये। हम करेंगे इसका प्रकाशन। इसके साथ महिला संगठनों से भी उनके योगदानों की जानकारी आमंत्रित हैं। प्रकाशन का अंतिम निर्णय सम्पादक मंडल का होगा।

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)

दूरभाष - 0734-2526561, 2526761 मोबाइल - 094250-91161

E-mail : smt4news@gmail.com

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

हम कोरोना महामारी की अभी तक दो लहरों से निपट चुके हैं और वर्तमान में तीसरी लहर से जूझ रहे हैं। दूसरी लहर के समय हमने कितने अधिक अपनों को खाया है, यह किस से छुपा नहीं है। आईये जानें ऐसे आसान उपाय जिनके द्वारा हम तीसरी लहर से अत्यंत आसानी से निपट सकते हैं।

कोरोना की तीसरी लहर से कैसे बचें

रामगोपाल सोनी
भोपाल (आईएफएस)

- नाक के छिद्रों में नारियल या सरसों का तेल एक एक बूंद लगाकर ही बाहर निकले।
- मास्क लगाकर रखें और कोविड नियमो का पालन करे।
- माह में दस दिन कालमेघ अर्थात कड़ू चिरायता और गिलोय का काढ़ा पियें। इसके लिए दोनों के मिश्रण का 25 ग्राम एक लीटर पानी में डालकर उबालें। आधा होने पर छान लें। इसका आधा कप सुबह एक बार खाली पेट पियें। यह एममुनिटी बूस्टर है तथा एंटीवायरल है।
- जब भी ऐसा लगे कि आपको जुकाम, खांसी या गले मे खराश है और बुखार सा लग रहा है तो आप इसे फ्लू या वायरल फीवर या कोरोना का प्रकोप ही मानें। अपने को अलग कर ले और घर के लोगों से भी अलग रखे।
- त्रिकुट पाउडर एक चुटकी उतने ही शहद के साथ लेकर दो बार दिन में चाटें।
- गार्गल करने के लिए एक कप पानी में एक चुटकी हल्दी और एक चुटकी फिटकिरी की भस्म मिला कर गरम कर लें फिर इसी से दिन में दो बार गार्गल करे।
- यदि कफ अधिक हो और आपको फेफड़े में संक्रमण लग रहा हो तो आप बरगद का दूध एक चम्मच, दो चम्मच सादे दूध के साथ मिलाकर सुबह शाम दो बार ले। सात दिन में फेफड़ो का संक्रमण दूर हो जाएगा।
- फिटकिरी की भस्म एक चुटकी उतनी ही शहद के साथ सुबह शाम चाटने पर सात दिन में कफ और जुखाम ठीक हो जाता है।
- एक देसी उपाय सर्दी, जुखाम दूर करने के लिए यह भी है। एक गिलास दूध में एक चुटकी हल्दी डालकर गरम करें और उसमें आधा चम्मच सोंठ का चूर्ण डालकर खूब उबाले। फिर यह गर्म पीने लायक हो तो धीरे धीरे पिये। सुबह शाम लेने से तीन दिन में सर्दी जुकाम ठीक हो जाता है।
- पोस्ट कोविड में कमजोरी रहती है तो उसमें भी कालमेघ और गिलोय का काढ़ा सुबह-शाम सात दिन तक जरूर पिये।
- कमजोरी दूर करने के लिए एक चम्मच च्यवनप्राश एक गिलास दूध के साथ सुबह लें अथवा आधा चम्मच अश्वगंधा का चूर्ण एक गिलास कुनकुने दूध में मिलाकर एक बार लेवें।

ऋतुराज बसंत के आगमन का पर्व बसंत पंचमी वास्तव में ज्ञान-विद्या की देवी माता सरस्वती का उत्पत्ति पर्व है। यह ऐसा पर्व है जिसे सम्पूर्ण प्रकृति भी श्रृंगारित होकर मनाती है।

माता सरस्वती का उत्पत्ति पर्व

बसंत पंचमी

गोवर्धनदास बिन्नानी

पतझड़ के बाद ऋतुराज वसंत का आगमन होता है जिसे हम ऋतुराज, कामसखा, पिकानन्द, पुष्पमास, पुष्प समय, मधुमाधव आदि नामों से भी पुकारते हैं। इस ऋतु में वन-उपवन, बाग-बागीचों में लताएं, नए-नए लाल-हरे कोमल पत्तों से ही नहीं बल्कि नाना प्रकार के पुष्पों से भी भर जाती हैं। इस प्रकार मौसम और प्रकृति में जो मनोहारी बदलाव होते हैं उससे प्रकृति का कण-कण खिल उठता है यानि हम मानवों के साथ-साथ पशु-पक्षी तक उल्लास से भर जाते हैं। पतझड़ पश्चात आने वाली माघ शुक्ल पंचमी को वसंत पंचमी या श्रीपंचमी या ज्ञान पंचमी के नाम से जाना जाता है। इस दिन को ज्ञान और कला की देवी मां सरस्वती का जन्मदिवस माना जाता है। इसलिये इस दिन विद्या की देवी माता सरस्वती की पूजा बड़े ही उल्लास व उमंग के साथ की जाती है। यह त्यौहार पूरे भारत में इसमें भी खासकर पूर्वी भारत के साथ पश्चिमोत्तर बांग्लादेश, नेपाल और कई राष्ट्रों में बहुत ही बड़े रूप में बड़े उल्लास से मनाया जाता है।

विद्यार्जन की शुरुआत का विशिष्ट पर्व

बसंत पंचमी के दिन को स्वयं सिद्ध मुहूर्त वाला दिन माना जाता है जिसका मतलब होता है उस दिन प्रारंभ होने वाला हर कार्य सफलता को प्राप्त करेगा ही। इसीलिए इस दिन दूरगामी योजनाओं की शुरुआत या शिशुओं को विद्यार्जन के लिए पहली बार स्लेट, पाटी या पोथी की पूजा अर्चना करवा कर सबसे पहले अक्षर ज्ञान के साथ-साथ लिखना सिखाया जाता है और पाठशाला में दाखिला भी कराया जाता है। बसन्त पंचमी वाले दिन स्कूलों में शिक्षक हों या विद्यार्थी सभी पूरे उमंग व उल्लास के साथ विद्या की देवी माता सरस्वती की प्रतिमा को मंच पर स्थापित कर विधि-विधान के साथ सामूहिक पूजा अर्चना करते है। इसके उपरांत आधुनिक युग के सर्वाधिक क्रान्तिकारी, प्रगतिवादी, चेतना के ओजस्वी कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के चित्र पर माल्यार्पण वाले कार्यक्रम पश्चात सभी उपस्थित उनके लिखित सर्वाधिक लोकप्रिय गीत 'वर दे, वीणावादिनि वर दे। प्रिय स्वतंत्र-रव अमृत-मंत्र नव भारत में भर दे।' से समवेत स्वरों में प्रार्थना करते हैं। इस दिन प्रायः सभी विद्यालयों में या तो वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाता है या माँ शारदा के भक्ति गीतों का आयोजन होता है।

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले की छोटी सी शहादा तहसील अब तक देश के नक्शे में लगभग आम व्यक्ति के लिये अनजान सी थी। यह अब धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विशिष्ट स्थान बनाने जा रही है। यहाँ भगवान विष्णु के आलौकिक तीर्थ श्री नारायणपुरम का निर्माण हो रहा है।

सद्गुरु श्री लोकेशानंदजी महाराज की प्रेरणा से साकार हो रहा है भगवान विष्णु का अलौकिक तीर्थ

श्री नारायणपुरम

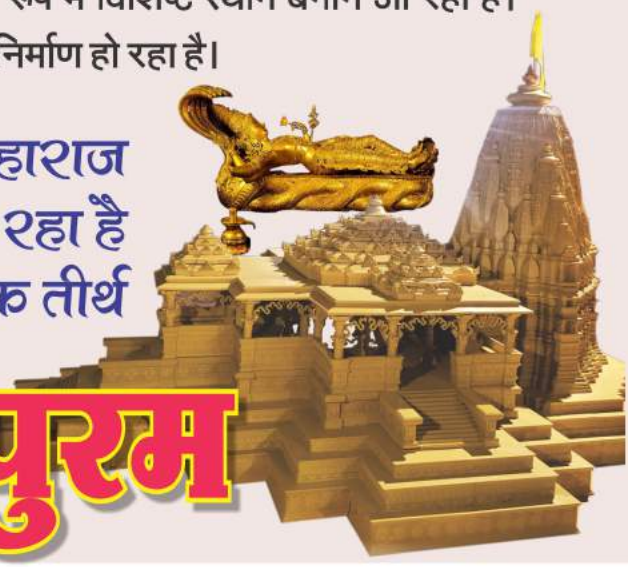

जिला नंदुरबार की शहादा तहसील में शेष की शैय्या पर शयन करते लक्ष्मी पति श्री नारायण भगवान के दिव्य मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है। यह तीर्थ 'श्रीमंदिर' और 'श्रीश्रीनारायणपुरम तीर्थ' के नाम से सर्वत्र जाना जाने लगा है। यह स्थान इंदौर से 200 किलो मीटर, सूरत से 200 किमी और नासिक से भी 230 किमी की दूरी पर स्थित है। इस तीर्थ में मंदिर का निर्माण एक विशेष प्रकार की शास्त्र विधि अनुसार पूरी तरह से पत्थर द्वारा ही किया जा रहा है। इस तीर्थ के गर्भगृह में ग्यारह फीट की 21 टन भार की अष्टधातु की प्रतिमा विराजमान होगी और साथ में 5100 शालिग्राम भी। मंदिर का शिखर 92 फिट ऊँचा होगा। इस धरती पर विष्णु भगवान के मंदिर दुर्लभ और दिव्य होते हैं। श्रीनारायण भक्ति पंथ के प्रवर्तक सद्गुरु **श्रीलोकेशानंदजी महाराज** की प्रेरणा से यह निर्माणाधीन तीर्थ सतत आगे बढ़ रहा है। सद्गुरुश्री बाल्यावस्था से ही विष्णु भगवान की भक्ति और सेवा हेतु समर्पित होकर धर्म के आधार विष्णु भगवान की भक्ति एवं पूजा-अर्चना का प्रचार और प्रसार करने का दैवी कार्य कर रहे हैं।

अष्टधातु की भव्य प्रतिमा

शास्त्र कहते हैं कि मिट्टी की प्रतिमा का एक पूजन करने पर एक का ही फल प्राप्त होता है। काष्ठ (लकड़ी) की प्रतिमा का एक बार पूजन करने से सौ गुना फल प्राप्त होता है और पत्थर की प्रतिमा का एक बार पूजन करने से सहस्त्र (हजार) गुना फल प्राप्त होता है तथा अष्टधातु से बनी हुई प्रतिमा का पूजन करने से अनंत गुना पुण्य फल की प्राप्ति होती है। अतः यहाँ अष्टधातु की प्रतिमा स्थापित हो रही है। इस तीर्थ में विराजमान होने वाली 11 फीट की इस शयन मूर्ति का भार 21 टन से अधिक होगा। ऐसी यह पुरुषोत्तम नारायण अर्थात साक्षात विष्णु भगवान की सर्वांग सुंदर चतुर्भुज रूप वाली दिव्य और दुर्लभ प्रतिमा विश्व में पहली बार ही महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के शहादा में बन रहे श्रेष्ठ विष्णु तीर्थ में स्थापित होने जा रही है। साथ ही गर्भगृह में श्रीलक्ष्मीजी और भू-देवी की प्रतिमा भी स्थापित होगी। और भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि गर्भगृह की वेदी में 5100 शालग्राम भी विराजमान होंगे।

शहादा में ही ऐसा तीर्थ क्यों

कहा जा रहा है कि यह मंदिर भविष्य के सौपान लिखेगा। ऐसा माना जाता है कि जब कलयुग में विष्णु भगवान कल्कि अवतार में प्रकट होंगे और वे देवदत्त नामक घोड़े पर सवारी कर दुष्टों का संहार कर धर्म की स्थापना करेंगे। तब परिभ्रमण करते हुये वे चिरंजीवियों के साथ शहादा नगर में इस स्थान पर इस तीर्थ के मंदिर में ही कुछ दिन विश्राम करने के पश्चात आगे बढ़ते हुये केरल के पद्मनाभ स्वामी मंदिर को जाकर वहाँ दूसरा विश्राम करेंगे, फिर वहाँ पर स्यमन्तक मणि को धारण कर आगे की यात्रा करेंगे। कल्कि अवतार की प्रथम विश्राम स्थली यहीं शहादा धाम पर होगी इसीलिए शहादा में 'श्रीश्रीनारायणपुरम तीर्थ' स्थापित हो रहा है।

स्थापत्य कला का दर्शन कराने वाला आर्किटेक्चर

सोमपुरा स्थापत्य के शास्त्र द्वारा यह विशाल मंदिर आकार लेगा। इससे पहले कहीं भी ऐसा मंदिर नहीं बना है। श्लोकों से ही इसका प्रमाण लेकर इसका डिजाइन बनाया गया है। इसके प्रासाद अर्थात इस भवन को पक्षीराज गरुड़ प्रासाद के नाम से जाना जाता है। यह विष्णु भगवान का प्रिय प्रासाद माना जाता है। अतः इस तीर्थ की यात्रा पुण्यदायी और सुखद होगी। यहाँ पर विष्णु भगवान की पूजा-अर्चना सर्वश्रेष्ठ फलदायी होगी। यहाँ भक्ति मुक्ति के लिये विष्णु भगवान की तथा ऐश्वर्य और संपदाओं के लिये श्रीलक्ष्मीजी की पूजा-अर्चना करना श्रेष्ठ होगा। आज भी अनेकों भक्तों को यहाँ पर उत्तम आशीर्वाद प्राप्त होते हैं। उपासना-आराधना और प्रार्थना का यह शहादा धाम भक्तों की इच्छाओं को पूर्ण करने वाला कल्पवृक्ष है।

आप भी बन सकते हैं सहयोगी

विष्णु भगवान के मंदिर निर्माण का अनंत पुण्य फल कहा गया है। अतः आप भी इस तीर्थ के निर्माण में अपना योगदान अर्पण कर अनंत पुण्य फल प्राप्त कर अपना और अपने 21 कुलों का उद्धार कर सकते हैं। इस संबंध में दानदाताओं से मंदिर निर्माण समिति सहयोग की अपील करती है। आपका दान अनंत काल तक स्थिर रहेगा एवं अनंत पुण्य का हेतु होगा। इससे आप श्रीलक्ष्मीनारायण के कृपा पात्र होंगे।

संपर्क - श्रीनारायण भक्ति पंथ, शाखा

- **मुंबईः** माणक काबरा 9323946445, अशोक बियाणी 9820645198, किशोर भाई 9820149138
- **शहादाः** शांतिलाल पाटिल 8551930121
- **इंदौरः** नितिन अग्रवाल 9826949610
- **उदयपुरः** बालूसिंह कानावत, जितेश कुमावत, योगेश कुमावत 9414157448

संस्कारों की पाठशाला "पुस्तक"

हमारे संस्कार हमारे रीति रिवाज

किसी भी समाज की पहचान उसके संस्कारों से ही है। संस्कार ही वह विशेषता है, जो उस समाज को अन्य से अलग कर बनाती है, कुछ विशेष। अतः किसी समाज को बचाना है, तो उसके संस्कारों को बचाना जरूरी है। आज आधुनिकता की दौड़ में माहेश्वरी समाज भी संस्कारों के क्षरण की इसी विकट समस्या से जूझ रहा है। युवा पीढ़ी अपने मूल संस्कारों को खोकर समाज की मुख्य धारा से दूर जा रही है। ऐसे में भगवान महाकालेश्वर की नगरी में स्थित प्रतिष्ठित ऋषि मुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक ''हमारे संस्कार हमारे रीति रिवाज'' वास्तव में संस्कारों की पाठशाला सिद्ध हो सकती है। इस पुस्तक का लेखन उज्जैन की ख्यात समाजसेवी श्रीमती विष्णुकांता-स्व. श्री जगदीशचंद्र गाँधी द्वारा किया गया है। इसमें माहेश्वरी समाज की संस्कृति अनुसार अन्य रीति रिवाजों के साथ तीन प्रमुख संस्कारों जन्म, मृत्यु तथा विवाह संस्कार एवं समाज के तीन प्रमुख विशिष्ट त्योंहारों गणगौर, सातुड़ी तीज तथा ऋषि पंचमी के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। प्रयास यही है कि इससे समाज की युवा पीढ़ी के साथ ही सम्पूर्ण वर्ग अपनी विशिष्ट माहेश्वरी संस्कृति तथा परम्पराओं से परिचित हो और इस पर गर्व कर सके।

पुस्तक : **हमारे संस्कार हमारे रीति रिवाज**
लेखिका : **विष्णुकांता गांधी**
मूल्य : 125/-
प्रकाशक : **ऋषिमुनि प्रकाशन**
90, विद्या नगर साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 94250 91161, 91799 28991

योग-मुद्रा

दर्द दूर करेगी वायु मुद्रा

शिव नारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'

चलिए आज हम बात करेंगे वायु मुद्रा की। हम सभी का यह अनुभव है कि व्यक्ति भोजन के बिना कुछ दिनों तक जीवित रह सकता है, पानी के बिना भी कुछ दिन, किंतु वायु के बिना कुछ मिनट भी जिंदा रहना मुश्किल है। आयुर्वेद का मानना है कि वात, पित्त व कफ के असंतुलन पर शरीर, मन व चेतना भी असन्तुलित हो जाती है। वायु जब शरीर में सम रहती है तो शरीर स्वस्थ रहता है। वायु के विषम होने पर उसका प्रभाव मनोजगत पर भी पड़ता है। वात जन्य रोगों की शांति और मन को स्थिर करने के लिए वायु मुद्रा का प्रयोग किया जाता है।

इस मुद्रा के लिए अपने शरीर के अनुकूल बैठ जाएं फिर तर्जनी को अंगूठे के मूल पर लगाएं फिर अंगूठे से उस तर्जनी पर हल्का दबाव देते हुए बाकी अंगुलयाँ को सीधा रखने पर वायु मुद्रा बनती है। इसे आवश्यकतानुसार दिन में दो बार 5 मिनट तक किया जा सकता है। रोग ज्यादा होने पर इसको 15 मिनट तक बढ़ाया जा सकता है। आयुर्वेद के अनुसार 51 प्रकार के वायु उत्पन्न रोगों को इस मुद्रा प्रयोग से शांत किया जा सकता है।

गठिया का दर्द, लकवा, वायु कंपन, पार्किंसन, सर्वाइकल स्पांडिलाइसिस, गर्दन में वात पीड़ा, घुटनों का दर्द आदि अनेक रोगों का निवारण वायु मुद्रा से होता है। भोजन करने के पश्चात गैस की तकलीफ हो तब तुरंत वङ्कासन में बैठकर वायु मुद्रा करने से तुरंत लाभ मिलता है। इस मुद्रा से वायु के कारण जो हृदय रोग होता है वह भी ठीक होता है। ऋतु परिवर्तन के समय तो इस मुद्रा को अवश्य करना चाहिए ताकि प्रकृति परिवर्तन से वायु तत्व असंतुलित ना हो। इस मुद्रा को अन्य उपचारों के साथ भी प्रयोग करने से मन शांत एवं स्थिर होता है। वायु मुद्रा के अभ्यास से ध्यान की अवस्था में मन की चंचलता समाप्त होकर मन एकाग्र होता है एवं सुषुम्ना नाड़ी में प्राण वायु का संचार होने लगता है जिससे चक्रों का संतुलन होने लगता है।

राह जिंदगी की...

प्रो. कल्पना गगडानी, मुंबई

अपनी हार को अपना शस्त्र बनाइये

जिंदगी की राह तो जिंदगी के प्रारंभिक काल से ही शुरु हो जाती है। एक राह से जिंदगी शुरू होती है बीच में हम राह बदलते रहते हैं, कुछ राहें रास आती है, कुछ पर ह्रास होती है परंतु सही राह पर संभल-संभल कर चलते हुए ही व्यक्ति उस मुकाम पर पहुंचता है, जहां वह समाज में अपनी एक पहचान बना लेता है। एक परिचित नाम बन पाता है। यह राह लंबी के साथ आसान नहीं होती। इस राह पर अनेकों बार व्यक्ति फिसलता है, गिरता है और जो गिरकर उठ जाता है वही दोगुनी गति से दौड़ का हिस्सा बन जाता है और पहचान बना पाता है। पहचान पाने की इच्छा हर व्यक्ति की होती है, परन्तु मात्र इच्छा करने से कोई चाहत पूरी नहीं होती है, चाह के लिये उचित राह का चयन जरूरी होता है, उचित राह एक प्रारंभ है, प्रारब्ध नहीं। प्रतिभा और परिश्रम से ही प्रारब्ध की दिशा भी तय होती है। इन सबका उचित संयोग ही नाम और पहचान देगा।

उचित अध्ययन

सफलता की सीढ़ी चढ़ने के लिये जरूरी है कि जिस दिशा में आप कार्य करना चाहते हैं उस विषय का गहन अध्ययन करें। बचपन में जब बच्चे स्कूल जाते हैं तब से उनकी रूचि का पता करें। आजकल एप्टीट्यूट टेस्ट होते हैं जो बच्चे की रूचियों के आधार पर भविष्य की संभावनाएँ बताते हैं। उसकी जहाँ रूचि है, वही दिशा पकड़ायें परंतु जरूरी है उस दिशा का ज्ञान अवश्य प्राप्त करें। यदि आप डॉक्टर बनना चाहते हैं तो डॉक्टरी की पढ़ाई बिना डॉक्टर नहीं बन सकते। व्यापारी समाज के लोग कहेंगे, हमारे बाप-दादाओं ने कौन सी पढ़ाई की थी फिर भी व्यवसाय को किस ऊँचाई पर पहुँचा दिया। लेकिन हम ये न भूलें कि उन्हें उस समय उपलब्ध व्यवहारिक शिक्षा अपने परिवार में बचपन से प्राप्त हुई। अब आपके पास अधिक मौका है आप व्यावहारिक और किताबी दोनों ज्ञान एकत्र करें जिससे सफलता तीव्र गति से प्राप्त होगी।

सकारात्मक सोच

अनुभव और ज्ञान अर्जित कर जब आप कार्य क्षेत्र में उतरते हैं तो इतने मात्र से ही राह जिंदगी की सहज, सरल नहीं हो जाती। किसी भी व्यक्ति की जीवनी उठाकर देख लीजिये उन्हें अनेकों बड़ी-बड़ी मुसीबतों का सामना करना पड़ा। जिंदगी की राह में सफलता की दौड़ में सबको ही दौड़ना पड़ता है और कोई भी बिना गिरे, बिना क्षतिग्रस्त हुए, बिना हारे सफल नहीं रहा। यही परीक्षा की सबसे बड़ी घड़ी है और यहां से ही सफलता की राह शुरू होती है। शरीर की हार संभव है, परंतु हार मन की नहीं बननी चाहिए। इस हार से मन को और मजबूत बनाना चाहिये। स्वयं को समझें, हार सबके जीवन में आई परंतु हारे नहीं। नये सिरे से शुरुआत कीजिये। अपनी हार को अपना शस्त्र बनाइये। हार की वजह ढूंढिये, वजह का तोड़ निकालिये। नई स्फूर्ति से फिर चल दीजिये राह पर। सजग हो तेजी से कदम उठाइये, दूसरे राहगिरों से चौकन्ने रहिये। आप पायेंगे जिंदगी की राह पर अब सफलता आपका सम्मान बढ़ाने आपके साथ चलने लगी है। राह जिंदगी की सोच-सकारात्मक सोच के सहारे संवर जायेगी।

आज भी माता-पिता अपनी बेटी को अपने जीवन का सहारा बनाने से कतराते हैं। परिवार और समाज क्या कहेगा यह सोच-सोचकर घबराते हैं। हम चाहे कितने भी आधुनिक हो जाएं, बेटे और बेटी की परवरिश में समानता ले आयें पर अगर किसी दम्पति को बेटा ना हो अथवा किसी कारणवश बेटा अपने माता-पिता की देखभाल ना कर पाये तो भी जिस बेटी को माता-पिता ने काबिल बनाया, अपने पैरों पर खड़ा होना सिखाया, सुसंपन्न घर में विवाह किया, उस बेटी के ऊपर निर्भर रहना आज भी माता-पिता को मंजूर नहीं है। यह हमारी संस्कृति है या मानसिक विचारधारा कि अधिकांश माता-पिता चाहकर भी बेटी पर अपना बोझ नहीं डालना चाहते। एक मान्यता के अनुसार इसे पाप समझा जाता है, जबकि सुधारवादी लोग इसे मात्र हमारी रूढ़िवादी सोच मानते है। ऐसे में यह विचारणीय हो गया है कि अपनी बेटी को अपना जीवन सहारा बनाना उचित है या अनुचित? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

अपनी बेटी को अपना जीवन सहारा बनाना उचित अथवा अनुचित?

सामंजस्य और समझदारी से परिवर्तन संभव

आज बेटे और बेटी की परवरिश में समानता देखने को मिलती है। बेटियां पढ़-लिखकर दहलीज के अंदर ही नहीं दहलीज के बाहर भी अपनी पहचान बना रही हैं। यह तभी संभव हो पाया है जब बेटियों को तन-मन-धन से माता-पिता द्वारा हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का पूरा सहयोग मिला है। जब बेटियां भी बेटों के समान माता-पिता से सहयोग लेने का अधिकार रखती हैं तो उन्हें अपने माता-पिता का सहारा बनने का पूरा अधिकार भी होना ही चाहिए। अगर बेटी कमाऊ ना भी हो तो दामाद को आगे बढ़कर पुत्र का फर्ज निभाना चाहिए। कोविड में बहुत से माता-पिता नितांत एकाकी जीवन जीने के लिए विवश रहे, पर उन्हें अपनी पुत्रियों के पास जाने से अथवा उनसे सहायता लेने से कतराते हुए मैंने देखा है। इसका कारण है, उनकी परंपरागत रूढ़िवादी सोच और सामाजिक बंधन जिसमें अब वक्त के साथ बदलाव की आवश्यकता है। समाज को भी अपनी सोच बदलकर व्यवहारिक बनना होगा। समाज को आगे बढ़कर खुलकर इस बात का प्रचार-प्रसार करना होगा कि बेटी के घर का अन्न-धन प्रयोग करने से माता-पिता कभी पाप के भागी नहीं बनते हैं, यह ईश्वर द्वारा नहीं बल्कि मानवमात्र द्वारा बनाये गए नियम हैं। कुछ बेटियां चाहकर भी संयुक्त परिवार अथवा किसी विशेष कारणवश अपने माता-पिता की सीधे तौर पर मदद नहीं कर पाती हैं, पर उनका सहारा बनने की अन्य राहों को अपनाकर माता-पिता के जीवन को आसान बना सकती हैं। जब बेटी घर-गृहस्थी के साथ दफ्तर-कार्यालय के बीच आसानी से तालमेल बैठा सकती हैं तो अपने ससुराल और पीहर के बीच सामंजस्य बनाकर बहू के साथ-साथ बेटी की जिम्मेदारी भी आसानी से निभा ही सकती हैं।

❐ **सुमिता मूंधड़ा**, मालेगांव, (नाशिक)

परिवर्तन में सहयोग करें आलोचना नहीं

आज के जमाने में माता-पिता बेटा-बेटी में कोई फर्क नहीं करते हैं। दोनों को समान सुविधाऐं दी जाती हैं। पुराने जमाने की सोच आज के जमाने में बिल्कुल नही जमती। लड़के तो शादी के कुछ वर्षों बाद माता-पिता का ध्यान ज्यादा नहीं रखते जबकि बेटियाँ पूरा ध्यान रखती हैं। माता-पिता दोनों एक साथ तो संसार से नहीं जाते, जो बाद में संसार से जाते हैं, उनको सहारे की जरूरत पड़ती है। सुनने में आता है, ''वह लड़का अपने माता या पिता को वृद्धाश्रम में छोड़ आया'' परंतु लड़कियां ऐसा बिल्कुल नहीं करतीं। समाज को इसमें सहयोग करना चाहिये न कि आलोचना।

❐ **राजकुमार मंत्री**, मुम्बई

बेटा-बेटी एक समान

हम आधुनिक युग में जी रहे हैं और बेटा-बेटी को एक समान मानते हैं। समय परिवर्तनशील है बेटे की तरह आपकी बेटियाँ भी आपका ध्यान रखते हुए आर्थिक सहयोग कर सकती हैं। इसलिए रुढ़िवादिता में न पड़कर बेटी के मां-बाप को सेवा स्वीकार करना ही चाहिए व लड़के वाले भी अपनी बहू को अपने माता-पिता की सेवा से वंचित न करें। 'बेटा या बेटी का विवाह होने का मतलब ही दो परिवारों का एक होना होता है'। बेटे के माता-पिता आपसी समझदारी व सामंजस्य स्थापित करके उदाहरण प्रस्तुत कर सकते है। अगर वे बहू को उसके माता-पिता की सेवा से रोकेंगे तो वह भी दिल से उन्हें कभी अपना नहीं मान पायेगी। फिर टकराव की स्थिति पैदा होगी, जिससे संयुक्त परिवार टूटेगा और एकाकी परिवार की संख्या में बढ़ोतरी होगी जैसा कि आजकल हो रहा है।

❐ **साधना राठी**, गुवाहाटी

उचित तो है पर स्वयं की वित्त व्यवस्था भी जरूरी

समय के साथ-साथ संतान की संख्या कम होना नई जीवनशैली का हिस्सा हो गया है। बहुत बड़ी संख्या में परिवार ऐसे भी हैं जो एक या दो बेटी के बाद पुत्र का प्रयास नही करते। माता-पिता जब संतान की परवरिश में भेदभाव नहीं करते तो भविष्य के दायित्व के लिए भी समान जिम्मेदारी दोनो की रहनी तय है। पुत्र के नही होने या सेवा नहीं करने पर अपनी बेटी को सहारा बनाना हर तरह से उचित है। वैसे बदलाव के प्रथम दौर में प्रत्येक इंसान वर्तमान के साथ-साथ बुढ़ापे के लिए आर्थिक रूप से सक्षम रहें तो वह बेटे या बेटी किसी के भी साथ रहे कम चिंता और परेशानी का सामना करना पड़ता है। सामाजिक ढांचा भी यही कहता है कि बेटों के मुकाबले बेटियां माता-पिता के साथ भावनात्मक रूप से अधिक जुड़ाव रखती है तो उनके साथ रहना अब स्वीकार्यता में आना सामान्य बदलाव मात्र है और कुछ नही। समाज की सोच समय के बदलाव के अनुरूप अपने आप धीरे धीरे बदलती रहती है।

❐ **कपिल करवा,** संगरिया (राज.)

ये शब्द ही अनुचित, बेटी सहारा है ही

किन्हीं कारणों से माता-पिता को आवश्यकता है तो बेटी पर उनका पूर्ण अधिकार है। बशर्ते माता पिता का स्वाभिमान आहत न होने पाये। जितना परिश्रम बेटे की परवरिश के लिये किया है, उतना ही बेटी के लिए भी, तो फिर ये प्रश्न क्यों? माता-पिता की सेवा हर संतान का कर्तव्य है, चाहे बेटा हो या बेटी हो। किन्ही भी परिस्थितियों में माता-पिता के लिये कुछ करना पड़े तो बेटी और बेटी के परिवार के बाकि सदस्यों को भी सहर्ष सहमति व सहयोग देना चाहिए। माता-पिता को भी ये ग्लानी मन में कदापि नही लानी चाहिए। हमारा आपसी सामंजस्य बना रहे, ये अवश्यंभावी है। अपना अनुभवी जीवन, सौम्यता, सहिष्णुता, सहजता से बेटी के लिए सार्थक हो और वृद्धावस्था बोझ न बनकर बेटी के लिए मददगार साबित हो। हम उस परिवार का अभिन्न अंग बन जायें। हम बोझ बनकर नहीं आवश्यकता बन जाऐं।

❐ **शोभा सोनी,** दुर्ग (छत्तीसगढ़)

मारी लाडो मारे चोपड़े री रोली

जिस प्रकार हर शुभ कार्य में रोली की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार घर के हर शुभ कार्य में बेटी की आवश्यकता होती है। बेटी हर परिवार की जरूरत है, उसके बगैर हर आंगन सुना है। कहते हैं बेटी विवाह के बाद पराई हो जाती है, मैं इस बात को नहीं मानती। दिल से किसी चीज को कैसे निकाला जा सकता है, वह तो दिल से अटैच है। मानती हूँ कि बेटियों का दो परिवार होता है लेकिन दोनों परिवार में उसे खरा उतरना पड़ता है। शादी के पहले बेटी अपने मां-बाप के लिए जो कर ले कम है लेकिन शादी के बाद उसे सोचना पड़ता है, चाहे वह बिजनेस करती हो या ना करती हो क्योंकि उसे पति का अपने सास-ससुर का सामना करना पड़ता है, बहुत तो साथ देते हैं लेकिन बहुत लोग नहीं देते यह दुनिया की रीत है। मेरा मानना है चाहे बेटी बिजनेस करती हो चाहे ना करती हो अगर मां-बाप की कोई सेवा करने वाला ना हो तो उसे अपने घर के पास में ही फ्लैट दिला दें ताकि दोनों घर में खुशहाली आ सके। जब चाहे वह मां-बाप को देख सकें। जब चाहे वह सास-ससुर को देख सकें, दोनों की बराबर सेवा करें। मैं सोचती हूं, ऐसा करने से किसी भी सास-ससुर या मां-बाप को कोई आपत्ति नहीं।

❐ **ज्योति मल,** भाटापारा (छत्तीसगढ़)

ससुराल व मायके में सामंजस्य जरूरी

पुराने जमाने में बेटी को पराया धन एवं बेटे को वुढ़लदीपक समझकर परवरिश की जाती थी। बेटी के ससुराल का पानी पीना भी मंजूर नहीं था। क्योंकि बेटियां खुद आर्थिक रूप से पति पर निर्भर रहा करती थी एवं अपने ससुराल में ही सेवा प्रदान करती थी। उनकी अपनी आमदनी का कोई जरिया नहीं था। मगर आज के युग में पुत्र और पुत्री की समान रूप से परवरिश की जाती है। हर क्षेत्र में बेटियों ने अपना परचम फहरा कर यह साबित भी कर दिया है कि वह बेटों से कम नहीं है। आर्थिक रूप से वो आत्मनिर्भर है। ससुराल में बहू का फर्ज निभाने के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर अपने मां-बाप की देखभाल भी बखूबी कर सकती हैं। हमारे समाज में ऐसे कई उदाहरण देखने को मिल रहे हैं। पुत्री द्वारा माता-पिता की देखभाल करना पाप नहीं बल्कि एक सराहनीय पहल है। जिसे आपने पढ़ा -लिखा कर काबिल बनाया एवं अपने पैरो पर खड़ा रहना सिखाया, जरूरत पड़ने पर वह आपकी देखरेख, आर्थिक सहायता एवं मान-सम्मान प्रदान करती है तो उस पर गर्व करना चाहिए साथ ही इतना ध्यान अवश्य रखना चाहिए। कि वह आप की देखभाल करते-करते सास-ससुर को नजर अंदाज़ ना करें। ससुराल एवं पीहर का सामंजस्य रखकर अगर बेटी अपने माता-पिता के बुढ़ापे का जीवन सहारा बनती है तो कोई बुराई नहीं बल्कि पुण्य का कार्य करती है।

❐ **भारती सुजीत बिहानी,** सिलीगुड़ी (प.ब.)

समयानुसार लें उचित निर्णय

समयानुसार व परिस्थिति अनुसार ही निर्णय लेना चाहिए। सामान्य परिस्थिति में यदि बेटी अपनी इच्छा से जॉब/व्यापार करना चाहे या नहीं, यह केवल और केवल उसकी इच्छा पर छोड़ देना चाहिए। विपरीत परिस्थितियों में जब माता पिता का कोई कमाई का स्त्रोत न हो, घर में किसी कारण से आर्थिक कमजोरी आ गई हो या कोई विशेष मजबूरी तो बेटी को अवश्य आगे बढ़कर सर्विस या आय के स्त्रोत बढ़ाने के अन्य अवसर का लाभ लेना चाहिए। हमारे एक मित्र दम्पति के पुत्र नही है, व्यापार में नुकसान के कारण एक बार जीवन यापन कठिन हो गया, उसी समय उनकी शिक्षित पुत्री ने तुरंत जॉब कर परिवार को सहारा दिया। अब वापिस उसके पिता का व्यापार व्यवस्थित हो रहा है, तो अब पुत्री भविष्य में सर्विस करे या नहीं, उसकी इच्छा पर छोड़ देना चाहिए। उस कठिन स्थिति में बेटी का कार्य करना उनके परिवार के लिए अमृत के समान था। अभी हाल ही में राजस्थान हाई कोर्ट ने भी एक फैसले में कहा है कि "शादी के बाद बेटी पिता के परिवार की नही, बल्कि पति के परिवार की हो जाती है...ऐसे खयालात पुराने हो चुके है, विवाहित बेटा-बेटी एक समान है। अनुकंपा नौकरी के समय विवाहिता बेटी के साथ भेदभाव नही किया जा सकता।"

❐ **विमल बिहाणी,** श्रीगंगा नगर (राज.)

न करें बेटे-बेटी में फर्क

कहा जाता है कि बेटी पराया धन होती है। पर अब बदलते दौर में यह बात कुछ हद तक अप्रासंगिक होती हुई नजर आ रही है। जिस कालखंड में इस कहावत का प्रादुर्भाव हुआ, उस समय सीमित सोच से लड़कियां महज घर की चार दिवारी (बाबुल का घर हो या पीया जी का आंगन) की शोभा और जवाबदारी समझी जाती थीं। चूँकि अब परिस्थितियां बदली है। संसाधन ओर विकल्प भी असीमित उपलब्ध हैं, तो बेटियों को खुला आसमान मिला है, जिसका उपयोग वो खूब कर रही है। अब तो वो घर की देहरी से निकल उच्य शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन को, अपनी सोच के स्तर को ऊंचा उठाकर लड़को ओर लड़कियों का भेद भी खत्म कर रही हैं। अब अगर वो सक्षम होकर अपने माता-पिता का सहारा बनती है तो इसे खुले मन से स्वीकारा जाना चाहिए। अगर बेटों में अपना भविष्य ढूंढा जाना गलत नही है तो बेटियों के बूते अपने सपने साकार करने के प्रयत्न भी गलत नही हो सकते। आखिरकार बेटे हों या बेटी...दोनो मां की एक ही कोख से ही तो इस दुनिया में आये हैं।

❐ **नृसिंह करवा 'बन्धु',**
जोधपुर (राजस्थान)

निःसंकोच बनाऐं बेटी को सहारा

आज के समय में जहाँ संयुक्त से अलग हो अब छोटे परिवार होते जा रहे है और आपसी प्यार-मुहब्बत सिर्फ दिखावटी होकर रह गया है, वहाँ कोई माता-पिता जिनके बेटे-बहू ने अपने माता-पिता (सास-ससुर) को अपने साथ रखने से मना कर दिया तो वे बूढ़े माता-पिता कहाँ जाऐं? क्या वृद्धाश्रम ही उनका आखिरी पड़ाव हो? जो पूरी जिंदगी स्वाभिमान से जीए, अपने बच्चों के खातिर अपनी पूरी जिंदगी खपा दी और उन्होंने कभी बेटे-बेटी में फर्क नहीं किया तो क्यों एक नालायक औलाद की खातिर वह घुट-घुट कर जीयें? जब उन्होंने अपने जीवन काल में बेटे-बेटी में कोई अंतर नहीं किया तो क्यों नहीं वह अपनी बेटी को अपने जीवन का सहारा बना लें? आपकी तकलीफ में कोई समाज या परिवार वाला आपका दुःख दूर करने नहीं आयेगा। समाज या परिवार के बाकी सदस्य सिर्फ औपचारिकता निभाएंगे। दर्द तो सिर्फ खून के रिश्तों को होगा। तब अगर आपका बेटा आपसे मुँह मोड़ लेता है और आपकी बेटी आपका बुढ़ापे का सहारा बनना चाहती है तो इसमें कोई बुराई नहीं। समाज क्या कहेगा या लोग मज़ाक उड़ाएंगे या पाप-पुण्य, यह सब बातें कोई मायने नहीं रखती।

❐ **सपना श्यामसुंदर सारडा,**
सुरेन्द्रनगर (गुजरात)

बिल्कुल सहारा लेना ही चाहिये

जिस बेटी को पढ़ा लिखा कर बड़ा किया और उसे हमने शादी करके ससुराल भेज दिया। हम सबने बहुत अच्छा काम किया लेकिन जब माता-पिता का कोई बेटा या कोई अन्य सहारा ना हो तो उन्हे बेटी को अपना सहारा बनाने के लिए सोचना नहीं चाहिए, बल्कि बेटी को सहारा बना लेना चाहिए। क्योंकि बेटी ही तो आपका अंश है और बेटी के होते हुए माता-पिता यदि दर-दर की ठोकरें खाये और दुखी रहे, इससे बेटी को कितनी तकलीफ होगी आप समझ नहीं सकते। हमें अपने पुराने रीति-रिवाजों को छोड़कर आगे बढ़ना चाहिये। बेटी के घर का खाना या वहाँ रहना हमारी सँस्कृति में नहीं, पर जिंदगी जो मिली है, दुबारा मिलेगी या नहीं मिलेगी इसकी कोई गारंटी नही है। इसलिये जिंदगी में जो खुशियाँ मिले उन्हे जरुर लेना चाहिए। जब माता-पिता इतने अरमानों से अपनी बेटी को पाल पोस कर बड़ा करते हैं तो इतना तो हक उनका बनता ही है कि जब उनको बेटी की सहायता की जरूरत हो तो वह ले। अन्यथा क्या फायदा फिर बेटी को पढ़ाने लिखाने का, अच्छे संस्कार देने का?

❐ **भगवती शिवप्रसाद बिहानी,**
नाजिरा (आसाम)

बेटियों को भी सेवा का हक

आज जब परिवार में बेटे और बेटी को बराबर का दर्जा दिया जाना कानूनन अधिकार माना गया है तो माता- पिता की सेवा या देखभाल करने में बेटी को सहारा बनाने में अनुचित कैसे और क्यों? दूसरा बिंदु बेटी की परवरिश में भी जो माता-पिता बिना किसी भेदभाव के उसे उच्च शिक्षा दिलाने और उसका कैरियर बनाने में पूर्ण मदद करते हैं तो आवश्यकता पड़ने पर बेटी को सहारा बनाना भी उचित है। तीसरा बिंदु-आज परिवार में एक या दो संतान का प्रावधान हो गया है। मैंने ऐसे अधिकतर परिवार देखें है, जहाँ एक या दो बेटियाँ ही हैं। उनके माता-पिता जरूरत पड़ने पर किसे पुकारें? बेटी को ही तो पुकारेंगे। आज जब हमारी जीवन शैली में क्रांतिकारी परिवर्तन ने जीवन के मानदंड बदल दिये हैं। ऐसे में हमारी सोच भी बदलनी चाहिए। कानूनन बेटियाँ मां-बाप की संपत्ति में भी भाइयों के बराबर की हकदार हैं तो सेवा या देखभाल में क्यों नहीं? सामाजिक व्यवहार में ये देखा भी जाता है कि ज्यादातर बुढ़ापे में बेटियाँ ही सच्चे मन से माता-पिता की सेवा या कहें देखभाल करती हैं।

❐ **उषा माहेश्वरी पुंगलिया**
जोधपुर (राजस्थान)

माता पिता बेटियों की भी जिम्मेदारी

भारतीय परिवार व समाज में बेटे का कर्तव्य समझा जाता है कि वह अपने माता-पिता की वृद्धावस्था में उनका सहारा बने। पुरातन काल में रूढ़िवादी होने के कारण माता-पिता अपनी बेटी के घर का पानी भी नहीं पीते थे। समाज व परिवार के कारण बेटी को अपना जीवन सहारा बनाने में कतराते हैं। संस्कृति व मानसिक विचारधारा के कारण माता-पिता बेटी पर बोझ डालना नहीं चाहते हैं। परिवार व समाज मे सभी बातो पर महिलाओं मे इतने परिवर्तन आने के बाद भी कुछ महिलाये बहुत रूढ़ीवादी हैं। कानूनी तौर पर बेटी को अपने माता पिता को रखने व सेवा करने की जिम्मेदारी है। आधुनिक समय में बेटा-बेटी दोनों ही बराबर समझे जाते हैं। बेटों से ज्यादा ममता बेटी मे होती है। बेटी अपने सास-ससुर को रख सकती है तो वह अपने माता-पिता को भी रख सकती है। जब समाज एवं परिवार समझने लग जायेगा कि माता-पिता की देखभाल बेटी भी कर सकती है, उस दिन समाज से कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियां भी मिट जाएंगी। मेरे विचार से बुजुर्ग माता-पिता का पालन पोषण बेटी को भी करना चाहिये।

❐ **कुमकुम काबरा**
बरेली (उत्तरप्रदेश)

खुश रहें - खुश रखें

सुख की भी अपनी पीड़ा होती है और पीड़ा का भी सुख होता है

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

दुख कोई नहीं चाहता इसीलिए सुख के पीछे हर कोई भागता है। दुख मिलता है तो पीड़ा होती है, लेकिन सुख मिलने पर सुकून मिल ही जाए यह भी जरूरी नहीं। सुख की भी अपनी पीड़ा होती है और आध्यात्म समझाता है कि पीड़ा का भी अपना सुख होता है।

महाभारत के एक पात्र को समझा जाए जिनका नाम है 'भीष्म'। इनका सारा जीवन सुख की पीड़ा और पीड़ा के सुख के बीच में बीता। दोनों ही स्थितियों में इस व्यक्ति ने भगवान की भक्ति नहीं छोड़ी। ऊपर से भीष्म जितने सांसारिक दिखते थे, भीतर से उतने ही आध्यात्मिक थे। वे राजगद्दी से जुड़े हुए नजर आते थे लेकिन उनकी दृष्टि परम पद पर टिकी हुई थी। स्वयं राजा थे, कई राजाओं को बनाने और बिगाड़ने वाले थे। वे यह जानते थे कि- वो एक शख्स जो तुझसे पहले तख्तनशीं था, उसको भी अपने खुदा होने का उतना हीं यकीन था।

न तख्त रहते हैं न ताज। बड़े-बड़े राजा आम आदमी की तरह दुनिया से चले जाते हैं। भीष्म का अपना बड़ा परिवार, कुनबा या कुटुंब था, सारे सुख थे उनके पास, पर उतनी ही पीड़ा भी थी। वे दुर्योधन को नियंत्रण में नहीं रख पाए। कुरुवंश की नई पीढ़ी उन्हीं के सामने अमर्यादित हो गई। यह सुख की पीड़ा है। इसी में से उन्होंने पीड़ा का सुख भी उठाया। यह दृश्य आज भी कुछ परिवारों का हो सकता है लेकिन भीष्म ने हमें अपने चरित्र से बताया है कि मनुष्य छिपा हुआ परमात्मा है। एक तरह से परमात्मा का बीज है, मनुष्य। परमात्मा खिला हुआ रूप है और मनुष्य अधखिला परमात्मा।

हर एक के भीतर परमात्मा है बस, 'मैं' का भाव हटाओ कि ईश्वर प्रकट हो जाएगा। सुख की पीड़ा तो उन्होंने बहुत देखी थी। जब अंतिम समय वे शरशैया पर थे तो उनकी मृत्यु की गवाही देने श्रीकृष्ण स्वयं उपस्थित हुए थे। यह पीड़ा का सुख था। किसी भी परिवार के मुखिया के लिए भीष्म का जीवन अपने आप में एक सबक है, एक शिक्षा है, एक प्रबंधक है। चाहे तो हम भी इस सुख को उठा सकते हैं। बस इतना कीजिए, जरा मुस्कुराइए...।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?

aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "**ऐसा क्यों?**" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

ऋषिमुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

शेजवान पास्ता

सामग्रीः पास्ता 300 ग्राम, प्याज 1 बारीक कटा हुआ, लहसुन 3 फलियां बारीक काट लें, शेजवान सॉस 1/2 कप, टॉमेटो प्यूरी 1/2 कप, काली मिर्च पाउडर 1/4 छोटे चम्मच, लाल मिर्च पाउडर 1/4 छोटे चम्मच, नमक स्वाद अनुसार, चिली फ्लेक्स 1/4 छोटे चम्मच, तेल जरूरत के अनुसार, गाजर 1, पार्सले के पत्ते 2 बडे चम्मच, स्वीट कॉर्न के दाने 1/2 कप फ्रोजेन, ओरिगेनो 1/4 छोटे चम्मच

विधी : सारी सामग्री को सबसे पहले इकट्ठा कर लें, पार्सले के पत्ते को बारीक काट लें, चीज़ को ग्रेट कर लें, 1 लीटर पानी को उबाल लें, पास्ता डालकर 7-12 मिनट उबाल लें, नमक और 1 छोटे चम्मच तेल मिला लें, पानी निकाल लें, प्याज और लहसुन को बारीक काट लें, गाजर को छोटा काट लें, मटर के साथ गाजर को 5-7 मिनट गरम पानी में उबाल लें, एक कड़ाई मे तेल डाल कर गरम करें, अब बारीक कटा हुआ प्याज को भूने, हल्का भूरे होने तक, लहसुन को भी डाल कर 1 मिनट तक भून लें, उबली हुई सब्जियों को डालकर 2-4 मिनट कम आँच मे भूने, नमक और चिली फ्लेक्स मिलाएं और भूनें, काली मिर्च पाउडर और लाल मिर्च पाउडर को भी डाल दें। शेजवान सॉस और टॉमेटो प्यूरी मिलाएं, उबला हुआ पास्ता डाल दें, सूखी ओरिगेनो मिला दे। कटी हुई पार्सले और चीज डालकर अच्छी तरह से कलछी को हिलाकर मिला लें। आँच से उतार लें अब यह तैयार है ।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

कोरोना सूं शिक्षा व्यवस्था री दुर्गति

खम्मा घणी सा हुकुम कोरोना महामारी रे कारण शिक्षा व आजीविका पर गहरा प्रभाव पड़ियों है। 2 साल सूं ज्यादा हूँ ग्या स्कूल, महाविद्यालय बंद है जिणसूं लाखो छात्रों री पढ़ाई प्रभावित हूँ रही है। नर्सरी सूं लेने महाविद्यालय और बेरोजगारी री मार झेल रियाँ छात्र भी शामिल है। हुकम अगर बात करा ऑनलाइन शिक्षा री तो जो ऑनलाइन शिक्षा ले रियाँ है उणमें शहरी क्षेत्रों ने छोड़ ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधनों री कमी री वजह सूं शिक्षा व्यवस्था बहुत खराब हुगी है। पेला जठे स्कूलों व विश्वविद्यालयों रे कमरें में बैठ न पढ़ाई हुवती थी वा अब ऑनलाइन हूँ रही है। ऑनलाइन पढ़ाई रे कारण छोटा बच्चा सूं लेने बड़ा छात्र भी गंभीर बीमारियों रे चपेट में आ रियाँ है। सबसूं गंभीर बीमारी आंखों री साथे ऑनलाइन पढ़ाई रे कारण बच्चा अवांछित आदतों रा भी शिकार हूँ रियाँ हैं व चिड़चिड़ापन और अवसाद सूं ग्रस्त भी। सही बताऊं हुकुम लंबे समय तक स्कूल कॉलेज बंद हुवण सूं लाखों छात्रों रो पढ़ाई सूं मन हट ग्यो हैं क्योंकि लंबा समय तक घर मे रेवण सूं सब कुछ भूलता जा रियाँ है। गरीब परिवार आपरे बच्चो ने इंटरनेट व मोबाइल री सुविधा जुटावण में भी असमर्थ हूँ ग्या.. आमदनी नहीं... ख़ाणा पीणा भी बहुत महंगा हूँ गया.. ऊपर सूं कमाई रा साधन नहीं। एडे में बच्चो री पढ़ाई मानों चौपट हुवती जा रही हैं ।

हुकुम केंद्र सरकार रे साथे राज्य सरकारों ने भी चिंतन मनन करण री सख्त जरूरत है कि शिक्षा व्यवस्था ने चौपट हुवण सूं कीकर बचायों जा सकें। जण सरकार अर्थव्यवस्था ने पटरी पर लावण वास्तें सब कुछ खोल सकें तो शिक्षा ने बचावण वास्तें भी स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर ने खोलण पर चिंतन करणो चहिजै ताकि बच्चों ने गुणवत्ता परक शिक्षा मिल सकें।

शिक्षा हर व्यक्ति रे वास्तें बहुत आवश्यक हैं क्योंकि गुणवत्ता परक शिक्षा एक व्यक्ति ने अछौ इंसान और समाज सुधारक नागरिक बणा सकें। जिण तरह आजीविका चलावण वास्तें सरकार सभी संसाधनों रो उपयोग कोरोना में नियम रे तहत छूट दी है ऊनी तरह स्कूल कॉलेज व कोचिंग संस्थान ने नियमों रे तहत खोलण री छूट देवनी चहिजे। युवाओं री अनदेखी करणों सरकार रे लिए भारी पड़ सकेला। बहुत सा बेरोजगार युवा नौकरी री तैयारी सूं वंचित होवता जा रियाँ है इण तरह रे युवाओं रो गुस्सों सरकार वास्तें बहुत नुकसानदाई हूँ सकें। जिन छात्रों ने वैक्सीन लाग चुकी है वानें स्कूल कॉलेज व संस्थानों में प्रवेश देने कोविड नियमो री पालना करते हुवे खोल देनों चहिजे।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- जिस बात की जानकारी सबसे कम होती है...
  उसी बात का शोर सबसे अधिक सुनायी देता है...
- बात मतलब की हो तो सब समझ लेते है...
  पर बात का मतलब हर किसी को समझ में नहीं आता।
- ओरो के जोर पर अगर उड़कर दिखाओगे...
  अपने पैरों से उड़ने का हुनर तक भूल जाओगे
- समझने और जानने में बहुत अंतर है
  बहुत से लोग हमें जानते हैं लेकिन समझते नहीं हैं
- लफ्जों के इत्तेफाक़ में यूँ बदलाव करके देख...
  तू देख कर न मुस्कुरा, बस मुस्कुरा के देख...
- जमाना जान गया हमें दर्द में भी मुस्कुराने की आदत है...
  इसलिए रोज़ नया दर्द देता है वो मेरी ख़ुशी के लिए..
- जिनकी कामयाबी रोकी नही जा सकती...
  उनकी बदनामी शुरू की जाती है...

कार्टून कौतुक

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपके लिए शुभ फलदायी रहेगा। इस माह में कार्य व्यवसाय में वृद्धि होगी। सामाजिक कद बढ़ेगा। पारिवारिक वातावरण में परिवर्तन आएगा। हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होगा। पुराने रोग से मुक्ति मिलेगी। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। घर-परिवार में मांगलिक कार्य होंगे। विवाह संबंध तय होंगे। पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लोकप्रियता बढ़ेगी। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रमोशन एवं स्थान परिवर्तन के योग रहेंगे। बेरोजगारों को रोजगार प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को शिक्षा में अनुकूलता प्राप्त होगी। अपने परिश्रम का लाभ मिलेगा। पुराने मित्रों से भेंट होगी।

वृषभ

यह माह आपको अनेक प्रकार की खुशियां प्रदान करने वाला होगा। विवाह संबंध का निर्धारण होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय के नवीन साधनों की प्राप्ति होगी। नवीन योजना बनाएंगे। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। स्थाई संपत्ति के प्रकरण में समझौता होगा। संपत्ति में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। कर्मचारी वर्ग को श्रेष्ठ लाभ प्राप्ति के योग, पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। संतान सुख की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। कार्य व्यवसाय में परिश्रम की तुलना में लाभ तो कम होगा परंतु फिर भी खुशी मिलेगी। रुपए पैसे का लेनदेन सोच समझ कर करें। चोरी एवं नुकसान के योग प्रबल रहेंगे।

मिथुन

यह माह आपको सुख प्रदान करने वाला रहेगा। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। नवीन वाहन एवं वाहन सुख के योग प्रबल रहेंगे। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। पुराने विवाद में सफलता प्राप्त होगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। मित्रों एवं अपनों का स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा। स्थाई संपत्ति में ऋण के माध्यम से वृद्धि के योग रहेंगे। मामा परिवार से वैचारिक मतांतर रहेंगे। भगवान की आराधना में मन अधिक लगेगा। दांपत्य जीवन मिलाजुला रहेगा। झूठे आरोप का सामना करना पड़ेगा। धार्मिक एवं तीर्थ यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। मांगलिक एवं शुभ कार्य में भाग लेंगे।

कर्क

यह माह आपके लिए ज्ञान प्राप्ति के लिए श्रेष्ठ रहेगा। किसी गूढ़ रहस्यमय ज्ञान की प्राप्ति होगी किंतु आपको पाचन तंत्र से संबंधित कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। अपनों से वैचारिक मतांतर रहेगा। भौतिक सुख सुविधा का लुत्फ उठाएंगे एवं इन पर खर्च भी करना होगा। मानसिक परेशानी भागदौड़ बनी रहेगी। रुकावट के साथ कार्यों में पूर्णता प्राप्त होगी। गुस्से पर नियंत्रण करना परम आवश्यक रहेगा नहीं तो बड़े नुकसान का सामना करना पड़ेगा। स्थायी संपत्ति से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी। संतान की ओर से तनाव रहेगा।

सिंह

यह माह आपके लिए राजकीय पक्ष की अनुकूलता प्रदान करने वाला रहेगा। राजनेताओं के संपर्कों का लाभ प्राप्त होगा। संतान को लेकर चिंता रहेगी। विरोधी परास्त होंगे। मानसिक तनाव/टेंशन बना रहेगा। सुस्वाद व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे। शुभ कार्य एवं मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे एवं शुभ व मांगलिक कार्यों के लिए अगली रूपरेखा तैयार होगी। मन उदास रहेगा। किसी विषय को लेकर अनिश्चितता एवं भय का वातावरण निर्मित होगा। आय के नवीन स्रोत की प्राप्ति होगी। पुराने कार्य में सफलता मिलेगी। विरोधी परास्त होंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। वाहन सुख की प्राप्ति के योग रहेंगे एवं स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें।

कन्या

यह माह आपके लिए श्रेष्ठ फल प्रदान करने वाला होगा। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। लंबी यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। कार्य व्यवसाय में मनचाहा परिणाम प्राप्त होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी तथा परिश्रम की तुलना में श्रेष्ठ फल प्राप्त होगा। विरोधी परास्त होंगे। वाणी पर पूर्ण नियंत्रण रखना होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे। संतान के कार्यों को लेकर चिंता ग्रस्त रहेंगे। पाचन तंत्र पेट गैस से संबंधित कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। अपने भाग्य एवं अधिकारों के प्रति जागरूक होने से भाग्योदय होगा।

तुला

यह माह आपके लिए उत्तम फलदाई रहेगा। विरोधी परास्त होंगे। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। न्यायालयीन प्रकरण में विजय प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। उच्च सुख प्राप्त होगा। आय के नवीन स्रोत के योग प्रबल रहेंगे। संतान सुख एवं संतान के कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। हड्डी, दाढ़, दांत से संबंधित कष्ट के योग रहेंगे। मित्रों का स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा। शौक, मौज-मस्ती का लुत्फ तो उठाएंगे परंतु पाचन तंत्र से संबंधित कष्ट के योग भी रहेंगे। मन प्रसन्न रहेगा एवं चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित होगी। नौकरी में पद प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। विद्यार्थियों को परिश्रम का लाभ मिलेगा।

वृश्चिक

यह माह आपके लिए खुशी प्रदान करने वाला होगा। इच्छित कार्यों में सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। हाजिर जवाबी का लाभ मिलेगा। ऋण के माध्यम से स्थाई संपत्ति में वृद्धि होगी। विरोधी परास्त होंगे। आपकी सलाह लोगों को लाभ पहुंचाएगी। वाहन व मकान सुख एवं संतान सुख में वृद्धि होगी। पत्नी के स्वास्थ्य की चिंता एवं दांपत्य जीवन में परेशानी अनुभव करेंगे। मित्रों का स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। व्यर्थ के विवाद से बचे। लंबी यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। शत्रु को कमजोर नहीं समझें। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी।

धनु

यह माह आपके लिए आर्थिक दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण रहेगा। संपत्ति में वृद्धि होगी। सोचे कार्य में सफलता मिलेगी। भाइयों एवं परिवारजनों का स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा। वाणी द्वारा लोगों को प्रभावित करने में सफलता अर्जित होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करना होगा। हड्डी एवं दाढ़-दांत से संबंधित कष्ट के योग रहेंगे। विवाह संबंध तय होगा। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ेगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन साधारण स्तर का बना रहेगा। वाहन सुख की प्राप्ति होगी एवं आय की तुलना में व्यय अधिक होने से मानसिक तनाव का सामना करना पड़ेगा।

मकर

यह माह आपके लिए आर्थिक परेशानी का कारण रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। लंबी यात्रा के योग, भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करना पड़ेगा। अनावश्यक चिंता का सामना करना पड़ेगा। संपत्ति से संबंधित प्रकरण में सफलता प्राप्त होगी। आय में शिथिलता बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा किंतु साझेदारी सोच समझ कर करना होगी। शनि प्रधान कार्यों में, शेयर बाजार, शीघ्र लाभ-हानि प्रदान करने वाले व्यवसाय में विनियोग करने से पूर्व एक बार सोचे अवश्य। राजकीय पक्ष की अनुकूलता बनी रहेगी। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करना होगी। वाहन सावधानी से चलाएं।

कुम्भ

यह माह आपके लिए शुभ एवं मांगलिक कार्य प्रदान करने वाला रहेगा। धार्मिक यात्रा के भी योग रहेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे। सुस्वाद व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे किंतु पाचन तंत्र से संबंधित कष्ट के भी योग प्रबल बने रहेंगे। स्थाई संपत्ति के निर्माण का योग रहेगा। लंबी यात्रा एवं स्थान परिवर्तन के भी योग प्रबल रहेंगे। संतान से संबंधित कार्यों में सफलता अर्जित होगी। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्रोत की प्राप्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। दांपत्य जीवन श्रेष्ठ रहेगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा किंतु वाणी पर नियंत्रण रखना भी उतना ही परम आवश्यक बना रहेगा।

मीन

यह माह आपके लिए शुभ फलदाई रहेगा। समाज एवं परिवार में आप की प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सम्मान मिलेगा। धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे। विरोधी परास्त होंगे। खुशी का वातावरण निर्मित होगा। संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी। पत्नी के स्वास्थ्य में अनुकूलता रहेगी। आय के विभिन्न स्रोतों के माध्यम से धन का आगमन होगा। राजनीतिक संपर्क का लाभ मिलेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करना होगा। प्रतिदिन कोई न कोई नई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। विद्यार्थियों के लिए समय उत्तम रहेगा। लंबी यात्रा एवं स्थान परिवर्तन के योग प्रबल रहेंगे।

नहीं रहे समाजसेवी सुरेश सोमानी

कोटा। कोटा के जाने माने समाजसेवी सुरेश सोमानी का आकस्मिक निधन हृदय गति रूक जाने से हो गया। कोटा शहर में निधन की सूचना मिलते ही शोक की लहर दौड़ गई। स्व.श्री सोमानी का सम्पूर्ण जीवन समाजसेवा में गुजरा। आप अपने पीछे 1 पुत्र तथा 4 पुत्री का भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के उपसभापति, कोटा नागरिक सहकारी बैंक, इण्डियन रेड क्रॉस सोसाईटी, श्री माहेश्वरी समाज कोटा के अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला ने विनम्र श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री सोमानी के निधन को माहेश्वरी समाज ही नहीं अपितु देश की क्षति बताते हुए कहा कि श्री सोमानी कर्मशील, कर्मठता व संघर्ष की प्रतिमूर्ति थे। श्री बिरला ने बताया कि चेचट गांव में 21 मार्च 1947 को श्री सोमानी ने सामान्य परिवार में जन्म लिया था। वहां से कोटा शहर अध्ययन के लिए आए और अपने संघर्ष से चार्टड की पढाई पूरी की। वर्ष 1976 में उन्होनें श्री माहेश्वरी समाज के मंत्री पद पर कार्य प्रारंभ किया। वर्ष 1982—83 में उन्होने अध्यक्ष का पद ग्रहण कर सेवा के अनेक कार्य किए और समाज को आगे बढाने में अपना योगदान दिया। इसी कार्यकाल में वर्तमान माहेश्वरी भवन के भूखण्ड के लिए उन्होने सफल प्रयास कर समाज को सरकार से भूखण्ड दिलवाया। रोटरी क्लब कोटा व टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा के कोषाध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के भूतपूर्व संयुक्त मंत्री, श्री माहेश्वरी समाज कोटा के अर्थ मंत्री और लगभग 10 वर्षो तक श्री माहेश्वरी समाज सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष सहित विभिन्न सामाजिक संगठनो में विभिन्न पदो को सुशोभित करने वाले मधुभाषी समाज सेवक श्री सोमानी कोटा शहर के गणमान्य व्यक्तियों में शामिल रहे। शहर के कई गणमान्यजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रीराम दुजारी

वाराणसी। पूर्वी उत्तरप्रदेश के प्रादेशिक ट्रस्ट 'श्री महेश सेवा ट्रस्ट' के पूर्व अध्यक्ष राम दुजारी का गत 3 जनवरी को निधन हो गया। स्व. श्री दुजारी कई वर्षों तक महासभा कार्यकारी मंडल के सदस्य रहे हैं। नगर की अनेक सांस्कृतिक व सामाजिक संस्थाओं से वे सक्रिय रूप से जुड़े हुए थे। आपकी स्मृति में 17 जनवरी को माहेश्वरी क्लब द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ।

श्री रवि भंसाली

रतलाम। मनीष, प्रवीण, शीतल, रितेश, आदित्य, अभिषेक व शुभम भंसाली के भाई तथा रक्तमित्र दिलीप भंसाली के सुपुत्र रवि भंसाली का आकस्मिक स्वर्गवास मुंबई में हो गया है। इस घटना से समस्त समाजजनों में शोक की लहर छा गई।

श्री ओमप्रकाश मूंदड़ा

उज्जैन। वरिष्ठ समाजसेवी श्री कन्हैयालाल मूंदड़ा के सुपुत्र श्री ओमप्रकाश मूंदड़ा का गत 19 दिसम्बर को देहावसान हो गया। आप स्व. श्री बंशीधर मूंदड़ा के अनुज, स्व. श्री दुर्गादत्त व सुरेश कुमार मूंदड़ा के अग्रज तथा समाजसेवी अजय मूंदड़ा, संजय मूंदड़ा, विजय मूंदड़ा व जय मूंदड़ा के पिताश्री थे। आपका जीवन अत्यंत ही धार्मिक और सादगीपूर्ण था। आपने जीवनपर्यंत मंत्र जाप का दृढ़ संकल्प लिया था। अतः आप आजीवन इसी के अनुसार आचरण करते रहे थे।

दीपक इसलिये वंदनीय है क्योंकि
वह दूसरों के लिए जलता है
दूसरों से नहीं जलता।

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली
अन्तर्राष्टीय स्तर की मासिक पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

को सम्पूर्ण राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक एवं गुजरात में जिला तथा तहसील स्तर पर

ऊर्जावान एवं कर्मठ प्रतिनिधियों की आवश्यकता है

आत्मविश्वास से भरपूर व पर्याप्त
शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवारों को प्रथमिकता
आकर्षक कमीशन/ वेतन एवं प्रेस कार्ड देय होगा।
इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा पूर्ण जानकारी के साथ ई-मेल करें।

smt4news@gmail.com
मो. - 094250-91161

SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

आज़ादी का अमृत महोत्सव
मध्यप्रदेश शासन
देश के लिए बलिदान होने वाले वीर सपूतों को शत्-शत् नमन।
श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
73वें
गणतंत्र दिवस
की प्रदेशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री
शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री
जनभागीदारी से
आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
D18222/21
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2022

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date - 02 February, 2022

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com